mukhyadhara.daily@gmail.com +91 9142412511

हिन्दी दैनिक

RNI : JHAHIN/2014/54374

राष्ट्रीय मुख्यधारा

अख़बार भी, आन्दोलन भी

बोकारो, रविवार
21.4.2024
पृष्ठः 12, मूल्य 2/-
वर्ष : 11, अंक : 79

www.rashtriyamukhyadhara.com

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

चुनौतियों से निपटने या चुनौती देने! क्यों बार बार बिहार आ रहे हैं पीएम मोदी?

राष्ट्रीय मुख्यधारा। पटना

बिहार में भले ही जेडीयू का कुनबा लेकर सीएम नीतीश कुमार ने एनडीए का दामन थाम लिया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि अब भाजपा के लिए कोई चुनौती नहीं रही। जिस तरह राजद और कांग्रेस अपनी जमीनी ताकत दिखाने की कोशिश कर रहे हैं उसे पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। शायद यही वजह है कि भाजपा के दिग्गज नेताओं की नजर बिहार पर है। वे बार बार दौरे कर रहे हैं और अपनी रणनीति में भी बदलाव करते नजर आ रहे हैं। यहां कल यानी 21 अप्रैल को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह कटिहार में चुनाव रैली करेंगे तो वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 अप्रैल को पांचवी बार बिहार में चुनावी सभा करेंगे।लोकसभा चुनाव के घमासान के बीच पीएम मोदी अप्रैल महीने में चौथी बार बिहार के दौरे पर आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि पीएम मोदी 26 अप्रैल को मुंगेर और अररिया में चुनावी रैली को संबोधित कर सकते हैं। बिहार में वोटर्स को साधने और एनडीए के प्रत्याशियों के समर्थन में पीएम मोदी समेत बीजेपी के दिग्गज नेता जी-जान से जुट गए हैं। वहीं गृहमंत्री अमित शाह का अप्रैल महीने में ये दूसरा बिहार दौरा है। 21 अप्रैल को कटिहार में चुनावी रैली करेंगे, तो वहीं इससे पहले शाह ने गया में चुनावी रैली को संबोधित किया था। इससे पहले पीएम मोदी ने पूर्णिया और गया की रैली में महागठबंधन और आरजेडी पर जमकर निशाना साधा था। लालू यादव की राजद को जंगलराज, भ्रष्टाचार का प्रतीक बताया था। वहीं कांग्रेस पर सनातन का अपमान करने का आरोप मढ़ा था। ऐसे में एक बार फिर से पीएम मोदी की अगर अररिया और मुंगेर में जनसभा होती है। तो एक बार फिर से बिहार का सियासी पारा चढ़ने वाला है। बता दें 26 अप्रैल को बिहार में दूसरा चरण का मतदान है। जिसमें किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर और बांका सीट पर वोटिंग होगी। और इसी दिन पीएम मोदी बिहार में दो जगह मुंगेर- अररिया में चुनावी रैली कर सियासी माहौल को परखेंगे। बिहार में अब तक पीएम मोदी 5 से ज्यादा रैलियां कर चुके हैं। दूसरे चरण में जिन 5 सीटों पर मतदान होना है। उनमें किशनगंज छोड़कर बाकी सभी पर जेडीयू का कब्जा है।

जैसे अमेठी छोड़ा, वैसे अब वायनाड छोड़कर भागेगा शहजादा : प्रधानमंत्री

हार के डर से सोनिया गांधी राज्यसभा पहुंच गई

मुंबई। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण में शुक्रवार को 21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 102 सीटों पर मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। अब दूसरे चरण के लिए चुनाव प्रचार जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महाराष्ट्र के नांदेड़ में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा। पीएम मोदी ने कहा कि राहुल गांधी पहले अमेठी छोड़कर केरल के वायनाड गए, अब उन्हें वायनाड से भी हार का डर सता रहा है। इसके लिए शहजादा अब वायनाड छोड़कर दूसरी सेफ सीट ढूंढ रहा हैं। वैसे मोदी ने इसके साथ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर भी निशाना साधा था। पीएम मोदी ने कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पर तंज कसते हुए पीएम मोदी ने कहा वह राज्यसभा के रास्ते संसद पहुंच गए। पीएम मोदी ने कहा कि शुक्रवार को देश में पहले चरण का मतदान संपन्न हुआ है। मैं वोटिंग करने वाले सभी लोगों को, विशेषकर हमारे पहली बार वोट दे रहे लोगों को बहुत बहुत बधाई देकर उनका आभार व्यक्त करता हूं। मतदान के बाद अलग-अलग लोगों ने बूथ लेवल तक का जो विश्लेषण किया और जो जानकारियां मिल रही हैं, उससे ये विश्वास पक्का हो रहा है कि पहले चरण में एनडीए के पक्ष में एकतरफा मतदान हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि आने वाले 25 साल विश्व में भारत के महात्म्य के वर्ष हैं। इसलिए अधिक मतदान हमारी लोकतांत्रिक ताकत का परिचय दे रहा है। वोटर भी देख रहे हैं कि कैसे इंडी अलायंस के लोग अपने स्वार्थ में, अपने भ्रष्टाचार को बचाने के लिए, एक साथ आए हैं। इसकारण खबर है कि पहले चरण में मतदाताओं ने घमंडिया गठबंधन को पूरी तरह नकार दिया है। ये लोग दावें जो भी करें, लेकिन सच्चाई यही है कि चुनाव की घोषणा से पहले से ही कांग्रेस के नेता अपनी हार मान चुके हैं।

अश्लीलता में बच्चों के इस्तेमाल पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

राष्ट्रीय मुख्यधारा। नई दिल्ली

अश्लील सामग्री के निर्माण में बच्चों के उपयोग पर देश की सबसे बड़ी अदालत ने चिंता जाहिर की है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाले गैर सरकारी संगठनों (जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन अलायंस ऑफ फरीदाबाद और नयी दिल्ली स्थित बचपन बचाओ आंदोलन) की अपील पर फैसला सुरक्षित रखते हुए ये टिप्पणियां कीं। दोनों संगठन बच्चों के कल्याण के लिए काम करते हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ के अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, हो सकता है कि एक बच्चे का अश्लील सामग्री देखना अपराध नहीं हो, लेकिन अश्लील सामग्रियों के निर्माण में बच्चों का इस्तेमाल किया जाना अपराध हो सकता है और यह गंभीर चिंता का विषय है।' मद्रास उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि केवल बाल अश्लील सामग्री डाउनलोड करना और देखना बच्चों का यौन अपराधों से संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम तथा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कानून के तहत अपराध नहीं है। शीर्ष अदालत ने बाल अधिकार निकाय राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) को मामले में हस्तक्षेप करने और 22 अप्रैल तक अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने की अनुमति दी। सीजेआई ने कहा, 'बहस पूरी हो गई और फैसला सुरक्षित रख लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को मद्रास उच्च न्यायालय के उस फैसले को भयावह करार दिया था, जिसमें कहा गया है कि बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री (चाइल्ड पोर्नोग्राफी) को केवल डाउनलोड करना और उसे देखना पॉक्सो अधिनियम और आईटी कानून के तहत अपराध नहीं है। हाईकोर्ट के इस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनाई करने के लिए भी उच्च न्यायालय राजी हो गया था। हाईकोर्ट ने 11 जनवरी को 28 वर्षीय एक व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द भी कर दी थी, जिस पर अपने मोबाइल फोन पर बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री डाउनलोड करने का आरोप लगाया गया था। दो संगठनों की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एचएस फुल्का ने उच्च न्यायालय के फैसले से असहमति जताई और पॉक्सो अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों का हवाला दिया। पीठ ने कहा कि यदि किसी को इनबॉक्स में ऐसी सामग्री मिलती है तो संबंधित कानून के तहत जांच से बचने के लिए उसे हटा देना होगा या नष्ट कर देना होगा। पीठ ने कहा कि अगर कोई बाल अश्लील सामग्री को नष्ट न करके सूचना प्रौद्योगिकी प्रावधानों का उल्लंघन करना जारी रखता है तो यह एक अपराध है। कथित क्लिप 14 जून 2019 को उसके पास आई थी। उच्च न्यायालय ने आरोपी को बरी कर दिया था और आरोपी के वकील ने कहा कि सामग्री उसके व्हाट्सऐप पर ऑटोमेटिकली डाउनलोड हो गई थी। इससे पहले मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था कि आजकल के बच्चे अश्लील सामग्रियां देखने की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं और समाज को वैसे बच्चों को दंडित करने के बजाय शिक्षित करने को लेकर पर्याप्त परिपक्वता दिखानी चाहिए।

ख़ास ख़बर

राष्ट्रपति ने महावीर जयंती की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने महावीर जयंती की पूर्व संध्या पर देशवासियों विशेषकर जैन समुदाय को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि महावीर जयंती के पावन अवसर पर मैं सभी देशवासियों, विशेषकर जैन समुदाय के भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। अहिंसा और करुणा की प्रतिमूर्ति भगवान महावीर के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाने वाला यह त्योहार प्रेम व शांति का संदेश देता है। भगवान महावीर ने एक आदर्श और सभ्य समाज के लिए अहिंसा, ब्रह्मचर्य, सत्य और अपरिग्रह का मार्ग अपनाने की शिक्षा दी। उनकी शिक्षाएं समस्त मानवजाति के कल्याण के लिए सदैव प्रासंगिक रहेंगी। राष्ट्रपति ने कहा कि महावीर जयंती के शुभ अवसर पर हम संकल्प लें कि हम समाज में प्रेम और सद्भाव बनाए रखेंगे तथा राष्ट्र के विकास के लिए निष्ठा से कार्य करते रहेंगे।

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने महानदी नाव हादसे पर दुख जताया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को ओडिशा के झारसुगुड़ा में महानदी नाव हादसे पर दुख व्यक्त किया है। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर जारी अपने संदेश में कहा कि यह जानकर दुख हुआ कि ओडिशा के झारसुगुड़ा के पास महानदी नदी में एक नाव पलटने से कई लोगों की जान चली गई। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है। मैं त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने एक्स पर संदेश में लिखा, "ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में महानदी में नाव पलटने की दुखद घटना से अत्यंत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना। उल्लेखनीय है कि ओडिशा में शुक्रवार को महानदी में लखनपुर के शरधा में नाव डूबने की घटना में अभी तक सात शव बरामद किए गये हैं। ये सभी पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे।

अमेरिकी वायु सेना ने एआई विमान से एफ-16 को हराया

वाशिंगटन। दशकों से बिना इंसान के हवा से हवा में युद्ध की कल्पना की जाती रही है, लेकिन अब यह सपना हकीकत बन गया है। 2023 में, अमेरिकी वायु सेना ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। अमेरिका के एक्स-62ए विमान का इस्तेमाल कर एआई से लैस विमान को असल में उड़ रहे एफ-16 लड़ाकू जेट से हवाई लड़ाई में भिड़ाया और जीत हासिल की। पिछले साल किए गए एक परीक्षण में, एआई से लैस विमान (एक्स-62ए विस्टा) ने असल में उड़ रहे एफ-16 लड़ाकू जेट को हवाई लड़ाई में हरा दिया। यह पहली बार है जब किसी एआई विमान ने मानव पायलट वाले विमान को युद्धाभ्यास में मात दी है। इस उपलब्धि को एयरोस्पेस मशीन लर्निंग में एक बड़ी छलांग के रूप में देखा जा रहा है।

मोदी सरकार ने दिया आधी आबादी को उनका हक़ : अनुराग ठाकुर

राष्ट्रीय मुख्यधारा। नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा है कि मोदी सरकार ने महिला सशक्तीकरण से आगे बढ़ते हुए भारत में "वूमेन लेड डेवलपमेंट" का बेहतरीन उदाहरण पेश किया है। द्रौपदी मुर्मु को देश का राष्ट्रपति बनाना और महिलाओं को देश की विधायिकाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देना इसके बेहतरीन उदाहरण हैं। अनुराग ठाकुर ने ये बातें शनिवार को अपने हिमाचल प्रदेश प्रवास के दौरान सुजानपुर और भोरंज विधानसभा में आयोजित महिला मोर्चा व एससी मोर्चा सम्मेलनों में कहीं। इस मौके पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि महिलाएं विकसित भारत के चार अमृत स्तंभों में एक जरूरी स्तंभ हैं। महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मोदी सरकार ने पिछले 10 सालों में 25 से भी अधिक योजनाओं की शुरुआत की है, जिससे 20 करोड़ से भी ज्यादा महिलाओं, 5 करोड़ से ज्यादा छात्राओं और 11 करोड़ से ज्यादा कामकाजी महिलाओं को लाभ पहुंचा है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) ने अब तक देश भर में 30 करोड़ आयुष्मान कार्ड बना है। इसमें से महिलाओं के लिए लगभग 14.6 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जो 4 करोड़ घर दिये गए हैं, उसमें 70 प्रतिशत घर की मालकिन या संयुक्त मालकिन महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत खोले गए बैंक खातों की संख्या 51 करोड़ के पार पहुंच गई है। इन खातों में जमा राशि 2.08 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। इन खातों में से 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं और 67 प्रतिशत खाते ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं। आज बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के प्रभाव से बेटे के जन्म लेने की तुलना में बेटियों की संख्या बढ़ रही है। बेटियों की शिक्षा व करियर से लेकर शादी-विवाह तक की आर्थिक योजना बनाने में डाक विभाग की सुकन्या समृद्धि योजना बेहद मददगार है। अब तक 33 लाख सुकन्या समृद्धि खाता खोला जाता है। अब तक तीन करोड़ सात लाख खाते खोले गए हैं। अनुराग ठाकुर ने आगे अपने संसदीय क्षेत्र हमीरपुर के विकास के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि किसने सोचा था कि एक ही संसदीय क्षेत्र में एम्स भी होगा, पीजीआई भी होगा, दो-दो मेडिकल कॉलेज भी होंगे, केंद्रीय विद्यालय भी होंगे, केंद्रीय विश्वविद्यालय भी होगा, ट्रिपल आईटी भी होगा, एनआईटी भी होगा, हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज भी होगा, हर जिले में फोरलेन हाइवे होगा, वंदे भारत ट्रेन होगी। यह सब सिर्फ और सिर्फ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में संभव हो पाया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि 4 तारीख को जब रिजल्ट आएंगे, तब देश में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनेगी और प्रदेश में भी भाजपा की सरकार बनेगी। हिमाचल प्रदेश में फिर से डबल इंजन की सरकार दौड़ेगी। अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज इंडी अलायंस में सबसे ज्यादा ठग एकत्रित हुए हैं। इन सबों के ऊपर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। इनके कई नेता या तो जेल में हैं या फिर बेल पर बाहर हैं। ये लोग कहते हैं कि भाजपा तीसरी बार आएगी तो संविधान खतरे में चला जाएगा। असल बात यह है कि तीसरी बार जब मोदी सरकार आएगी तो भ्रष्टाचारी खत्म हो जाएंगे। मोदी के तीसरे कार्यकाल में हम देश को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाएंगे और 2047 तक हमारा भारत एक विकसित राष्ट्र बनेगा।

भारतीय पशु चिकित्सा परिषद का चुनाव घोषित, नामांकन प्रक्रिया शुरू, 8 जून को होगा मतदान

राष्ट्रीय मुख्यधारा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 11 सदस्यीय भारतीय पशु चिकित्सा परिषद के चुनाव की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही आज से नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 26 अप्रैल है। उस दिन शाम 5 बजे तक नामांकन पत्र भरे जा सकेंगे। मतदान 8 जून को होगा और 9 जून को वोटों की गिनती होगी। शनिवार को मत्स्य,पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा यह जानकारी उपलब्ध कराई गई। मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त रिटर्निंग ऑफिसर ने भारतीय पशु चिकित्सा परिषद के भारतीय पशु चिकित्सा चिकित्सकों के रजिस्टर में नामांकित व्यक्तियों में से सदस्यों के चुनाव कराने के लिए तिथियों की घोषणा कर दी है। इसके तहत सभी चुनावी प्रक्रिया संपन्न होगी। मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि 20 से 24 अप्रैल तक सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक नामांकन होगा। नामांकन की जांच 1 मई (बुधवार) की सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 3 मई 2024 शाम 5 बजे तक रखी गई है। मतदान 8 जून, 2024 को प्रातः 7 बजे से सायं 7 बजे तक होगा। 9 जून को वोटों की गिनती सुबह 10.30 बजे से नई दिल्ली में होगी। इसके साथ परिणामों की घोषणा कर दी जाएगी। मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि पात्र उम्मीदवार अपना नामांकन निर्धारित प्रपत्र के अनुसार न्यायमूर्ति (सुश्री) आशा मेनन (सेवानिवृत्त), पशुपालन और डेयरी विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के रिटर्निंग अधिकारी, केबिन नंबर पर 5, चंद्र लोक बिल्डिंग (दूसरी मंजिल), जनपथ रोड, नई दिल्ली में भारतीय पशु चिकित्सा परिषद का चुनाव लड़ने के लिए नियत तिथि और समय पर या उससे पहले भेज या वितरित कर सकते हैं। मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि पात्र उम्मीदवारों के पास अपना नामांकन पत्र ऑनलाइन (उम्मीदवार और प्रस्तावक/अनुमोदक के स्पष्ट हस्ताक्षर वाली स्कैन की गई कॉपी) ई-मेल आईडीः ro.vcielection[at]gmail[dot]com पर रिटर्निंग अधिकारी को जमा करने का विकल्प है।

ऑक्टाएफएक्स अवैध ऑनलाइन विदेशी मुद्रा व्यापार मामले में 2.7 करोड़ रुपये जब्त

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पीएमएलए, 2002 प्रावधान के तहत ऑक्टाएफएक्स अवैध ऑनलाइन विदेशी मुद्रा व्यापार मामले में 2.7 करोड़ रुपये की बैंक धनराशि जब्त की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि ईडी की मुंबई टीम ने ऐप और वेबसाइट http://octafx.com की तलाशी अभियान के दौरान 2.7 करोड़ रुपये की बैंक धनराशि जब्त की है। इस तलाशी अभियान के दौरान विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण भी जब्त किए गए हैं। इसके लिए 18 अप्रैल को धन-शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरों अर्थात् ऑक्टाफैक्स ट्रेडिंग के माध्यम से अवैध ऑनलाइन विदेशी मुद्रा व्यापार के मामले में चल रही जांच के हिस्से के रूप में तलाशी अभियान चलाया गया था।

सोनिया का एक ही एजेंडा बेटे राहुल को प्रधानमंत्री बनाओ : शाह

राष्ट्रीय मुख्यधारा। जयपुर

शाह ने 12 सीटें जीतने का किया दावा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भीलवाड़ा में भाजपा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल के समर्थन में एक विजय संकल्प महासभा को संबोधित करते हुए जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र के शक्करगढ़ में राजस्थान की पहले चरण की सभी 12 सीटें जीतने का दावा किया। शाह ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास ना नीति है, ना नीयत है, ना नेता है ऐसे में मोदी को वोट दीजिए क्योंकि वही अगले 5 साल में भारत को दुनिया में उचित सम्मान वाले स्थान पर लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी का एक ही एजेंडा है कि मेरे बेटे राहुल बाबा को प्रधानमंत्री बनाओ लेकिन दूसरी ओर मोदी जी का एजेंडा है कि मेरे भारत को महान भारत बनाओ। इसके अलावा शाह ने राजस्थान की पहले चरण की पूरी 12 सीटों की वोटिंग पर कहा कि हम सभी सीटें जीत रहे हैं।गृहमंत्री ने आगे कहा कि कांग्रेस के पास आज के समय में ना नीति है, ना नीयत है, ना नेता है ऐसे में आप सब लोग मोदी जी को वोट दीजिए और अगले 5 साल में भारत को दुनिया में उचित सम्मान वाली जगह पर जाएगा उन्होंने आगे कहा कि जो लोग वोट बैंक के लालच से रामलला के दर्शन नहीं करने नहीं गए उन्हें देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने मोदी सरकार के कामों को गिनाते हुए कहा कि पीएम मोदी ने जो भी वादे किए उन्होंने पूरे किए लेकिन आज कांग्रेस वाले कहते हैं कि कश्मीर हमारा है कि नहीं और राजस्थान वालों का कश्मीर से क्या लेना-देना लेकिन मैं खरगे जी को कहना चाहता हूं कि उन्हें नहीं मालूम कि राजस्थान से कितने लोग सेना में हैं और कश्मीर के लिए, राजस्थान के कितनी माताओं के लाल ने अपनी जान दे दी।

इजराइली पीएम के खिलाफ आईसीसी जारी करेगा गिरफ्तारी वारंट

राष्ट्रीय मुख्यधारा। येरुशलम

इजराइल-हमास युद्ध के बीच गाजा में अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करने के आरोप में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, कई राजनेताओं और सैन्य नेताओं के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी हो सकता है। इजराइल को हमास के खिलाफ युद्ध के बीच डर सताने लगा है कि अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल को सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली थी कि आईसीसी आने वाले समय में वारंट जारी करने पर विचार कर रहा है। इसके बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस में कई विशेषज्ञों ने इस मुद्दे पर तत्काल बैठक की थी। इस बैठक में वारंट को टालने के प्रयासों पर चर्चा हुई थी। इजराइल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस बैठक में इस बात पर सहमति बनी थी कि इजराइल गिरफ्तारी वारंट टालने के लिए आईसीसी और अन्य राष्ट्रों के विदेश डिप्लोमैटिक अधिकारियों से बातचीत करेगा। इसके अलावा, इजराइल प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने ब्रिटेन और जर्मनी के विदेश मंत्रियों से इस मामले में मदद भी मांगी है। नेतन्याहू के मंत्रियों को डर है कि गाजा में मानवीय संकट को देखते हुए यह वारंट जारी हो सकता है। फरवरी में हमास की कैद से रिहा हुए कुछ इजराइलियों ने आईसीसी में हमास के युद्ध अपराध के खिलाफ शिकायत की थी। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के चीफ प्रॉसिक्यूटर करीम खान पिछले साल दिसंबर में इजराइल दौरे पर आए थे। इस दौरान करीम उन क्षेत्रों में भी गए थे, जहां हमास ने हमला किया था। करीम खान ने कहा था कि इजराइल में हमास की क्रूरता के सबूत मौजूद हैं। अब हमास के खिलाफ कार्रवाई शुरू करना उनका कर्तव्य है। 1 जुलाई 2002 को इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट यानी आईसीसी की शुरुआत हुई थी। ये संस्था दुनियाभर में होने वाले वॉर क्राइम, नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों की जांच करती है। ये संस्था 1998 के रोम समझौते पर तैयार किए नियमों के आधार पर कार्रवाई करती है। आईसीसी का मुख्यालय द हेग में है। ब्रिटेन, कनाडा, जापान समेत 123 देश रोम समझौते के तहत इसके सदस्य हैं। आईसीसी ने यूक्रेन में बच्चों के अपहरण और डिपोर्टेशन के आरोपों के आधार पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

मोदीजी चला रहे भ्रष्टाचार की पाठशाला भाजपा बन गई भ्रष्टाचारियों का अड्डा

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी पर भ्रष्टाचार की पाठशाला चलाने का आरोप लगाया। राहुल ने कहा कि भाजपा भ्रष्टाचारियों का अड्डा बन गई है, सत्तारूढ़ पार्टी ने अपने नेताओं के लिए यह क्रैश कोर्स अनिवार्य कर दिया है, जिसकी कीमत देश चुका रहा है। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक की सरकार इस भ्रष्टाचार की पाठशाला पर ताला लगा देगी और इस पाठ्यक्रम को हमेशा के लिए बंद कर देगी। राहुल गांधी का यह हमला पीएम मोदी को भ्रष्टाचार का चैंपियन कहने और चुनावी बांड को दुनिया की सबसे बड़ी जबरन वसूली योजना करार देने के कुछ दिनों बाद आया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पत्रकारवार्ता में कहा कि यह चुनाव एक वैचारिक चुनाव है। एक तरफ, आरएसएस और भाजपा हैं जो देश के संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को खत्म करने का प्रयास कर रहे हैं तो और दूसरी ओर इंडिया ब्लॉक है जो संविधान की रक्षा और बचाव कर रहा है। बता दे कि पिछले दिनों एक साक्षात्कार में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि चुनावी बांड का उद्देश्य काले धन पर अंकुश लगाना है।

अशोक चव्हाण को जेल भेजने का वादा कब पूरा होगाः जयराम रमेश

मुंबई। कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सदस्य अशोक चव्हाण के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप का उल्लेख कर कहा कि पीएम मोदी को बताना चाहिए कि क्या वह चव्हाण को जेल भेजने का अपना 10 साल पुराना वादा पूरा कब करने वाले है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, शनिवार को प्रधानमंत्री नांदेड़ और परभणी में सभा को संबोधित करने जा रहे हैं। उनसे हमारे सवाल हैं। क्या प्रधानमंत्री भाजपा के राज्यसभा सदस्य चव्हाण को जेल में डालने का अपना वादा निभाएंगे? मराठवाड़ा में सूखे और पानी की कमी से निपटने के लिए भाजपा के पास क्या योजना है? नांदेड़ मंडल में भारतीय रेलवे इतनी खराब स्थिति में क्यों है? उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री को 30 मार्च, 2014 को नांदेड़ में दिए गए अपने भाषण के शब्दों को याद करना चाहिए। तब उन्होंने तब के कांग्रेस नेता चव्हाण पर तीखा हमला बोला था, जो अब भाजपा वाशिंग मशीन योजना के नए लाभार्थी हैं। प्रधानमंत्री ने चव्हाण को आदर्श उम्मीदवार बताकर कहा था कि अगर वे प्रधानमंत्री बने, तब चव्हाण को छह महीने के भीतर जेल भेज दूंगा।

संक्षिप्त समाचार

एएसपी निशा मुर्मू के घर में लगी आग, लाखों का नुकसान

रांची। रांची के गोंदा थाना क्षेत्र के मिशन गली स्थित एएसपी निशा मुर्मू के घर में शनिवार दोपहर अचानक आग लग गयी। हालांकि अगलगी में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अगलगी की घटना के बाद वहां अफरा-तफरी मच गयी। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग मौके पर पहुंचे । अग्निशमन विभाग का तीन वाहन पहुंचा और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस घटना में लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हालांकि आंकलन के बाद ही पूरा मामला स्पष्ट हो सकेगा। थाना प्रभारी ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। आग को बुझा लिया गया है। कितने का नुकसान हुआ इस संबंध में अबतक लिखित कोई भी आवेदन नहीं दिया गया है। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है।

राज्य में बढ़ती गर्मी के कारण अब 11.30 बजे तक ही चलेंगी आठवीं तक की कक्षाएं

रांची। राज्य में भीषण गर्मी को देखते स्कूलों में कक्षाओं का समय सरकार ने निर्धारित कर दिया है। इस संबंध में शनिवार को स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने जारी आदेश में कहा है कि सभी कोटि के सरकारी, गैर-सरकारी, सहायता प्राप्त-गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं सभी निजी स्कूलों में केजी से लेकर आठवीं तक की कक्षाएं सुबह सात बजे से 11:30 बजे तक ही चलेंगी। कक्षा नौ एवं इससे ऊपर की कक्षाएं सात बजे से 12:00 बजे तक ही संचालित की जाएंगी। इस अवधि में प्रार्थना सभा या खेलकूद एवं अन्य गतिविधियां धूप में संचालित नहीं की जाएंगी। हालांकि, मिड डे मील का संचालन जारी रहेगा। इस अवधि में बच्चों की पढ़ाई में होने वाली क्षति की भरपाई के संबंध में अलग से फैसला लेते हुए संसूचित किया जायेगा। जारी आदेश 22 अप्रैल से अगले आदेश तक जारी रहेगा। यह आदेश शनिवार को सरकार के प्रभारी सचिव उमा शंकर सिंह ने जारी किया है।

निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम सहित पांच आरोपितों की न्यायिक हिरासत अवधि चार मई तक बढ़ी

रांची। धन-शोधन (मनी लॉन्डरिंग)) मामले के आरोपित जेल में बंद ग्रामीण विकास विभाग के निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम, उनके भाई आलोक रंजन सहित पांच आरोपितों की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बिरसा मुंडा जेल से ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट में शनिवार को हुई। कोर्ट ने इनकी न्यायिक हिरासत अवधि चार मई तक के लिए बढ़ा दी है। ईडी ने टेंडर कमीशन घोटाले में 22 फरवरी, 2023 को वीरेंद्र राम को गिरफ्तार किया था। इनके तीन सहयोगियों नीरज मित्तल, ताराचंद गुप्ता और राम प्रकाश भाटिया को भी ईडी ने इस मामले में गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि ईडी की टीम ने वीरेंद्र राम की 39.28 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की थी। जब्त की गयी संपत्ति वीरेंद्र के जरिये टेंडर में कमीशन से उगाही कर अर्जित की गई है। 22 फरवरी, 2023 को वीरेंद्र राम के आवास पर छापेमारी के दौरान उसके रांची के अशोक नगर स्थित आवास से ईडी ने वीरेंद्र राम को गिरफ्तार किया था। वीरेंद्र राम के ठिकानों में छापेमारी के दौरान ईडी को करीब 40 लाख से अधिक नकदी और डेढ़ करोड़ के आभूषण मिले थे। ईडी ने उनके कई लग्जरी वाहन भी बरामद किये थे।

दो नाबालिग लड़कियों से दुष्कर्म के मामले में दो नाबालिग निरुद्ध, एक बालिग को भेजा जेल

रांची। राजधानी के मांडर थाना क्षेत्र में दो नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने शनिवार को दो नाबालिग लड़कों को निरुद्ध किया है जबकि एक युवक को जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार पीड़ित नाबालिग लड़की की मां ने बताया है कि उसकी बेटी गुरुवार को मौसेरी बहन के साथ चान्हो में मेला देखने गई थी। उसकी बेटी के साथ दो लड़के भी थे, जो पूर्व से उनके परिचित थे। मेले से लौटने के दौरान आरोपितों ने रास्ते में ही एक खाली मकान में डरा-धमकाकर दोनों नाबालिगों के साथ दुष्कर्म किया। जब दोनों नाबालिग गुरुवार देर रात तक घर नहीं लौटी तो परिजन उनकी तलाश के लिए निकले। काफी खोजबीन के बाद भी परिजनों को उनका कुछ पता नहीं चला। इसी दौरान एक नाबालिग आरोपितों के चंगुल से आधी रात को ही भाग खड़ी हुई। इस बीच उस लड़की की मुलाकात परिजनों से हुई, जिसके बाद उसने पूरी घटना की जानकारी दी। परिजनों ने शुक्रवार को मांडर थाना पहुंचकर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दूसरी पीड़िता को खलारी-बिजुपाड़ा मार्ग के पास स्थित जंगल से खोज निकाला। थाना प्रभारी राहुल ने शनिवार को बताया कि दो नाबालिग लड़कियों के साथ हुए दुष्कर्म के तीनों आरोपितों को पकड़ लिया गया है। इनमें से दो आरोपित नाबालिग हैं, जिनको निरुद्ध किया गया है। उन्हें रिमांड होम भेजा गया है। एक बालिग आरोपित को जेल भेजा गया। मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

सेना की जमीन की खरीद-बिक्री के आरोपित अफसर अली की डिस्चार्ज पिटीशन पर फैसला 25 को

रांची। बरियातू स्थित सेना की 4.55 एकड़ भूमि की खरीद-बिक्री मामले में आरोपित अफसर अली की डिस्चार्ज पिटीशन पर ईडी के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की कोर्ट अब 25 अप्रैल को फैसला सुनाएगी। इससे पूर्व दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद फैसला 20 अप्रैल तक के लिए सुरक्षित रख लिया गया था लेकिन शनिवार को अदालत के नहीं बैठने के कारण आदेश पारित नहीं किया जा सका। फिलहाल अफसर अली पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े मामले में ईडी के रिमांड पर है। अफसर अली के खिलाफ मामले में चार्जशीट दाखिल हो गया है और जांच भी पूरी हो गई है। ईडी ने अफसर अली को कोर्ट के अनुमति से 14 अप्रैल, 2023 को गिरफ्तार किया था। तब से वह न्यायिक हिरासत में है। मामले में अब उस पर आरोप गठन की प्रक्रिया होनी है, जिसे देखते हुए उसकी ओर से डिस्चार्ज पिटीशन दाखिल किया गया। उल्लेखनीय है कि बरियातू स्थित 4.55 एकड़ सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़े मामले में ईडी ने रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, कारोबारी विष्णु अग्रवाल, बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, फर्जी रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान और मोहम्मद सद्दाम, अमित अग्रवाल और दिलीप घोष के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया है।

एकाउंटेंट संजय कुमार हत्याकांड के आरोपित की जमानत याचिका खारिज

रांची। अपर न्यायायुक्त एमसी झा की अदालत ने शनिवार को जमीन कारोबारी कमल भूषण के एकाउंटेंट संजय कुमार की हत्या मामले के मुख्य आरोपित राहुल कुजूर की जमानत याचिका खारिज कर दी। इससे पूर्व शुक्रवार को अदालत ने मामले के एक अन्य आरोपित डब्लू कुजूर की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। मामले में दोनों पर आरोप है कि राहुल कुजूर और डब्लू कुजूर के इशारे पर एकाउंटेंट संजय कुमार की हत्या हुई थी। पांच जुलाई, 2023 को एकाउंटेंट संजय कुमार ऑफिस से घर लौट रहे थे। इसी दौरान शूटरों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी। हत्याकांड को लेकर एसआईटी गठित की गई थी। मामले में डब्लू कुजूर, उसकी पत्नी सुशीला कुजूर और बेटा राहुल कुजूर सहित 10 आरोपितों के खिलाफ सुखदेव नगर थाना में कांड संख्या 269/2023 के दर्ज कराई गई थी। मामले के सभी आरोपित जेल में है। इनपर कोर्ट में 22 अप्रैल को आरोप गठित होना है। इस मामले में भी डब्लू कुजूर, सुशीला कुजूर और राहुल कुजूर सहित कई आरोपित के खिलाफ सुखदेव नगर थाना में (कांड संख्या 238/2022) दर्ज कराया गया था।

सिंहभूम लोकसभा सीट पर पहली बार दो महिलाओं में होगा दंगल

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

झारखंड में हो रहे लोकसभा चुनाव में इस बार सबकी निगाहें सिंहभूम सीट पर टिकी है। इस सीट पर पहली बार दो महिला उम्मीदवार आमने-सामने हैं। सिंहभूम के इतिहास में पहली बार है कि मुख्य मुकाबले में महिला उम्मीदवार हैं। भाजपा की गीता कोड़ा और झामुमो की जोबा मांझी के बीच कांटे का मुकाबला माना जा रहा है। यहां 13 मई को वोट डाले जाएंगे। चुनावी अखाड़े में भाजपा ने निवर्तमान सांसद गीता कोड़ा को उतारा है जबकि इंडी गठबंधन ने हेमंत सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्री रहीं जोबा मांझी पर भरोसा जताया है। दोनों उम्मीदवार अपनी-अपनी विधानसभा सीटों पर भी मजबूत पकड़ रखती हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि सामाजिक ताने-बाने में झामुमो की जमीनी पकड़ भाजपा से बेहतर नजर आती है। इस कारण ही चाईबासा की सभी छह विधानसभा सीटों पर झामुमो-कांग्रेस का एकतरफा कब्जा है। हालांकि, विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव का वोटिंग पैटर्न अलग होता है। सिंहभूम लोकसभा सीट पर 2019 की मोदी लहर में भी कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में गीता कोड़ा ने जीत का परचम लहराया था। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा ने इस बार कांग्रेस छोड़ कमल का दामन थाम लिया है। भाजपा ने गीता कोड़ा को ही सिंहभूम से टिकट देकर चुनाव में उतार दिया है। गीता हो जनजाति से आती हैं। सिंहभूम लोकसभा सीट हो बहुल है।लोकसभा क्षेत्र में करीब 56 प्रतिशत आबादी हो जनजातियों की है। इसके बाद पिछड़ा वर्ग में कुर्मी-महतो के बाद संथालों की आबादी है। स्थानीय जानकारों का दावा है कि जगन्नाथपुर विधानसभा में निश्चित रूप से मधु कोड़ा की पकड़ मजबूत है लेकिन उनके सामने इस संभावित लीड को सरायकेला, चाईबासा, मझगांव, मनोहरपुर और चक्रधरपुर विधानसभा में बनाये रखने की चुनौती होगी। गीता कोड़ा की उम्मीदवारी के सहारे इस बार वहां कमल खिलाने का ख्वाब भाजपा का है। गीता कोड़ा की जीत में झामुमो की सियासी जमीन का कितना बड़ा योगदान था, यह भी एक बड़ा सवाल है। इस हालात में देखना दिलचस्प होगा कि झामुमो की इस ताकत के बगैर गीता कोड़ा कितना दम-खम दिखला पाती हैं। सिंहभूम लोकसभा सीट से 1991 में झामुमो के कृष्णा मार्डी ने संथाल होते हुए भी हो बहुल लोकसभा क्षेत्र से चुनाव जीता था। इसके बाद हुए चुनाव में झामुमो लोकसभा सीट नहीं जीत सकी। पिछले दो दशकों से चुनाव में गठबंधन की राजनीति में सिंहभूम सीट सहयोगी दलों के खाते में चले जाने की वजह से झामुमो लोकसभा सीट पर उम्मीदवार खड़ा नहीं कर पाता था। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में सिंहभूम लोकसभा की सभी छह विधानसभा सीटें इंडिया गठबंधन ने जीत ली थी। झामुमो के कब्जे में पांच सीटें सरायकेला, चाईबासा, मझगांव, मनोहरपुर और चक्रधरपुर हैं। जगन्नाथपुर सीट कांग्रेस के कब्जे में है। भाजपा गठबंधन के पास विधानसभा की सीटें नहीं है। ऐसे में जोबा मांझी की सिंहभूम लोकसभा सीट पर संथाल होते हुए दावेदारी को कमजोर नहीं आंका जा सकता। संयुक्त बिहार और झारखंड सरकार में कई बार मंत्री रह चुकीं जोबा मांझी वर्ष 1995 से लेकर 2019 तक के विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक बार 2009 में ही हारी हैं। वर्ष 1995, 2000, 2005, 2014 और 2019 में वह मनोहरपुर विधानसभा से लगातार चुनाव जीतती रही हैं।

रांची पहुंचे भारत के पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, एक झलक पाने के लिए एयरपोर्ट पर उमड़ी लोगों की भीड़

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

भारत के पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर शनिवार सुबह रांची एयरपोर्ट पहुंचे, जहां उनका बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत हुआ। एयरपोर्ट पर सचिन की झलक पाने को लेकर लोगों में बड़ी उत्सुकता नजर आयी। उनके साथ उनकी पत्नी अंजली भी है। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची से निकलने के बाद उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुआ कहा कि मैं यहां अपने फाउंडेशन के लिए आया हूं। उन्होंन कहा कि सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन यहां के यूथ फाउंडेशन के साथ मिलकर काम करता है। खासकर मैं यहां की महिला खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने आया हूं। जानकारी के अनुसार युवा फाउंडेशन का कार्यक्रम ओरमांझी में है, जहां बालिकाओं को फुटबॉल सिखाया जाता है। सचिन उनसे मुलाकात करेंगे। इस दौरान सुरक्षा के भुगतान इंतजाम किए गए थे। इस दौरान रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा सहित जिला प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद थे। सचिन तेंदुलकर भारत दे दिग्गज क्रिकेटर रहे हैं। उनकी गिनती विश्व के महानतम खिलाड़ियों में शुमार किया जाता है। बीते साल इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया ने उन्हें राष्ट्रीय आइकॉन नियुक्ति किया था। दरअसल चुनाव आयोग का उन्हें राष्ट्रीय आइकॉन बनाने का मकसद लोगों की चुनाव में भागीदारी बढ़ाना है। सचिन का चुनाव आयोग के साथ ये समझौता तीन साल के लिए है।

नाबालिग का बाल विवाह होने से डालसा ने बचाया

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा)रांची की टीम ने शनिवार को एक 16 वर्षीय नाबालिग का विवाह होने से बचाया। रांची जिले के नरकोपी थाना क्षेत्र के सरवा पंचायत की नाबालिग के परिजन बाल विवाह कराने जा रहे थे। 22 अप्रैल को नाबालिग की शादी थी। घर में तैयारी चल रही थी। उत्साह का माहौल था। बच्ची मांडर कस्तूरबा की छात्रा है। वह काफी दिनों से स्कूल नहीं जा रही थी। इसकी जानकारी स्कूल प्रबंधन ने मांडर की पीएलबी सुमन ठाकुर और पूनम देवी को दी। पीएलबी ने गांव के मुखिया प्रतिनिधि बीरेंद्र उरांव को फोन कर नाबालिग के संबंध में जानकारी मांगी। बीरेंद्र ने बताया कि नाबालिग के घर में शादी है, इसलिए वह स्कूल नहीं जा रही है। प्रोजेक्ट इंपैक्ट के तहत नाबालिग की उपस्थिति के लिए पीएलबी उसके गांव पहुंची तो पता चला कि शादी उसी की है। पीएलबी ने तुरंत इसकी जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रंजन को दी। सचिव ने न्यायायुक्त दिवाकर पांडे से बात की। उनके दिशा-निर्देश पर बाल विवाह रोकने का निर्देश दिया। तुरंत बीडीओ सह बाल विवाह निषेध पदाधिकारी मांडर और नारकोपी थाना प्रभारी को भी इसकी जानकारी दी गई। साथ ही कस्तूरबा स्कूल प्रबंधन, ग्रामीण, मुखिया प्रतिनिधि और पीएलबी की उपस्थिति में नाबालिग के परिजनों के साथ बैठक की।

इंडी गठबंधन की रैली में देश और विकास विरोधियों का होगा जमावड़ा : बाबूलाल मरांडी

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने इंडी गठबंधन पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि रांची में इंडी गठबंधन की ओर से आयोजित रैली में देश विरोधी, सनातन विरोधी, झारखंड विरोधी, विकास विरोधी लोगों का जमावड़ा हो रहा है। इसमें वही लोग शामिल हो रहे हैं, जिन्होंने झारखंड को बेचने और खरीदने का काम किया है। मरांडी शनिवार को पार्टी के मीडिया सेंटर में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रैली शामिल होने वाले लोग सत्ता में आने पर सारा समय लूटने में लगाते हैं। हेमंत सोरेन चार साल सरकार में रहे। आज वे जेल में हैं। जैसे जैसी करनी वैसी भरनी वाली कहावत उनपर पर चरितार्थ हो रही है। सत्ता मिलने के बाद नदी, बालू, पहाड़ तक नहीं छोड़ा। राजमहल के पहाड़ को खोद दिया। मरांडी ने कहा कि राजमहल में 1000 करोड़ के पत्थर का अवैध खनन हुआ है। ईडी ने इसका उल्लेख अपने चार्जशीट में किया है। बालू, कोयला पत्थर की लूट की। जमीन में फर्जीवाड़ा का उसको बेचने का काम किया। सेना की जमीन को भी नहीं छोड़ा। आदिवासी जमीन का फर्जी कागजात बनाकर उसे बेचा। इस कार्य को सरकार का संरक्षण मिलता रहा। अब धीरे-धीरे ईडी ऐसा करने वाले सभी लोगों को जेल में डाल रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड की जनता सब जानती है। जनभावना का सम्मान नहीं करने और हर तरह से जनता को लूटने वालों का जमावड़ा रैली में हो रहा है। ऐसे लोगों पर जनता कैसे विश्वास करेंगी। मरांडी ने कहा कि ये वही लोग हैं, जो आतंकी हमले को भगवा आतंकवाद कहते हैं। देश के जवान के आतंकियों की गोली से मारे जाने पर राजनीति करते हैं। 'जी' लगाकर आतंकवादियों को सम्मान देते हैं। भारत के जवान के जवाबी कार्रवाई करने पर सबूत मानते हैं। देश को कमजोर करने का लगातार प्रयास करते हैं। ऐसे ही लोगों का जुटान रैली में हो रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 1962 में देश का बड़ा हिस्सा चीन को कांग्रेस सरकार ने दे दिया था। मोदी सरकार देश की एक-एक जमीन के लिए जान लगा रही है। किसी की भी हिम्मत नहीं है, जो देश का एक इंच भी जमीन कब्जा कर ले। गलवान घाटी और पूर्वोत्तर के क्षेत्र में यह नजारा देश की जनता देख चुकी है। उन्होंने कहा कि पहले डिफेंस के क्षेत्र में हम सिर्फ आयात करते थे। आज निर्यात कर रहे हैं। मरांडी ने कहा कि 2004 में अटल की सरकार जाने के बाद कांग्रेस सत्ता में आई। तब देश की अर्थव्यवस्था 11 स्थान पर थी। मनमोहन सरकार के कार्यकाल में सुपर पीएम सोनिया गांधी थी। स्थिति यह रही देश की अर्थव्यवस्था मात्र एक पायदान ऊपर आई यानी 11 में से 10वें नंबर पर आई। मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल में भारत की अर्थव्यवस्था में बड़ी छलांग लगाकर पांचवें स्थान पर पहुंच गई। मोदी सरकार के तीसरे टर्म में देश की अर्थव्यवस्था तीसरे स्थान पर आ जाएगी।

उलगुलान न्याय महारैली में दिखेंगे इंडी गठबंधन के सभी उम्मीदवार

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

झामुमो के नेतृत्व में इंडी गठबंधन की तरफ से रविवार को उलगुलान न्याय महारैली से लोकसभा चुनाव का शंखनाद होगा। साथ ही इंडी गठबंधन इस रैली के जरिए एकजुटता का भी परिचय देकर चुनावी मैदान में उतरेगा। इस रैली में गठबंधन के सभी उम्मीदवार मंच पर दिखेंगे। वैसे तो इंडी गठबंधन अब तक 11 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुका है। बची तीन लोकसभा सीटों रांची, जमशेदपुर और पलामू की घोषणा होनी बाकी है। रांची लोकसभा सीट कांग्रेस कोटे में है। इस सीट से सुबोधकांत सहाय की बेटी यशस्विनी सहाय का नाम सबसे आगे चल रहा है। इसके साथ मंत्री बन्ना गुप्ता के नाम की चर्चा केंद्रीय चुनाव समिति में चल रही है, जिस पर पार्टी निर्णय ले सकती है। हालांकि, रांची लोकसभा के लिए सुबोधकांत सहाय की बेटी के नाम पर आलाकमान अंतिम निर्णय ले सकता है। जेएमएम कोटे की जमशेदपुर लोकसभा सीट से आस्तिक महतो और पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य के नाम पर मुहर लग सकती है जबकि पलामू लोकसभा सीट राजद के खाते में है और इस सीट से आधिकारिक घोषणा होनी बाकी है। सुबोधकांत सहाय की बेटी के नाम पर केंद्रीय नेतृत्व राजी होता है, तो चुनावी मैदान में कांग्रेस की तीन महिला उम्मीदवार होंगी। गोड्डा से प्रदीप यादव का नाम आगे था। ऐसे में धनबाद से अनुपमा सिंह का नाम आगे बढ़ाया गया। इसके पीछे दलील थी कि एक महिला उम्मीदवार को मैदान में उतारा जाये।

अनुपमा सिंह का नाम तय होने के बाद प्रदीप यादव का मामला फंसा गया। इसके बाद स्क्रीनिंग कमेटी ने दीपिका पांडेय सिंह का नाम आगे बढ़ाया और केंद्रीय नेतृत्व सहमत भी हो गया। अब इधर सुबोधकांत सहाय ने भी अपनी बेटी का नाम आगे बढ़ाया है। ऐसे में राज्य में भाजपा ने कोडरमा, सिंहभूम से महिला उम्मीदवारों को उतरा है जबकि इंडी गठबंधन ने सिंहभूम और गोड्डा से महिला प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है।

न्याय उलगुलान महारैली 21 को, मुख्यमंत्री ने तैयारियों का लिया जायजा

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

रांची के प्रभात तारा मैदान में रविवार को न्याय उलगुलान महारैली को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। शनिवार को मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन न्याय उलगुलान महारैली की तैयारियों का जायजा लेने खुद प्रभात तारा मैदान पहुंचे। इस बीच मुख्यमंत्री पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हम लोग केंद्र सरकार के नीतियों का पोल खोलने का काम करेंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को लेकर जनता में काफी आक्रोश है। उन्होंने कहा कि जनता लोकसभा चुनाव में इसका जवाब देगी। मंहगाई, बरोजगारी बड़ा मुद्दा है। झारखंड में 14 सीटों पर गठबंधन विजयी होगा। मौके पर झामुमो के सुप्रियो भट्टाचार्य, कांग्रेस से राकेश सिन्हा , राजद से कैलाश यादव, माले नदीम खान, आबिद खान सहित अन्य कई लोग मौजूद थे। झामुमो की ओर से आयोजित इस उलगुलान महारैली में इंडी गठबंधन के कई दिग्गज नेता भी शामिल होंगे। इनमें मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, लालू यादव, तेजस्वी यादव, फारूख अब्दुल्ला, अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, कल्पना सोरेन, उद्धव ठाकरे की प्रतिनिधि सुनीता चतुर्वेदी एक मंच से उलगुलान महारैली को संबोधित करेंगे।

बड़गाई अंचल की जमीन घोटाला मामले के आरोपित सद्दाम को भेजा गया जेल

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े बड़गाई अंचल की जमीन घोटाला मामले में फर्जी दस्तावेज तैयार करने के मास्टरमाइंड मोहम्मद सद्दाम की रिमांड अवधि समाप्त होने पर शनिवार को ईडी की विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की कोर्ट में पेश किया गया। ईडी के आग्रह को देखते हुए कोर्ट ने सद्दाम हुसैन को न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार भेजने का आदेश दिया। मामले में दो मई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सद्दाम हुसैन की पेशी होगी। इससे पहले ईडी दो बार रिमांड पर लेकर सद्दाम से पूछताछ कर चुकी है। सद्दाम की जानकारी पर ईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए झामुमो नेता अंतू तिर्की सहित चार आरोपितों को गिरफ्तार किया था। ईडी ने ईसीआईआर 6/2023 के दर्ज मामले में सद्दाम हुसैन को कोर्ट से मिली अनुमति के बाद फिर से नौ अप्रैल को गिरफ्तार किया था। सद्दाम को ईडी ने एक अन्य जमीन मामले में गिरफ्तार कर पूर्व में जेल भेजा था। इससे पूर्व बड़गाई अंचल के जमीन घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, भानु प्रताप प्रसाद, आर्किटेक्ट विनोद सिंह, हिलेरियस कच्छप एवं राजकुमार पाहन के खिलाफ ईडी की टीम ने चार्जशीट दाखिल किया था। इसमें हिलेरियस की मौत हो चुकी है।

इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट के पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन का समापन

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

सीसीएल मुख्यालय में 'सतत विकास के लिए नई प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए मानव संसाधन को सशक्त बनाना' विषय पर इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट (आईएसटीडी) का दो दिवसीय पूर्वी क्षेत्रीय सम्मेलन का शनिवार को समापन हुआ। कांफ्रेंस तीन सत्रों में आयोजित हुआ। प्रथम सत्र में प्रतिभा प्रबंधन के माध्यम से मानव संसाधन उत्कृष्टता का प्रबंधन (प्रतिभा प्रबंधन के माध्यम से मानव संसाधन उत्कृष्टता का प्रबंधन) पर चर्चा हुई। निदेशक (कार्मिक), बीसीसीएल मुरली कृष्ण रमैया ने इस सत्र की अध्यक्षता की। प्रथम सत्र में निदेशक (कार्मिक), एनएचपीसी, संजीव शेखर ने विषय विशेष पर व्याख्यान दिया। प्रोफेसर वैष्णवी जगदीश साहू ने सबके सम्मुख रिसर्च पेपर प्रस्तुत किया। इस सत्र के समन्वयक पूर्व महाप्रबंधक, सेल, डॉ. हरिहरन थे। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता मेकॉन (तकनीकी) के निदेशक अमित राज ने की। इस सत्र में मानव संसाधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रौद्योगिकी के नए आयाम (मानव संसाधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रौद्योगिकी के नए आयाम पर चर्चा हुई। इस सत्र में सुजुकी के मानव संसाधन के प्रमुख मुशर्रत हुसैन एवं टाटा कंसल्टेंसी के शरत चंद्रा ने उपरोक्त विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. कुमार मोहित स्प्रिंग ने विषय विशेष रिसर्च पेपर प्रस्तुत किया। तृतीय सत्र की अध्यक्षता हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के पूर्व सीएमडी अरुण कुमार शुक्ला ने की। इस सत्र का विषय 'स्थिरता और घातीय वृद्धि' था। इस सत्र में कार्यकारी निदेशक, आईआईसीएम, डॉ. कामाक्षी रमन एवं डॉ. रोहित कुमार ने सम्बंधित विषय पर व्याख्यान दिया।

संक्षिप्त समाचार

बोकारो थर्मल में सीआईएसएफ के राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह का समापन

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल डीवीसी पावर प्लांट स्थित सीआईएसएफ फायर यूनिट में शनिवार को विगत 14 अप्रैल से चलाये जा रहे राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह का समापन समारोह किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डीवीसी के एचओपी आनंद मोहन प्रसाद मौजूद थे। इस अवसर पर एचओपी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि डीवीसी सीआईएसएफ यूनिट फायर विंग के कर्मियों एवं अधिकारियों द्वारा पूरे सप्ताह राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन स्थानीय स्कूलों,पावर प्लांट एवं ऑफिसर्स क्लब में कर आग से बचाव के लिए जागरुकता अभियान चलाया गया तथा सभी को आग से बचाव की जानकारी दी गयी। सीआईएसएफ के इस प्रकार के कार्यक्रम से पावर प्लांट, स्कूलों एवं कॉलोनी में सुरक्षा का माहौल बनाकर लोगों एवं कॉलोनी वासियों को आग से बचाव की जानकारी दी गयी है, जो कि काफी सकारात्मक प्रयास है। सीआईएसएफ फायर के अवर निरीक्षक चंद्रभान सिंह ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि आग की घटना काफी विनाशकारी होती है, जिस पर नियंत्रण जागरुकता लाकर ही किया जा सकता है। कहा कि अग्नि सुरक्षा स्मृति दिवस है उन 66 अग्निशमन कर्मचारियों की शहादत का जिन्होंने जनसेवा करते हुए सहर्ष मृत्यु का आलिंगन कर लिया था। इस दिवस के विभिन्न आयोजन पूरे सप्ताह चलाये जाते हैं इसका एकमात्र उद्देश्य अग्निकांडों से होने वाली क्षति के प्रति नागरिकों को जागरूक करना होता है। समारोह में मुख्य अतिथि एचओपी के हाथों विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफल स्कूली बच्चों, सीआईएसएफ एवं डीवीसी कर्मियों की पत्नियों एवं सीआईएसएफ के जवानों में से को पुरस्कृत किया गया। सीआईएसएफ के निरीक्षक प्रशांत कुमार प्रसून के हाथों एचओपी आनंद मोहन प्रसाद, वरीय प्रबंधक मनीष कुमार चैधरी तथा पत्रकार संजय कुमार मिश्रा को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इसके पूर्व सीआईएसएफ फायर विंग के जवानों ने सअनि सुभाष के नेतृत्व में गैस, तेल एवं पानी में लगी आग को बुझाने की प्रदर्शनी लोगों एवं आये हुए अतिथियों के सामने पेश किया जिसे काफी सराहा गया। मौके पर डीवीसी के वरीय प्रबंधक मनीष कुमार चौधरी, सूरज तिवारी, निरीक्षक प्रशांत कुमार प्रसून, अनि रहीम अंसारी, विक्रम सिंह, सअनि सुरेश यादव, आरएन चक्रवर्ती, सतवीर सिंह, मनोज फुकन, सुभाष, हीरन बोरा, आरएन चौधरी, हेड कांस्टेबल लघुतम सहित काफी संख्या में अधिकारी एवं जवान मौजूद थे। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन फायर के अनि सीबी सिंह ने किया।

गर्मियों में जल पिलाना परम परोपकार : संपतमल

बोकारो। रोटरी क्लब चास ने चास में चल रही हीट वेव में राहगीरों को राहत देने की उद्देश्य से बाय पास रोड, चास में प्याऊ की व्यवस्था की। रोटरी क्लब चास की अध्यक्ष पूजा बैद ने कहा कि चास मुख्य बाजार होने के कारण बड़ी संख्या में यहां ग्रामीण खरीददारी करने आते हैं, परंतु भीषण गर्मी में उन्हें पीने के पानी की किल्लत झेलनी पड़ती है। अब उन्हें परेशानी नही होगी। समाजसेवी संपतमल ने प्याऊ का शुभारंभ करते हुए जन-उपयोगी सेवा के लिए रोटरी क्लब चास की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के संयोजक धनेश बंका ने कहा कि तेज धूप और गर्मी से परेशान लोगों को पीने के पानी के लिए इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा। धनेश ने कहा कि अब राहगीरों को मटके का ठंडा पानी पीने को मिलेगा और उनका गला तर होगा। रोटरी क्लब चास की सचिव डिंपल कौर ने कहा कि रोटरी क्लब अपने कर्तव्य का पालन कर पथिकों की सेवा कार्य कर रही है। डिंपल ने बताया कि यह अस्थाई प्याऊ गर्मी भर लोगों की सेवा के लिए तत्पर रहेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय बैद, मंजीत सिंह, बिनोद चोपड़ा, आनंद अग्रवाल, गणेश महतो, धनंजय शर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एसडीएम ने अवैध कोयला लदा ट्रक किया जब्त

बोकारो थर्मल। लोकसभा चुनाव को लेकर बोकारो जिला प्रशासन बेहद अलर्ट है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह बोकारो डीसी विजया जाधव के निर्देश पर पूरे जिले में लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को बेरमो एसडीएम अशोक कुमार द्वारा नावाडीह के धतकीबेड़ा गांव में छापेमारी की गई। एसडीएम ने छापेमारी में उक्त स्थान पर व्यापक मात्रा में अवैध रूप से जमा अवैध कोयला को जब्त किया। एसडीएम ने मौके से कोयला लदा एक ट्रक नंबर-बीआर 26जीए-4981 को भी जब्त किया। एसडीएम ने ट्रक को नावाडीह थाना के सुपुर्द कर दिया। एसडीएम के निर्देश पर मामला दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी में नावाडीह बीडीओ प्रशांत कुमार, सीओ अभिषेक कुमार, कार्यपालक दंडाधिकारी एवं पुलिस जवान शामिल थे।

माखन मटका भवन में भाजपा की परिचयात्मक बैठक संपन्न

धनबाद। जिले के बस्तकोला (झरिया) स्थित माखन मटका भवन में शनिवार को बस्ताकोला मंडल बूथ स्तरीय परिचयात्मक बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से भाजपा प्रत्याशी ढुलू महतो , भाजपा कार्यसमिति सदस्य रागनी सिंह मुख्य रूप से उपस्थित हुई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष संतोष शर्मा ने किया,जबकि संचालन महामंत्री तरुण राय व धन्यवाद ज्ञापन संतोष रवानी ने किया। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागनी सिंह ने मंच से संबोधित करते हुए कहा कि आज देश में मोदी सरकार की उपलब्धियां के आगे विपक्ष बिल्कुल विफल है। मोदी सरकार ने बहन बेटी को सुरक्षित करने के साथ-साथ युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने, किसानों को किसान सम्मान निधि देने, खासकर महिलाओं को इज्जत घर, मुफ्त बिजली मकान आदि अनेकों सुविधाएं देने का काम किया है। मोदी सरकार ने 10 साल में वो सब करके दिखाया है जो 70 साल में पिछली सरकार नहीं सोच पाई। इसलिए देश में तीसरी बार भी नरेंद्र मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाना है। वही बात जब धनबाद लोकसभा क्षेत्र की हो तो हमे हमारे देश के यशश्वी प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी जी का काम और कमल के निशान को याद करते हुए मतदान के दौरान बटन दबाकर धनबाद में फिर एकबार कमल खिलाना है। झरिया में पिछले लोकसभा चुनाव से बढ़कर वोट मिलेगा। भाजपा को वोट देकर नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करना है। और 400 पार का लक्ष्य हासिल करना है ताकि देश का सर्वांगीण विकास हो सके और आने वाले समय में ऐतिहासिक निर्णय लिया जा सके। वही भाजपा प्रत्याशी ढुलू महतो ने कहा कि नरेंद्र मोदी के जनहितकारी कार्यों को जन जन तक पहुंचाना एक एक कार्यकर्ता का दायित्व है। अगर जनता का काम नहीं करा सका तो चुनाव में चेहरा दिखाने नहीं आउंगा। कहा आम कार्यकर्ता को भाजपा ने टिकट दिया है। कांग्रेस परिवारवाद की पार्टी है। इसलिए पति विधायक तो पत्नी को टिकट दिलवा दिया गया। यह गरीब और एक राजकुमार की लड़ाई है। भाजपा नेत्री रागिनी सिंह ने कहा कि मोदी जी ने सैंकड़ों विकास कार्य किए हैं उन्हें जन जन तक पहुंचाना है। झरिया विधानसभा संयोजक राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता बूथ स्तर पर लगे हैं, उन्ही के बदौलत ही पार्टी का परचम लहराता है।

आम जन-जीवन का जीना दुश्वार, 11 किमी प्रतिघंटे रही लू की रफ्तार ▪ कल से बदल जाएगा स्कूलों का समय, डीसी ने दिया गाइडलाइन अनुपालन का निर्देश

इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा शनिवार, पारा 44 डिग्री के पार

डीके वत्स । बोकारो

बोकारो में गर्मी अब अपने प्रचंड रूप में आ चुकी है। तापमान में दिनानुदिन बढ़ोत्तरी हो रही है। इस बार की गर्मी के मौसम में शनिवार का दिन सबसे अधिक गर्म दर्ज किया गया। मौसम-विज्ञान संबंधी सूत्रों के अनुसार बोकारो में शनिवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में जिले का तापमान 44.1 डिग्री सेल्सियस रहा, सामान्य से 5.7 डिग्री सेल्सियस अधिक रिकॉर्ड किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र, रांची की ओर से जारी वेदर बुलेटिन के मुताबिक, शनिवार को बोकारो का अधिकतम तापमान 44 और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहा। बोकारो सहित पूरे राज्य में उष्ण लहर (हीट वेव) यानी लू को देखते हुए सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से स्कूलों के समय में बदलाव का आदेश शनिवार को जारी कर दिया। इसके आलोक में बोकारो उपायुक्त विजया जाधव ने भी इस गाइडलाइन का अनुपालन सुनिश्चित करने का आदेश जारी किया है। अत्यधिक गर्मी पड़ने एवं लू को ध्यान में रखते हुए संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं सभी निजी विद्यालयों में कक्षा केजी से कक्षा 08 तक की कक्षाएं सुबह 7.00 बजे से 11.30 बजे तक एवं कक्षा 09 से ऊपर की कक्षाएं सुबह 7.00 बजे से 12.00 बजे तक संचालित की जाएंगी। इस अवधि में प्रार्थना सभा या खेलकूद एवं अन्य गतिविधियां धूप में संचालित नहीं की जाएगी, परन्तु मध्याह्न भोजन का संचालन जारी रहेगा। उक्त आदेश 22 अप्रैल से अगले आदेश तक लागू रहेगा। इस आदेश से स्कूली बच्चों को फिलहाल थोड़ी राहत मिल सकती है।

अप्रैल में ही जल रहा खून, क्या होगा जब आएगा जून- गर्मी के इस रौद्र रूप के कारण बोकारो जिले का आम जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। मौसम ऐसा कि मानो आसमान अंगारे बरसा रहा हो और धरती शोला बन चुकी हो। शहर में लू के थपेड़े शरीर झुलसा रहे हैं। सुबह के आठ बजे के बाद से ही लू के थपेड़े चलने लग रहे हैं। झुलसाती गर्मी की तपिश में सड़कों पर दोपहिया या पैदल चलना शोलों से गुजरकर चलने जैसा प्रतीत हो रहा है। लोग अभी से ही घर से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे। वे दिन भर घर में दुबके रहने को विवश हैं। अनिवार्यतावश लोग निकलते भी हैं तो पूरे एहतियात के साथ मुंह बांधे। लोगों का कहना है कि अभी से ही गर्मी जब खून जला रही है तो मई और जून आते-आते क्या होगा?

अभी राहत नहीं... आज भी 44 डिग्री रहेगा तापमान- मौसम विज्ञान केन्द्र के निदेशक अभिषेक आनंद के अनुसार, आने वाले एक-दिनों में कुछ खास राहत के आसार नहीं हैं। रविवार को बोकारो में अधिकतम 44 व न्यूनतम 26, सोमवार को अधिकतम 41, न्यूनतम 27 तथा मंगलवार और बुधवार, दोनों दिन अधिकतम 42 व न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि राज्य के कोल्हान प्रमंडल के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, उत्तरी छोटानागपुर के बोकारो, धनबाद और रामगढ़, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के रांची पलामू प्रमंडल के गढ़वा एवं पलामू जिला तथा संथाल प्रमंडल के देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा, और साहिबगंज में कहीं-कहीं हीट वेव की स्थिति देखी जा सकती है। 22-23 अप्रैल को राज्य के दक्षिणी भागों में कहीं-कहीं गर्जन और वज्रपात की संभावना है। राज्य के दक्षिणी भागों तथा उससे सटे मध्य भागों में कहीं-कहीं हल्की बारिश की संभावना है।

फुटपाथियों और गरीबों का बुरा हाल, एसी-कूलर की बढ़ी मांग- दूसरी तरफ, गर्मी के कारण सड़कों के किनारे फुटपाथ पर गुजर-बसर करने वाले गरीबों का भी बुरा हाल है। वहीं, दो वक्त की रोटी की खातिर मेहनतकश रिक्शाचालकों, ठेला चालकों को भी गर्मी के बावजूद काफी परेशानियां झेलनी पड़ रही है। वहीं, गर्मी की भीषणता बढ़ने के साथ-साथ शहर में शीतल-पेय, शरबत आदि की दुकानों पर भीड़ उमड़ रही है, जिसे पीकर लोग राहत की सांस ले रहे हैं। वहीं फ्रिज, पंखा, कूलर, एसी की खरीदारी भी तेज होती जा रही है और इनके दुकानदारों की चांदी है। कुल मिलाकर, आने वाले दिनों में बोकारोवासियों को अभी और गर्मी का दंश झेलना पड़ेगा, जिसके लिये उन्हें तैयार रहना होगा।

अंतरराष्ट्रीय संस्कृत ओलंपियाड में डीपीएस बोकारो का ऐतिहासिक प्रदर्शन

सर्वाधिक 85 विद्यार्थियों ने मारी बाजी, 6 को इंटरनेशनल रैंक 1 तो 34 ने जीते स्वर्ण

राष्ट्रीय मुख्यधारा। बोकारो

दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी कुशल मेधाविता का लोहा मनवाया है। इंटरनेशनल ओलंपियाड फाउंडेशन (आईओएफ) की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय संस्कृत ओलंपियाड में विद्यालय का ऐतिहासिक प्रदर्शन रहा। प्रतियोगिता में पहली बार सर्वाधिक 85 छात्र-छात्राओं ने शानदार सफलता दर्ज की है। खास बात यह कि छह विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रैंक 1 पाई है और तीन को जोनल रैंक 1 मिली। इन्हें मिलाकर कुल 34 विद्यार्थियों ने स्वर्ण पदक जीतकर अपने विद्यालय, बोकारो शहर एवं झारखंड का नाम गौरवान्वित किया है। इंटरनेशनल रैंक -1 पाने वालों में कक्षा छह से अदिरा दीप, सातवीं कक्षा के उज्वल पांडेय, आराध्या सिंह एवं अवनी प्रियदर्शी तथा कक्षा 10 की प्राप्ति दास एवं अमोघ आनंद झा के नाम शामिल हैं। वहीं, कक्षा 8 के ओम प्रकाश पात्रा व संस्कृत सिंह तथा नौवीं कक्षा के छात्र कुणाल आनंद ने जोनल रैंक 1 हासिल की है। इन्हें गोल्ड मेडल, गोल्ड बैज, ट्रॉफी और सर्टिफिकेट मिले हैं। इन विद्यार्थियों के अलावा प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक व गोल्ड बैज जीतने वालों में कक्षा 6 के कुंवर शौर्य व शशांक, कक्षा 7 से ऋध्वि, काव्या, आदित्य लाल, वंश राजवेद, अभिनीत महापात्रा, अक्षरा सिंह, शारदा नंदिनी व आरुष कुमार सिन्हा, कक्षा 8 से सौमिली मंडल, आयुषी श्री, अभिनव मंडल एवं पलक प्रिया, कक्षा 9 के अनिमेष आनंद, कक्षा 10 से अनुष्का प्रिया, मन्नत मनीष, आर्या सिंह, आरव यश, अर्पिता आर्या, तान्या श्री, शगुन वर्मा, शिप्रा सिंह, ऋद्धिम गुप्ता एवं आव्या सिंह के नाम शामिल हैं।

36 को रजत और 15 को मिले कांस्य पदक- इसी प्रकार, उक्त प्रतियोगिता में 36 छात्र-छात्राओं ने रजत पदक व बैज जीते हैं। इनमें कक्षा 6 से संस्कृति, शीतल सामंत सेंगर, श्रेयांश नयन, आराध्या मिश्रा, शौर्य शांडिल्य, अभिज्ञान, नैतिक कुमार, सरित चक्रवर्ती, अगस्त्या आरव व स्वप्निल खेमका, कक्षा 7 से ट्यूलिप सौम्या, अक्षिता आर्या, यशस्वी पार्थ, आशीष, एंजेल, अनीष राज, कक्षा 8 की पहल लता, अनुष्का, श्वेत सान्वी, कृष कृष्णा, सृष्टि गोराईं, ऋषभ राज एवं आर्यमन आशीष, कक्षा 9 के क्षितिज राज, मीनाक्षी तनु, राजेश कुमार बेहरा, विष्णुश्री प्रिय, रूही, अदिति प्रिया, वीर शांडिल्य व सार्थक तिवारी कक्षा 10 के आदित्य राज, ईशान गौरव, अनुपम आनंद, आयुष केसरी एवं मयंक के नाम शामिल हैं। जबकि, 15 विद्यार्थियों ने ब्रॉन्ज (कांस्य) मेडल व बैज जीते, जिनमें कक्षा 6 के तेजस खेमका व अभिनव भास्कर, कक्षा 7 की आरुषी, कक्षा 8 के कुशाग्र राज, नौवीं कक्षा के आयुष ओम दास, स्वरा सुशील कोहाडे, जय सात्विक मेदिरेड्डी, सक्षम, आस्था सिंह, श्रेया श्री, विद्या स्मृति, आर्यना रॉय, अक्षत सिंह व श्रेयस शेखर तथा कक्षा 10 के आदित्य अनुकूल शामिल हैं।

देवभाषा संस्कृत की अद्वितीय है महत्ता : डॉ. गंगवार

शनिवार को विद्यालय में आयोजित एक स्पेशल एसेंबली के दौरान विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उनके उज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने देवभाषा संस्कृत की ऐतिहासिक, पौराणिक, सांस्कृतिक और वैश्विक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए संस्कृत की उक्त अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही, भविष्य में भी लगन व परिश्रम के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

ओल्ड एज होम तथा लालमणि वृद्धाश्रम में स्व.रागिनी श्रीवास्तव की चौथी पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय मुख्यधारा। धनबाद

जिले के संबलपुर स्थित सहयोगी नगर सेक्टर 3 स्थित ओल्ड एज होम और लोहार बरवाअड्डा टुंडी रोड आसन डाबर स्थित लालमणि वृद्धाश्रम अपना घर में स्व.रागिनी श्रीवास्तव के तैलचित्र पर पुष्पअर्पण, माल्यार्पण, श्रद्धा से नमन प्रार्थना कर और दोनों आश्रमों के बुजुर्गों की भरपूर सेवा सत्कार कर मनाई गई । आश्रम के समस्त बुजुर्गों एवं स्व. रागिनी श्रीवास्तव के पति राजकुमार श्रीवास्तव एवं उनके परिजनों ने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।इस अवसर पर आश्रम में वृद्धजनों के लिए स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गई। मौके पर स्व. रागिनी श्रीवास्तव के पति राजकुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पत्नी की पुण्यतिथि पर बुजुर्गों के आश्रम आकर सेवा सम्मान व शांति प्रार्थना की गई जिससे हम सभी पूरे परिवार को बहुत ही आत्मिक व हार्दिक संतुष्टि मिली है और सबसे बहुमूल्य इन बुजुर्गों का ढेर सारा आत्मिक आशीर्वाद मेरे पूरे परिवार को मिला। ओल्ड एज होम में शांति प्रार्थना के पश्चात स्व रागिनी श्रीवास्तव के पति राजकुमार श्रीवास्तव, ससुर परमेश्वर श्रीवास्तव, देवर बसंत श्रीवास्तव, देवरानी मंजुला, पिंकी सिन्हा एवं लाली सिन्हा ने बुजुर्गों को अपने हाथों से भोजन परोसकर उनकी सुध बुध लेकर लोहार बरवा टुंडी रोड स्थित लालमणि वृद्धा सेवा आश्रम गए और वहां भी सभी बुजुर्गों का सेवा सत्कार कर आशीर्वाद लिया। पुण्यतिथि में आश्रम के अध्यक्ष नौशाद गद्दी ने राजकुमार श्रीवास्तव का धन्यवाद देकर आभार प्रकट किया और कहा इस तरह के महत्वपूर्ण पारिवारिक अनुष्ठान आश्रम में बुजुर्गों के बीच में मनाने से सभी बुजुर्गों को अपनापन, प्यार, काफी शकून और मदद मिलती हैं। साथ ही बुजुर्गों को जीवन के अंतिम पड़ाव में इस तरह का स्नेह से मनोबल मजबूत होता है साथ ही हमें 50 से अधिक बुजुर्गों वाले आश्रम के संचालन में हिम्मत मिलती है।

उपयुक्त धनबाद माधवी मिश्रा ने विभिन्न मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा। धनबाद

जिले के उपायुक्त माधवी मिश्रा ने एडीएम व अन्य चुनाव पदाधिकारी के साथ झरिया क्षेत्र के अग्नि प्रभावित मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया ।इस दौरान श्रीमती मिश्रा ने पत्रकारों को बताया कि झरिया के आग प्रभावित बूथ संख्या 225 ,226 का निरीक्षण किया गया है ।बुथ को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने पर विचार किया जा रहा है। इसको लेकर जिले के सभी चुनाव पदाधिकारी से भी विचार विमर्श किया जाएगा साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों से भी बात की जाएगी ।अग्नि प्रभावित के कारण उक्त मतदान केंद्र असुरक्षित हो गया है। मतदाताओं के सुविधा पर पूरा ध्यान दिया जाएगा। किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। साथ ही मतदान केंद्र पर पीने का स्वच्छ पानी व शौचालय का सुविधा उपलब्ध कराया जाएगा ।वहीं विकलांग मतदाताओं के लिए सभी पर्याप्त सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा ।झरिया धनबाद में मतदान प्रतिशत बढ़ाना हमारा प्रमुख लक्ष्य है ,इसको लेकर जिले के सभी पदाधिकारी जागरूकता अभियान चला रहे हैं।

बोकारो थर्मल ऐश पौंड की बदहाली पर भड़के डीवीसी अध्यक्ष, अफसरों को लगाई फटकार, दिए आवश्यक निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा। बोकारो थर्मल

डीवीसी चेयरमैन भाप्रसे अधिकारी एस सुरेश कुमार शनिवार को अपने दौरे के क्रम में चंद्रपुरा से पूर्वाह्न लगभग साढ़े दस बजे बोकारो थर्मल नूरीनगर स्थित डीवीसी के ऐश पौंड पहुचे। डीवीसी चेयरमैन के साथ मेंबर टेक्निकल एम रघुराम, मुख्य महाप्रबंधक सुभाष सिंह भी थे। ऐश पौंड पहुंचने पर बोकारो थर्मल के एचओपी आनंद मोहन प्रसाद, वरीय जीएम एफजीडी एसएन प्रसाद ने पौधा देकर चेयरमैन एवं मेंबर टेक्निकल का स्वागत किया। बाद में चेयरमैन अधिकारियों के साथ ऐश पौंड स्थित रिकवरी सिस्टम, सेटलिंग पौंड देखने पहुंचे। चेयरमैन एवं मेंबर टेक्निकल ने ऐश पौंड से व्यापक पैमाने पर उड़ रही छाई एवं पौंड में चारों ओर बिखरी छाई को देखकर नाराजगी जताते हुए सिविल के डीजीएम विश्वमोहन गोस्वामी सहित राहुल उरांव, पवन कुमार आदि को डांट पिलाई। चेयरमैन ने डीजीएम सिविल से पौंड की स्थिति को देखकर नाराजगी जताते हुए पूछा तो डीजीएम सिविल ने कहा कि पौंड की स्थिति बेहतर है। दोबारा पूछने पर भी जब डीजीएम सिविल ने अपनी बात दुहराई तो चेयरमैन ने उनकी बात को मोबाइल में रिकार्ड कर लिया। डीजीएम सिविल ने चेयरमैन से कहा कि पौंड प्रतिदिन 25 एमएम बारिश की क्षमता को भी संभाल सकता है। मेंबर टेक्निकल ने स्थानीय एचओपी से डीजीएम सिविल को लंबी छुट्टी पर भेजने की भी बात कही। पौंड से उड़ रहे व्यापक पैमान के छाई को नियंत्रित करने के लिए चेयरमैन ने एचओपी को निर्देश दिया कि पौंड के रिकवरी पंप से गार्ड लैंडिंग पाइपलाइन के द्वारा उड़नेवाली छाई को नियंत्रित किया जा सकता है। डीजीएम सिविल द्वारा इस सिस्टम के भी सक्सेस नहीं होने की बात कहे जाने पर मेंबर टेक्निकल ने उन्हें एनटीपीसी के दूसरे प्रोजेक्टों में जाकर देखकर आने की बात कही। चेयरमैन ने स्थानीय स्तर पर ट्रैक्टरों के द्वारा ऐश पौंड पर जल छिड़काव की भी बात कही। पौंड से उड़नेवाले छाई के कारण सभी को पौंड पर ही अपने नाक पर मास्क लगाना पड़ा। उन्होंने निर्देश दिया कि पांच माह के दरम्यान पौंड पूरी तरह से खाली होती रहनी चाहिए। कहा कि वर्तमान में पौंड की जो स्थिति है, उससे लगता है कि पौंड दस दिनों में ही भर जाएगा। मेंबर टेक्निकल ने एचओपी एवं डीजीएम सिविल को निर्देश दिया कि हजारीबाग में बंद पड़े स्टोन क्वायरी में छाई फेंकने को लेकर हजारीबाग के डीएफओ, डीएमओ एवं डीसी से मिलकर पहल करें, ताकि उसमें छाई फेंका जा सके। उन्होंने पौंड से उड़नेवाली छाई पर रोक लगाने का भी निर्देश सिविल के इंजीनियरों को दिया। मौके पर डीवीसी के जीएम ओएंडएम एस भट्टाचार्य, जीएम विद्युत एस भद्रा, डीजीएम प्रशासन बीजी होलकर, वरीय प्रबंधक मैकनिकल मनीष कुमार चौधरी, सिविल अभियंता अमित कुमार, स्थानीय थाना के सअनि अरविंद मेहता, बैजून मरांडी जवानों के साथ थे।

महुवा चुनने गई अधेड़ विधवा से छेड़छाड़, ग्रामीणों ने आरोपित को पकड़कर सौंपा पुलिस को

राष्ट्रीय मुख्यधारा। पलाम

रामगढ़ थाना क्षेत्र के हूटार पंचायत अंतर्गत चिल्बिलिया जंगल में महुवा चुनने गई अधेड़ विधवा महिला से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। ग्रामीणों के रोक टोक से आरोपित दुष्कर्म करने में सफल नहीं हो पाया। बाद में ग्रामीणों ने आरोपित को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। आरोपी पहले भी हत्या और दुष्कर्म मामले में जेल जा चुका है। महिला के बयान पर इस संबंध में मामला दर्ज किया गया है। बताया जाता है कि शनिवार की अहले सुबह हूटार पंचायत क्षेत्र की 50 वर्षीय विधवा महिला महुआ चुनने के लिए घर से एक किलोमीटर दूर चिल्बिलिया जंगल गई थी। यहा हूटार का युवक मुकेश कुमार उर्फ भोला यादव पिता सीता यादव पहुंचा और 50 वर्षीया महिला से छेड़छाड़ करते हुए दुष्कर्म करने के लिए खींच कर जंगल की ओर ले जाने लगा। महिला ने विरोध किया तो आरोपी उसे पटक दिया, जिससे उसका एक हाथ टूट गया। आसपास महुआ चुन रहे अन्य लोगों ने बीच बचाव कर युवक को वहां से भगाया। बाद में गांव पहुंचने के बाद ग्रामीण एकजुट हुए और आरोपी को गांव के चौराहे से पड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार मुकेश कुमार उर्फ भोला यादव पूर्व में उपरोक्त चिल्बिलिया जंगल में ही एक युवती के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर दी थी। छेड़छाड़ के मामले भी उसपर दर्ज हैं। आरोपी की इस हरकत से उसकी पत्नी एक बच्चे के साथ उससे अलग रहती है। बीच बचाव करने वालों में सूर्यदेव कोरवा, प्रमिला देवी, शकुंतला देवी, सोबराती मियां, कासिम मियां सहित अन्य शामिल हैं।

दो सगे भाइयों का तालाब में नहाने के दौरान डूबने से हुई मौत

राष्ट्रीय मुख्यधारा। गिरिडीह

बगोदर थाना क्षेत्र अंतर्गत सरिया रोड स्थित विवेक नगर निवासी चंद्रिका साव के दोनो पुत्र अशीष कुमार (15 वर्ष) ,अजीत कुमार (13 वर्ष) बीते दिन डुमरी प्रखंड के ग्राम तेलखरा तालाब में डूबने से मौत हो गई थी. जिसे लेकर आज केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सह कोडरमा सांसद सह कोडरमा लोकसभा भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी एवं बगोदर पूर्व विधायक नागेन्द्र महतो उनके निवास स्थान विवेक नगर पहुंचकर पीड़ित के परिजनों से मुलाकात कर हृदय विदारक घटना पर गहरी शौक़ संवेदना प्रकट कर ढाढस बंधाया. वही वही हर संभव मदद का भरोसा दिया.

संक्षिप्त समाचार

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गढ़वा। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के मद्देनजर यूनिवर्सल आइडियल सेवा समिति, स्किल सेंटर रंका में स्वीप कार्यक्रम के तहत 18 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के वैसे बच्चे जो पहली बार मतदान करेंगे, उनके बीच मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाकर मतदान करने के लिए प्रति किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से जिला नियोजन पदाधिकारी नीरज कुमार के द्वारा बच्चों को EVM VVPAT की जानकारी दी गई। मतदान की विशेषता बताते हुए सभी को मतदाता प्रतिज्ञा भी दिलाई गई, साथ हीं स्वीप कार्यक्रम की विशेषता बताते हुए 13 मई को पलामू लोकसभा क्षेत्र में होने वाले मतदान के दिन अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचे नैतिक रूप से मतदान करने की बात कही गई। इस दौरान यूएनडीपी प्रकाश कुमार एवं यंग प्रोफेशनल हिमांशु कुमार मौके पर उपस्थित रहे।

ज्योत्सना ज्योति ने पुरे झारखंड में 99.20% अंक प्राप्त कर हुई प्रथम

चतरा। गिद्धौर के ज्योत्सना ज्योति ने पुरे झारखंड में 496/500, 99.20% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त कर पुरे चतरा जिला के आन बान और शान के रूप पदास्थापित कर गौरवान्वित किया। इनके पिता जी राजेन्द्र कुमार दास वर्तमान में स्वामी विवेकानंद उच्च विधालय मयुरहण्ड के प्राचार्य है।

प्रतियोगिता परीक्षा के दौरान 100 मीटर की परिधि में धारा 144 लागू

पलामू। झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा 2024 का आयोजन दिनांक 21 अप्रैल को मेदनीनगर अनुमण्डल के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर सुबह 10:30 बजे से 12:30 बजे तकसंचालित की जायेगी.परीक्षा को देखते हुए मेदनीनगर सदर एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी ने क्षेत्र के परीक्षा केंद्रों के आसपास के 100 मीटर की परिधि में धारा 144 लागू कर दी है.इस बाबत उन्होंने आदेश जारी करते हुए बताया कि परीक्षा में कदाचार रोकने एवं सुरक्षा को लेकर धारा 144 लागू की गई है.इस दौरान परीक्षा केंद्र परिसर से 100 मीटर की परिधि में अभिभावक या किसी अन्य को रहने की अनुमति नहीं होगी.परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि के अंतर्गत 5 अथवा पांच से अधिक व्यक्तियों द्वारा मजमा लगाकर चलने पर प्रतिबंध रहेगा.इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों के आसपास बिना अनुमति के लाउडस्पीकर का प्रयोग भी वर्जित रहेगा.इसके अलावा परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों पर प्रतिनियुक्त पदाधिकारी,वीक्षक,परीक्षार्थी,पुलिस बल को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि में जाने पर प्रतिबंध रहेगा.यह निषेधाज्ञा सिर्फ परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित तिथि को ही लागू होगा.सदर अनुमंडल क्षेत्र में इस परीक्षा के मद्देनजर 2024 के परीक्षाओं के लिए कुल 8 केंद्र बनाए गए हैं.इन केंद्रों के आसपास असामाजिक तत्वों की ओर से परीक्षा संचालन में व्यवधान उत्पन्न होने की आशंका रहती है.इसी के मद्देनजर एसडीओ ने निषेधाज्ञा लागू की है।

झारखंडअभिभावक संघ के मांग पर शिक्षा विभाग ने की स्कूलों के समय पर बदलाव :- महेंद्र राय

बोकारो। झारखंड अभिभावक संघ के बोकारो जिला अध्यक्ष महेंद्र राय ने कहा कि झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय द्वारा राज्य के शिक्षा सचिव से आग्रह किया था कि बढ़ते गर्मी को देखते हुए स्कूलों के समय में बदलाव किया जाए। आज शिक्षा सचिव द्वारा समय बदलाव की आदेश जारी की गई।

महेन्द्र राय ने कहा कि पूरे राज्य में गर्मी के थपेड़े और गर्म हवा से आम लोग हलकान हैं ऐसे में राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन को बच्चो के स्वास्थ को ध्यान रखते हुए अपने-अपने तरीके से गर्मी का आकलन कर स्कूल बंद करने से लेकर समय में बदलाव किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अलग-अलग जिलों का तापमान में इतनी बढ़ोतरी हुई है की छोटे नौनिहालों को स्कूल भेज पाना मुश्किल सा प्रतीत हो रहा है। शिक्षा सचिव को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस आदेश से बच्चो के स्वास्थ को काफी लाभ मिलेगा जिस तरह लू बढ़ते जा रही थी बच्चो को जान का खतरा था।

पलामू लोकसभा सीट पर तीसरे दिन भी नहीं हुआ कोई नामांकन, मात्र एक फार्म बिका

पलामू। पलामू लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन शनिवार को पलामू लोकसभा सीट से एक भी नामांकन नहीं हुआ। मात्र एक फार्म की बिक्री हुई। एसयूसीआई (सी) से महेन्द्र बैठा ने नामजदगी के पर्चे खरीदे। तीसरे दिन भी नामांकन का पर्चा लेने के लिए निर्वाची पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन कार्यालय में मौजूद रहे लेकिन निर्धारित अवधि के भीतर किसी उम्मीदवार ने नॉमिनेशन नहीं किया। उल्लेखनीय है कि गुरुवार से नामांकन शुरू है। पिछले तीन दिनों के दौरान सात नामांकन पत्र बिके हैं। नामांकन 25 अप्रैल तक चलेगा। नामांकन का पर्चा समाहरणालय में निर्वाची पदाधिकारी के समक्ष भरा जायेगा। इसे लेकर समाहरणालय और आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गयी है। पर्याप्त संख्या में महिला-पुरुष सुरक्षा बलों की तैनाती की गयी है, जो आने-जाने वालों पर नजर बनाए हुए हैं। नामांकन जांच यानी स्क्रूटनी 26 अप्रैल को और नाम वापसी की अंतिम तिथि 29 अप्रैल है। काउंटिंग की तिथि चार जून निश्चित है। 13 मई को चौथे फेज में पलामू के साथ लोहरदगा, खूंटी और सिंहभूम में भी मतदान कराया जाएगा। पलामू जिले में चौथे के साथ-साथ पांचवें चरण में भी चुनाव होगा। पांचवें चरण का मतदान 20 मई को निर्धारित है। पलामू के पांकी विधानसभा क्षेत्र के चतरा संसदीय क्षेत्र में पड़ने के कारण उसका चुनाव पांचवें चरण में होगा। पलामू संसदीय सीट के अंतर्गत छह विधानसभा क्षेत्र आते हैं जबकि चतरा के अंतर्गत चार विधानसभा क्षेत्र पड़ते हैं। मतदाताओं की बात करें तो इस बार के चुनाव में पलामू में 17 लाख 1327 मतदाता हैं, जिनमें महिला मतदाताओं की संख्या 08 लाख 20429 और पुरुष मतदाताओं की संख्या 08 लाख 80 हजार 877 है।

धनबाद में साइबर अपराधी गिरफ्तार, नकदी सहित अन्य सामान बरामद

धनबाद। धनबाद साइबर पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। दरअसल साइबर पुलिस ने साइबर अपराध के कुख्यात बदमाश विक्रम दास को साइबर अपराध से जुड़े कई सामानों के साथ गोबिंदपुर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। धनबाद साइबर सेल के डीएसपी संजीव कुमार ने शनिवार को बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक धनबाद को गुप्त सूचना मिली थी की गोबिंदपुर और निरसा थाना क्षेत्र में कुछ साइबर अपराधी लोगों को झांसा देकर उनके गाढ़ी कमाई को ठगने में लगे हैं। जिसके बाद साइबर सेल ने एक विशेष टीम गठित कर छापेमारी की। जिसमें गोबिंदपुर थाना क्षेत्र से विक्रम दास नामक साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार विक्रम के पास से पुलिस ने मोबाइल फोन, लैपटॉप, एटीएम कार्ड और 15 हजार रुपये नकद बरामद किया है। साथ ही पुलिस इसके अन्य साथियों को भी गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है।

निर्वाचन कार्य मे लापरवाही व उदासीनता बरतने पर कड़ी कार्रवाई का निदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा। गढ़वा

समाहरणालय गढ़वा स्थित सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त शेखर जमुआर के द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत गठित सभी कोषांगों द्वारा किये जा रहे कार्यों एवं अबतक की गई कार्रवाईयों के निमित कार्यों की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को लेकर गठित सभी कोषांगो के नोडल पदाधिकारियों से एक-एक कर उनके सेल अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई। इनमें मुख्य रूप से पर्सोनेल सेल, कंप्यूटराइजेशन सेल, इलेक्टोरल सेल एवं EVM मैनेजमेंट सेल, ट्रेनिंग सेल, MCC, लॉ एंड ऑर्डर सेल, कंप्लेन मॉनिटरिंग सेल, इलेक्शन एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग सेल, स्वीप सेल, आईटी सेल, पोस्टल बैलट, EDC सेल, मीडिया एवं पब्लिसिटी सेल, मेटेरियल डिस्ट्रीब्यूशन सेल, कंट्रोल रूम एवं हॉटलाइन सेल, ऑब्जर्वर सेल, ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सेल, स्ट्रॉन्ग रूम सेल, एसएमएस मॉनिटरिंग एवं कम्यूनिकेशन प्लान सेल, जिला डॉक्यूमेंटेशन सेल, नॉमिनेशन एवं रिसीविंग सेल, एमसीएमसी सेल, वेलफेयर सेल एवं डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन सेल की बारी-बारी कर बिंदुवार समीक्षा की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने उक्त कोषांगों के संबंधित नोडल ऑफिसर से किए जा रहे कार्यों की जानकारी लिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी सभी एसओपी का अनिवार्य रूप से सभी कोषांग के नोडल पदाधिकारी एवं अपने अधीनस्थ पदाधिकारी और कर्मियों को अनुपालन कराना सुनिश्चित करें। साथ ही सभी को सक्रिय भूमिका निभाते हुए सभी निर्देशों का अनुपालन करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। चुनाव कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने की बात कही गई। चुनाव कार्य मे लापरवाही बरतने वाले पदाधिकारियों और कर्मियों पर उचित कार्रवाई करने की बात कही गई। मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर भी जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा स्वीप नोडल पदाधिकारी को स्वीप एक्टिविटी के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कराने हेतु निदेशित किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों पर बैनर-पोस्टर आदि के माध्यम से भी अधिक से अधिक मतदाताओं को जागरूक करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि अधिक से अधिक जिले के सभी योग्य मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें, जिससे जिले के मतदान प्रतिशत को बढ़ाया जा सके। इसके अलावा MCC घोषणा के बाद से अब तक की गई कार्रवाईयों की भी जानकारी ली गई एवं एफ०एस०टी, एस०एस०टी, वी०एस०टी० और वी०वी०टी० टीम को सक्रिय होकर कार्य करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गये। C-vigil एप्प के माध्यम से प्राप्त शिकायत के निष्पादन की भी जानकारी ली गई। सभी कार्यालय प्रधान को 12डी फार्म से संबंधित प्रतिवेदन दो दिनों के अंदर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। वाहनों की पर्याप्त व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की गई, इंटर स्टेट बॉर्डर निगरानी कार्य की समीक्षा की गई एवं जिला अंतर्गत 80% से ऊपर मतदान कराने पर जोर दिया गया। इस बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त पशुपति नाथ मिश्रा, अपर समाहर्ता मतियश विजय टोप्पो, अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा विजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी श्री बंशीधर नगर प्रभाकर मिर्धा, सिविल सर्जन डॉ० अशोक कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुशील कुमार राय, गोपनीय प्रभारी-सह-भू अर्जन पदाधिकारी संजय प्रसाद, जिला परिवहन पदाधिकारी धीरज प्रकाश, जिला पंचायती राज पदाधिकारी-सह-स्वीप नोडल प्रमेश कुशवाहा, जिला योजना पदाधिकारी-सह-जिला जन संपर्क पदाधिकारी संजीव कुमार सिंह, जिला शिक्षा पदाधिकारी आकाश कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी नीरज कुमार समेत विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी, कर्मी उपस्थित थें।

भाकपा उम्मीदवार अभय कुमार भूइंया का नामांकन 23 को

राष्ट्रीय मुख्यधारा। पलामू

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य रुचिर कुमार तिवारी ने कहा कि पलामू लोकसभा से भाकपा के उम्मीदवार अभय कुमार भूइंया का नामांकन 23 अप्रैल को होगा नामांकन की प्रक्रिया पांकी रोड नियर बुढ़वा शिव मंदिर के पास से प्रारंभ होगी नामांकन में पार्टी के राष्ट्रीय सचिव भालचंद्र कांगो महाराष्ट्र राज्य सचिव महेंद्र पाठक, पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता हजारीबाग, एवं रांची जिला सचिव अजय सिंह भाग लेंगे। श्री तिवारी ने आम एवं किसान मजदूर भाइयों नौजवान भाइयों माता बहनों से रिक्शा टेंपो चालकों से अपील की है कि होने वाले नामांकन में आगामी 23 अप्रैल को शामिल होकर संघर्ष को तेज करें एवं अपनी एकजुट का परिचय दें।

रुचिर ने बताया कि भाकपा प्रत्याशी ने शनिवार को नामांकन पपत्र ले लिया है।

चाईबासा में पीएलएफआई एरिया कमांडर सहित दो गिरफ्तार, एके-47 बरामद

राष्ट्रीय मुख्यधारा। पश्चिमी सिंहभूम

जिला मुख्यालय चाईबासा में पुलिस ने पीएलएफआई के एरिया कमांडर समेत दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एरिया कमांडर सोमा हेंब्रम और बिरसा खंडाइत शामिल हैं। दोनों की गिरफ्तारी गोईलकेरा थाना क्षेत्र के चितिर पहाड़ी के पास से हुई। इनके पास से पुलिस ने दो एके 47, नौ मैगजीन, 188 राउंड गोली, 50 हजार रुपये और मोबाइल फोन बरामद किया है। एसपी आशुतोष शेखर ने शनिवार को कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि गोईलकेरा थाना क्षेत्र के जंगली और पहाड़ी क्षेत्र में एरिया कमांडर सोमा हेम्ब्रम उर्फ नाजोम दस्ता के कुछ सदस्यों के साथ भ्रमणशील है। वे गोईलकेरा, आनन्दपुर थाना क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों को बंद कराने की धमकी देते हुए संवेदकों से लेवी की मांग कर रहे हैं। एसपी के निर्देश पर पुलिस टीम का गठन किया गया।

पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया। सोना हेंब्रम के खिलाफ चाईबासा और खूंटी जिले के अलग-अलग थानों में 11 मामले दर्ज हैं जबकि बिरसा खंडाइत के तीन मामले दर्ज हैं।

खूंटी लोकसभा चुनाव में महिला मतदाता निर्णायक भूमिका में

राष्ट्रीय मुख्यधारा। खूंटी

हमेशा सुर्खियों में रहनेवाली जनजातियों के लिए सुरक्षित संसदीय सीट की विभिन्न विशेषताओं में एक खास है कि इस लोकसभा क्षेत्र के सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों की अपेक्षा अधिक है। खूंटी, गुमला, सिमडेगा, गुमला, रांची और सरायकेला-खरसावां इन छह जिलो में फैले खूंटी लोकसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या है। 13 लाख नौ हजार 677। इनमें महिला मतदातओं की संख्या 6,66,584 और पुरुष वोटरों की संख्या है 643087। इस संसदीय क्षेत्र के छह विधानसभा क्षेत्र में भी महिला वोटरों की संख्या पुरुषों से अधिक है। एक भी विधानसभा क्षेत्र ऐसा नहीं है, जहां पुरुष मतदाताओं की संख्या महिलाओं से अधिक है। यही कारण है कि प्रत्याशियों की जीत-हार में महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। इसको लेकर हर राजनीतिक दल चुनाव के दौरान महिला मतदाताओं का अधिक तवज्जो देते हैं। जिला जनसंपर्क कार्यालय खूंटी से मिली जानकारी के अनुसार खरसावां विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 109761 है। वहीं इस सीट पर महिला वोटरों की संख्या 111383 है। तमाड़ विधानसभा क्षेत्र के कुल 215101 में पुरुष मतदाता 107358 है, जबकि महिलाओं की संख्या107743 है। इसी प्रकार तोरपा में महिला वोटरों की संख्या 1000487 है, जबकि 978122 पुरुष मतदाता हैं। खूंटी विधानसभा क्षेत्र में वोटरों की कुल संख्या 223658 है। इनमें पुरुष मतदाता 108771 है, वहीं महिला वोटरों की संख्या 114884 है। सिमडेगा विधानसभा क्षेत्र मे 117062 पुरुष वोटरों की तुलना में महिला मतदातओं की संख्या 124800 है। इसी जिले के कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र के कुल 210300 में 197287 महिला मतदाता हैं, जबकि पुरुष वोटरों की संख्या 103013 है।

17 संसदीय चुनाव में सिर्फ एक बार महिला को मिला संसद पहुंचने का मौका- खूंटी संसदीय क्षेत्र में भले ही महिला मतदाताआं की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक हो, पर इस संसदीय सीट पर अब तक हुए 17 लोकसभा चुनावों में मात्र एक महिला को अब तक संसद पहुंचने का का मौका मिला है और वे थीं बिहार की पूर्व मंत्री और बिरसा कॉलेज खूंटी की प्राचार्या सुशीला केरकेट्टा। सुशीला केरकेट्टा ने 2004 के लोकसभा चुनाव में छह बार के सांसद कड़िया मुंडा को मात दी थी। उसके पहले या बाद में किसी महिला को लोकसभा पहुंचने का मौका नहीं मिला। वैसे कांग्रेस ने सुशीला केरेट्टा के पहले या बाद में किसी भी पार्टी ने महिला उम्मीदवारों को टिकट नहीं दिया। भाजपा ने भी अब तक किसी महिला प्रत्याशी को मैदान में नहीं उतारा है। वैसे दयामनी बारला ने 2009 के लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के टिकट पर भाग्य आजमाया था, लेकिन वह अपनी जमानत तक बचा नहीं पाई थी। ऐसा नहीं है कि इस ससंदीय सीट से अन्य महिला प्रत्याशियों ने चुनाव नहीं लड़ा हो, पर किसी बड़े राजनीतिक दल के टिकट पर उन्हें किस्मत आजमाने का मौका नहीं मिला।

पलामू में चुनाव तैयारी पर डीआईजी की समीक्षा बैठक, नेटवर्क और सुरक्षा पर जोर

राष्ट्रीय मुख्यधारा। पलामू

पलामू लोकसभा सीट पर निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारी पूरी की जा रही है। इसी कड़ी में पलामू के डीआईजी वाईएस रमेश ने शनिवार को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में तैयारी को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में बूथों पर कम्युनिकेशन की सुविधा, जहां नेटवर्क काम नहीं करता है, उन बूथों पर चिन्हित किया गया। कुछ बूथ रिलोकेट किए गए हैं, वहां काम चल रहा है। गर्मी को देखते हुए वोटर, मतदानकर्मी और सुरक्षाकर्मियों को सुविधा पहुंचे, इसके लिए जरूर पहल करने का निर्णय लिया गया। चुनाव कराने के लिए अगले सप्ताह से फोर्स का आना शुरू हो जायेगा। उन्हें ठहराने आदि पर भी चर्चा की गयी। डीआईजी ने कहा कि चुनाव कराने के लिए पुलिस प्रशासन की तैयारी पूरी है। एसओपी का अनुपालन हर हाल में करना है। पलामू राजनीतिक के साथ साथ नक्सल हिंसा के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है। इसी हिसाब से सुरक्षा का प्रबंध किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से कराने के लिए कई स्तरों पर तैयारी की गयी है। लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन करना है। कई अपराधी जिलाबदर किए गए हैं। चुनाव में बड़े स्टार प्रचारक आते हैं और ठहरते हैं, उसके लिए किस तरह प्रबंध करना है, इस पर भी चर्चा की गयी। सोशल मीडिया, नक्सल ऑपरेशन पर क्या कुछ किया गया, इसकी भी समीक्षा की गयी। समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, थाना प्रभारी मौजूद थे।

रामगढ़ में चोरी के दो आरोपित गिरफ्तार, बिजली का तार बरामद

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रामगढ़

पुलिस ने शनिवार को बिजली का तार चोरी करने के दो आरोपितों को कुजू ओपी क्षेत्र में हाईवे पर गिरफ्तार किया। साथ ही चोरी का बिजली तार भी बरामद कर लिया। इस संबंध में रामगढ़ एसपी डॉ बिमल कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि वेस्ट बोकारो क्षेत्र से बिजली विभाग का एल्युमिनियम का तार अज्ञात चोरों ने चुरा लिया है। तत्काल कुजू ओपी प्रभारी दिगंबर पांडे के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर छापेमारी अभियान शुरू किया गया। टीम ने कुज्जू क्षेत्र में नया मोड़ मुख्य सड़क के पास टैम्पो (जेएच-24 सी-4145) पर प्लास्टिक के छह बोरे में एल्युमिनियम का विद्युत तार बरामद किया। पुलिस ने टेंपो पर बैठे दो लोगों को गिरफ्तार किया। इसमें रामगढ़ शहर के गोल पर निवासी मो. फिरोज उर्फ शेख फिरोज और भरेचनगर सांडी निवासी रोहित कुमार शामिल हैं। पूछताछ करने पर आरोपितों ने बताया कि बोरे में पैक तार चोरी का है, जिसे वे घाटों से चोरी कर ला रहे थे। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

लातेहार में टेंपो और ट्रैक्टर की टक्कर में सीआरपीएफ हवलदार की मौत

राष्ट्रीय मुख्यधारा। लातेहार

जिला मुख्यालय के स्टेशन रोड पर शनिवार को टेंपो और ट्रैक्टर की टक्कर में टेंपो पर सवार सीआरपीएफ के हवलदार राम भुवन सिंह यादव (44) की मौत हो गई। मृतक राम भुवन सिंह यादव उत्तर प्रदेश के मऊ के रहने वाले थे। वर्तमान में लातेहार जिला मुख्यालय में स्थित सीआरपीएफ 214 बटालियन में कार्यरत थे। पुलिस के अनुसार शनिवार को राम भुवन सिंह यादव छुट्टी लेकर घर जाने के लिए कैंप से निकले थे। वे ऑटो पर सवार होकर लातेहार रेलवे स्टेशन ट्रेन पकड़ने जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में ऑटो और एक ट्रैक्टर में टक्कर हो गई। ट्रैक्टर पर गेहूं काटने वाली मशीन रखी हुई थी। टक्कर के दौरान मशीन का नुकीला हिस्सा टेंपो पर बैठे सीआरपीएफ के हवलदार के गर्दन में जा घुसी, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद सीआरपीएफ के अधिकारी और जवान घटनास्थल पर पहुंचे और इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद एसपी अंजनी अंजन, पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी प्रमोद कुमार समेत पुलिस के अन्य अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस घटना की छानबीन कर रही है।

रामगढ़-हजारीबाग बॉर्डर पर दो बदमाश गिरफ्तार, हथियार बरामद

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रामगढ़

रामगढ़-हजारीबाग के बॉर्डर पर हथियार के साथ घूम रहे दो शातिर अपराधियों को पुलिस ने पकड़ा है। उन दोनों के पास से एक देसी पिस्तौल, एक देसी कट्टा और एक कारतूस बरामद हुआ है। यह जानकारी शनिवार को एसपी डॉक्टर बिमल कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में सयाल पीपला सेंटर के रहने वाले राकेश कुमार उर्फ राजू और सायल शिवाजी रोड का रहने वाला प्रेम कुमार राम शामिल हैं। गुप्त सूचना के आधार पर सायल क्षेत्र में पुलिस जांच अभियान चलाकर पकड़ा। दोनों आरोपित हजारीबाग जिले के उरिमरी क्षेत्र में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। एसपी ने बताया कि राकेश कुमार उर्फ राजू मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के गढ़वाल थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़की हथौड़ी गांव का रहने वाला है। प्रेम राम रांची जिले के कांके चौक सरना स्थल का रहने वाला है। दोनों पतरातू थाना क्षेत्र में रहकर अक्सर आपराधिक वारदातों को अंजाम देते रहे हैं। राकेश के पास से देसी रिवाल्वर मिला है। प्रेम के पास देसी कट्टा और एक कारतूस था। वे यामाहा मोटरसाइकिल (जेएच 24 एल 0461) से निकले थे। राकेश भुरकुंडा थाना क्षेत्र में पहले भी हथियार के साथ पकड़ा जा चुका है और वह जेल भी जा चुका है। छापेमारी दल में पतरातू इंस्पेक्टर योगेंद्र सिंह, भुरकुंडा ओपी प्रभारी अभिषेक कुमार, भुरकुंडा ओपी के पदाधिकारी कुणाल कुमार व अन्य पुलिस बल शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

भागवत कथा में शामिल हुए पंचायत प्रतिनिधि

जमशेदपुर, एजेंसी। प्रजापति ब्रह्म कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से बागबेड़ा कॉलोनी डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह सेवा संस्थान परिसर में चल रहे सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आध्यात्मिक रहस्य कार्यक्रम का समापन हो गया। इसमें बागबेडा कॉलोनी के पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, श्रीकृष्णा पब्लिक स्कूल बागबेड़ा की प्रधानाध्यापिका कृष्णा पांडेय, प्ले स्कूल की प्राचार्य कंचन झा और समाजसेवी भोला झा शामिल हुए और आरती-पूजन किया।

जूनियर राज्य बास्केट बॉल चैंपियनशिप में जैप-1 विजयी

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर बास्केट बॉल एसोसिएशन की ओर केपीएस कदमा में 24वीं जूनियर राज्य झारखंड बास्केट बॉल चैंपियनशिप की शुरुआत की गई, जो 21 अप्रैल तक चलेगी। इसमें राज्य से 18 टीमों के 200 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। टूर्नामेंट का उद्घाटन कर्नल विनय आहूजा ने किया। मौके पर केपीएस कदमा के निदेशक शरद चंद्रा, केपीएस की एकेडेमिक निदेशक आर. लक्ष्मी, शर्मिला मुखर्जी, प्रिंसिपल, सुभाश्री सरकार, अभिषेक आदि मौजूद थे। पहला मैच मैच जैप-1 और बोकारो के बीच खेला गया, जिसमें जैप-1 56-13 अंक से विजेता रहा। मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष हरभजन सिंह, सचिव जेपी सिंह, कोषाध्यक्ष प्रदीप मुखर्जी उपस्थित थे। टूर्नामेंट के विजयी खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा, जो इंदौर में 9 से 15 मई तक हो रही है।

धालभूमगढ़ की बीडीओ का हाथ टूटा, टाटा मोटर्स अस्पताल में भर्ती

जमशेदपुर, एजेंसी। धालभूमगढ़ की बीडीओ बबली कुमारी इवीएम कमिशनिंग की ट्रेनिंग के दौरान शुक्रवार को रवीन्द्र भवन में गिरकर घायल हो गईं। उनका हाथ टूट गया है। उन्हें टाटा मोटर्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रवीन्द्र भवन में स्टेज और सीढ़ी के बीच एक स्थान पर गड्ढानुमा जगह है, वहीं पर बीडीओ फिसल गईं और हाथ के बल गिर गईं। इवीएम कमिशनिंग के प्रशिक्षण में सेक्टर ऑफिसरों के अलावा सभी बीडीओ-सीओ को भी बुलाया गया था।

पानी के लिए जुगसलाई नगर परिषद कार्यालय का घेराव, लोगों ने दिया धरना

जमशेदपुर, एजेंसी। जुगसलाई के छपरहिया मोहल्ला और सफीगंज मोहल्ले के निवासी पानी के लिए तरस रहे हैं। पिछले एक माह से 350 घरों में जलापूर्ति बाधित है। शनिवार को इलाके के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और लोगों ने जुगसलाई नगर परिषद कार्यालय का घेराव कर वहां धरना दिया। लोगों का कहना है कि जब नगर परिषद पानी के लिए टैक्स वसूलती हैं तो पानी भी मिलना चाहिए। विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मोहल्ले की जलापूर्ति पाइप जाम हो गई, जिस कारण पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। जलापूर्ति पाइप को दुरुस्त करने के लिए विभाग की ओर से कई जगह गड्ढे किए गए हैं। लेकिन अब तक गड़बड़ी का पता नहीं चल पाया है। टैंकर से मोहल्ले में जिला पूर्ति हो रही है लेकिन उसे सभी को पानी नहीं मिल रहा है।

सेक्टर अधिकारियों ने ईवीएम की कमीशनिंग का लिया प्रशिक्षण

जमशेदपुर, एजेंसी। लोकसभा निर्वाचन के लिए सेक्टर अधिकारी को ईवीएम कमीशनिंग का प्रशिक्षण शुक्रवार को दिया गया है। मास्टर ट्रेनर ने मतदान के पूर्व ईवीएम की कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट व वीवीपीएट की कमीशनिंग कैसे की जाती है, इसकी विस्तार पूर्वक जानकारी दी। बैलेट यूनिट व कंट्रोल यूनिट, डिस्पले यूनिट(वीवीपैट) की सिलिंग प्रक्रिया भी बताई। सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने प्रशिक्षण के दौरान ईवीएम कमीशनिंग के एक-एक बिंदु पर प्रशिक्षण लिया।प्रशिक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) अनन्य मित्तल ने कहा कि मतदान केंद्र की व्यवस्थाओं की भी जिम्मेदारी सेक्टर ऑफिसर की होती है। सेक्टर ऑफिसर चुनाव की हर प्रक्रिया की पूरी जानकारी रखें। प्रशिक्षण में दी जा रही सभी जानकारियों को बारीकी से समझें ताकि चुनाव के दिन किसी तरह की परेशानी न हो। सभी सेक्टर ऑफिसर अपने क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर से भी निरंतर संपर्क में रहें।

एनडीए की बैठक में एनसीपी को बुलाना भूली भाजपा, एक दिन बाद किया फोन

भूली, एजेंसी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की गुरुवार रात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के आवास पर हुई बैठक में एनसीपी का कोई प्रतिनिधि नहीं था। पूछने पर एनसीपी विधायक और पार्टी के प्रदेश प्रमुख कमलेश सिंह ने कहा कि उन्हें बैठक की जानकारी नहीं थी। इसके पहले भी एनडीए की कई बैठकें हुई थीं, उसकी भी जानकारी नहीं दी गई। एनडीए फोल्डर की अन्य पार्टियों के नेता बैठक में थे, पर निमंत्रण नहीं होने के कारण मैं बैठक का हिस्सा नहीं था।काफी तकलीफ हुई थी। कमलेश सिंह ने कहा कि अभी मैं अपने क्षेत्र में हूं। यह पूछने पर कि राज्यसभा चुनाव के समय तो आप भाजपा उम्मीदवार के प्रस्तावक थे, फिर क्या हुआ कमलेश सिंह ने कहा - हो सकता है कि राज्यसभा चुनाव के समय भाजपा को मेरी ज्यादा जरूरत थी, अब न हो। लेकिन, प्रसन्नता है कि अमर बाउरी ने फोन कर हमसे चुनाव के बारे में बात की।

भीषण गर्मी के लिए हो जाएं तैयार, झारखंड में लू चलने का येलो अलर्ट जारी

रांची, एजेंसी। राजधानी समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में 20 से 22 अप्रैल तक गर्मी बढ़ने की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान रांची का अधिकतम तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंचने की संभावना है। जबकि, न्यूनतम तापमान भी 26 डिग्री के करीब पहुंच सकता है। राज्य के कोल्हान, उत्तरी छोटानागपुर के बोकारो और धनबाद तथा संताल परगना के जिलों में अगले तीन दिनों के दौरान उष्ण लहर चलने का येलो अलर्ट जारी किया गया है। जबकि, 22 अप्रैल से मौसम में बदलाव के अनुमान के साथ दक्षिणी भाग में गरज के साथ हल्की बारिश और कहीं-कहीं वज्रपात होने का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग ने राज्य के लोगों को पूर्वानुमान के मुताबिक, उष्ण लहर से बचने के जरूरी एडवाईजरी (सुझाव) जारी किए हैं। रांची में पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में करीब तीन डिग्री की वृद्धि हुई। यह 38.4 डिग्री रहा। जबकि, न्यूनतम तापमान भी सामान्य से तीन डिग्री अधिक 24.6 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी समेत राज्य के अन्य हिस्सों में भी दोनों तापमान में दो से तीन डिग्री की वृद्धि हुई है।

संताल, पलामू में पारा 41 से 42 डिग्री के बीच रहा

संताल और पलामू के जिलों में अधिकतम तापमान 41 से 42 डिग्री के बीच रहा। मौसम विभाग ने 22 अप्रैल तक कोल्हान, उत्तरी छोटानागपुर के बोकारो और धनबाद समेत संताल परगना के जिलों में अगले तीन दिनों के दौरान लू का यलो अलर्ट जारी किया है। 22 अप्रैल के बाद मौसम में बदलाव का अनुमान है। इस दौरान गरज के साथ हल्की बारिश के आसार हैं।

11 जिलों का तापमान 40 डिग्री के पार

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के 11 जिलों का तापमान 40 डिग्री के पार रहा। राज्य में जमशेदपुर और मेदिनीनगर का अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री रहा। 24 घंटों में पारा में दो से तीन डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई। जबकि, संताल के पाकुड़ और गोड्डा का तापमान भी 43 डिग्री के करीब आ चुका है। गोड्डा का तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस रहा।रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा, %अगले तीन दिनों तक कोल्हान, संताल और उत्तरी छोटानागपुर के बोकारो और धनबाद में हीट वेव चलने का येलो अलर्ट जारी किया गया है। रांची में भी अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम और न्यूनतम में वृद्धि होगी।

जमशेदपुर में गर्मी से लोग हलकान, आसमान से बरस रही आग

लौहनगरी की तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार को लू के थपेड़ों ने लोगों को परेशान कर दिया। सुबह 10 बजे से ही गर्मी ने रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया। आसमान से आग बरस रही है। गर्म हवा ने लोगों को दिनभर परेशान किया। गर्मी और लू के कारण दोपहर में शहर की सड़कें सूनी हो गई थीं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले एक सप्ताह तक गर्मी से राहत के आसार नहीं हैं। मौसम वैज्ञानिक डॉ. अभिषेक आनंद ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी हवा की वजह से तापमान बढ़ रहा है। फिलहाल बारिश की कोई संभावना नहीं है।

जिले के 9,093 प्रवासी मजदूरों को जिले में आकर वोट करने को गुमला प्रशासन भेजेगा आमंत्रण पत्र

गुमला, एजेंसी। 13 मई को होने वाले अजजा आरक्षित लोहरदगा लोकसभा को लेकर जिला प्रशासन ने जिले के प्रवासी मजदूरों को जिले में आकर वोट देने के लिए आमंत्रण पत्र भेजेगा। जिले में निबंधित प्रवासी मजदूरों की संख्या 9,093 है। जिले के मतदाताओं को जागरूक करने के इरादे से जिले में स्वीप कोषांग ने यह आमंत्रण पत्र भेजने का बीड़ा उठाया है।

जिले के मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप कोषांग लगातार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करते हुए मतदाताओं को चुनाव के इस महापर्व में भाग लेने के लिए प्रेरित कर रहा है। प्रत्येक श्रेणी के मतदाताओं को जागरूक करने के लिए अलग अलग गतिविधि का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गुमला जिले के प्रवासी मजदूरों को भी जिले में 13 मई को होने वाले मतदान दिवस में आने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। जिसके तहत जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निर्देश पर स्वीप कोषांग द्वारा सभी प्रवासी मजदूरों के लिए जो जिले से बाहर जाकर कार्य कर रहें है ,के लिए आमंत्रण पत्र बनाएं गए हैं। जिसे सभी प्रवासी मजदूरों के वाट्सअप,ईमेल व उनके परिजनों और उनके एड्रेस पर आमंत्रण पत्र भेजे जाएंगे।

इस बाबत जिला स्वीप नोडल पदाधिकारी सह समाज कल्याण पदाधिकारी आरती कुमारी ने बताया कि जिले में कुल 9093 प्रवासी मजदूरों की सूची है, जो जिले के बाहर और अन्य प्रखंडों में जाकर काम कर रहें है। ऐसे में चुनाव की तिथि के बारे में उन्हें अवगत कराना और जिले में 13 मई को मतदान के महापर्व में आमंत्रित करने के लिए आमंत्रण कार्ड बनाए गए हैं। जिसे सभी प्रखंड में भेज दिया गया है। बीएलओ के सहयोग से उक्त कार्ड को जिले के प्रवासी मजदूरों तक विभिन्न माध्यमों से पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य है कि जिले के प्रवासी मजदूर भी मतदान की तिथि में जिला वापसी करें और अपने मतदान कर सकें।

रक्तदान करानेवाले संगठन व संस्थाओं को किया सम्मानित

धनबाद, एजेंसी। शुक्रवार को शहीद निर्मल महतो मेमोरियल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सेमिनार हॉल में धनबाद के ब्लड डोनर संगठन के सम्मान में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। जेपी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के मैनेजिंग डायरेक्टर नित्यानंद मंडल को सीआईएसएफ के डीआईजी विनय काजला द्वारा एसएनएमएमसीएच से जारी प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नित्यानंद मंडल ने कहा रक्तदान और रक्त संग्रह की जागरूकता वर्तमान समय में बहुत ही आवश्यक है। इससे गंभीर रोगियों की जान तत्काल बचाई जा सकती है। किसी भी देश में जरूरतमंद मरीजों को पर्याप्त और सुरक्षित रक्त की आपूर्ति के बिना चिकित्सा उपचार अधूरा है। जेपी हॉस्पिटल इसके लिए हमेशा से तत्पर रहा है और आगे भी रहेगा। एसएनएमएमसीएच ब्लड बैंक की ओर से शुक्रवार को सम्मान में रक्तदान शिविर लगाकर ब्लड बैंक को रक्त मुहैया करानेवाले संगठनों व समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होनेवाले संगठनों व संस्थाओं में सीआईएसएफ, मधुमिता फाउंडेशन, बंगाली वेलफेयर सोसाइटी, समर्पण एक नेक पहल, फोर्स, दैनिक भास्कर, फास्ट फार्वर्ड इंडिया, प्रयास इंडिया, दधीचि, संदीप सिंह मेमोरियल फाउंडेशन, आयुष फाउंडेशन, रोटरी क्लब ऑफ धनबाद, रोट्रैक्ट क्लब धनबाद, जन अधिकार मंच, जेपी अस्पताल, शहबाज सिद्दिकी मेमोरियल ब्लड डोनर धनबाद, ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स के प्रतिनिधि शामिल हुए। विधायक राज सिन्हा व सीआईएसफ डीआईजी विनय काजला के हाथों सम्मानित किया गया।

पहली बार बड़े दलों ने महिला प्रत्याशियों पर जताया भरोसा, भाजपा ने तीन, कांग्रेस दो और झामुमो-राजद ने एक-एक को दिया टिकट

रांची , एजेंसी। लोकसभा चुनाव में पहली बार बड़े दलों ने महिला प्रत्याशियों पर भरोसा जताया है। झारखंड की 6 सीटों पर 7 महिला उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरीं हैं। एनडीए ने तीन और इंडी एलायंस ने चार महिलाओं को मौका दिया है। लेकिन, दलवार भाजपा ने सबसे ज्यादा 3 महिला उम्मीदवार को टिकट दिया है। दूसरे नंबर पर कांग्रेस है। कांग्रेस ने 2 महिला प्रत्याशियों को उतारा है। झामुमो और राजद ने 1-1 को टिकट दिया है।

भाजपा से अन्नपूर्णा देवी कोडरमा, सीता सोरेन दुमका और गीता कोड़ा सिंहभूम लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं। कांग्रेस ने महगामा विधायक दीपिका पाडेय सिंह को गोड्डा और बेरमो विधायक अनूप सिंह की पत्नी अनुपमा सिंह को धनबाद से प्रत्याशी बनाया है।

झामुमो से जोबा मांझी सिंहभूम और राजद से ममता भुइयां पलामू की उम्मीदवार हैं। ममता पूर्व मंत्री दुलाल भुइयां के छोटे भाई की पत्नी हैं। सिंहभूम सीट पर भाजपा की गीता और झामुमो की जोबा में सीधी टक्कर है। हालांकि, सातों

महिला उम्मीदवारों की राजनीतिक पृष्ठभूमि काफी मजबूत है। ऐसे में 6 सीटों पर कड़ा मुकाबला होगा।

सिंहभूम लोकसभा सीट पर दो महिलाओं में सीधी टक्कर होगी। गीता कोड़ा कांग्रेस सांसद थी। वर्तमान में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आई हैं और चुनाव लड़ रहीं हैं। वे पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी हैं। इस क्षेत्र में मधु कोड़ा का मजबूत जनाधार है। गीता भी लगातार जमीन से जुड़ी रहीं हैं। ऐसे में उनकी स्थिति मजबूत बनी हुई है।

दूसरी ओर, जोबा मांझी विधायकी छोड़कर झामुमो से चुनाव लड़ रहीं हैं। वे मंत्री भी थीं। अहम बात यह है कि सिंहभूम के सभी विधानसभा क्षेत्र से झामुमो के विधायक हैं। उनका समर्थन जोबा को मिल सकता है। सभी विधायकों ने खुलकर साथ दिया तो वे बाजी को अपनी ओर मोड़ सकती हैं।

धनबाद में कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह और भाजपा उम्मीदवार ढुल्लू महतो के बीच कांटे का संघर्ष होगा। अनुपमा बेरमो विधायक अनूप सिंह की पत्नी और बेरमो कोयलांचल के दिग्गज नेता रहे राजेंद्र सिंह की बहू हैं। कोयलांचल में उनका मजबूत जनाधार है। वे पटना वीमेंस कॉलेज से राजनीति शास्त्र में ग्रेजुएट हैं।

भाजपा में पीएन सिंह का टिकट कटने के बाद एक वर्ग पार्टी से नाराज चल रहा है। उनका समर्थन अनुपमा को मिल सकता है। दूसरी ओर, बाघमारा से विधायक ढुल्लू महतो लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। धनबाद कोयलांचल में उनकी पकड़ मजबूत है। जमीन से जुड़े नेता हैं। भाजपा के शहरी कार्यकर्ताओं का खुलकर साथ मिला तो वे राजनीति की हवा रुख बदल सकते हैं।

दुमका सीट पर चाचा-भतीजी में चुनावी लड़ाई है। सीता सोरेन भाजपा की प्रत्याशी हैं। झामुमो से विधायक थीं। सोरेन परिवार का होने के नाते उनका मजबूत जनाधार है। भाजपा का संगठन भी यहां मजबूत है। 2019 चुनाव में भाजपा के सुनील सोरेन ने झामुमो के दिग्गज नेता शिबू सोरेन को हराया था। भाजपा कार्यकर्ताओं का साथ सीता को मिला तो बाजी अपने पक्ष में कर सकती हैं।

उनका मुकाबला झामुमो के नलिन सोरेन से है। नलिन को सीता चाचा कहती हैं। हालांकि, नलिन ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि राजनीति में रिश्ता काम नहीं आता। झामुमो का गढ़ माने जाने वाली दुमका सीट पर नलिन की स्थिति अच्छी बताई जा रही है। झामुमो कार्यकर्ताओं का सहयोग पूरी तरह मिला तो नलिन बाजी मार सकते हैं।

साउथ प्वाइंट स्कूल में अग्निशमन विभाग ने मॉक ड्रिल कर बच्चों को किया जागरूक

गम्हरिया, एजेंसी। आदित्यपुर थाना अंतर्गत गम्हरिया केडिया पेट्रोल पंप के पास आशीष पठान, शुभम चौधरी और गांधी नामक युवक ने गम्हरिया के ही विकास दास नामक युवक के साथ मारपीट कर हवाई फायरिंग की। यह घटना गुरुवार देर रात की है। इसे लेकर आदित्यपुर पुलिस से शिकायत की गई है। विकास ने बताया कि आशीष ने देर रात उसे फोन कर मिलने के लिए बुलाया। उसके बाद जब विकास अपने एक मित्र के साथ आशीष के बताए गए स्थान पर आया तो वहां मौजूद शुभम व गांधी ने साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की।

इसके बाद उन युवकों ने हवाई फायरिंग की और भाग गए। सूचना पर पहुंची आदित्यपुर पुलिस ने घायल

विकास व एक अन्य युवक को इलाज के लिए गम्हरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। सरायकेला एसडीपीओ संतोष मिश्रा, थानेदार नितिन कुमार भी दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच की। हालांकि पुलिस ने बताया कि गोली चलाने की घटना नहीं हुई है, सिर्फ मारपीट हुई है। बताया गया है कि गणेश पूजा के दौरान आशीष पठान और विकास दास समेत अन्य युवकों के बीच मारपीट हुई थी। उसके बाद से दोनों गुटों के बीच तनाव था। बहरहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पटमदा के गोबरघुसी स्थित साउथ प्वाइंट स्कूल में शुक्रवार को अग्निशमन विभाग की ओर से मानगो प्रभारी ब्रजकिशोर पासवान की अध्यक्षता में आग से सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान आग से बचाव के विभिन्न उपायों का प्रदर्शन मॉक ड्रिल के माध्यम से किया गया। अग्निशमन विभाग मानगो के सदस्यों अजय कुमार, दिलीप कुमार साहू, विकास कुमार के नेतृत्व में सबसे पहले लकड़ी के ढेर में आग लगाकर कार्बन डाइऑक्साइड से बुझा कर दिखाया गया। इसके बाद दूसरी कड़ी में सिलेंडर से निकले गैस में लगी आग पर नियंत्रण पाने के तरीके बताए गए। इसके लिए पानी से भीगे हुए कपड़े को गैस सिलेंडर पर चढ़ाते हुए आग बुझाकर दिखाया गया। गैस पाइप में आग लगाकर उसे काबू करके दिखाया गया।इस दौरान विद्यालय के कुछ बच्चों और शिक्षकों द्वारा भी आग बुझाया गया। अग्निशमन मानगो दल के पदाधिकारी ब्रजकिशोर ने बताया कि आपदा से निपटने के लिए जागरूकता आवश्यक है। जागरूकता फैलाकर हम आग से होने वाले नुकसान को कम कर सकते हैं।

केबुल कंपनी के जमीन लीज का मामला उनके क्षेत्राधिकार क्षेत्र का नहीं : कोर्ट

जमशेदपुर, एजेंसी। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) कोर्ट ने इंकैब इंडिया लिमिटेड़ (केबुल कंपनी) के मामले में दो मामलों में आदेश जारी किया है। इसमें एक केस कोलकाता में कार्यरत दो कर्मचारी आलोक सेन, प्रवीर सरकार ने वेतन की मांग की थी, इसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। वहीं दूसरा मामला रिजोल्यूशन प्रोफेशनल पंकज टिबरेबाल द्वारा दायर किया गया था, जिसमे कहा गया था कि केबुल कंपनी की 177 एकड़ जमीन टाटा स्टील से लीज द्वारा प्राप्त है।

इसका लीज रिन्यूअल होना चाहिए। इस पर टाटा स्टील ने कोर्ट में पक्ष रखते हुए केबुल कंपनी को लीज रिन्युअल से इंकार किया था। वहीं इस मामले में मजदूरों की ओर से अधिवक्ता अखिलेश श्रीवास्तव ने भी पक्ष रखा था, इसमें अधिवक्ता ने कहा था कि रिजोल्यूशन प्रोफेशनल टाटा स्टील से मिली भगत कर जमीन के मामले को उलझा रहे हैं। मामले में सभी पक्षों को देखते हुए एनसीएलटी ने आदेश दिया है कि जमीन का मामला एक सार्वजनिक कानून का मामला है यह हमारे क्षेत्राधिकार से बाहर का मसला है अतः हम इस पर कोई आदेश पारित नहीं कर सकते हैं। एनसीएलटी ने आगे कहा कि इंकैब की 177 एकड़ जमीन अगर टाटा की लीज है। टाटा स्टील ने अगर इंकैब को लीज दिया है तो टाटा को जमशेदपुर के दीवानी अदालत में इंकैब से जमीन खाली करवाने के लिए दीवानी मामला दायर करना जाना चाहिए था।

गायत्री शिक्षा निकेतन के रिजल्ट में स्कूल टॉपर रही मुस्कान, मेडिकल की पढाई कर डॉक्टर बनना चाहती है

आदित्यपुर, एजेंसी। जैक बोर्ड के आज घोषित रिजल्ट में आदित्यपुर 2 के मार्ग संख्या 4 स्थित गायत्री शिक्षा निकेतन उच्च विद्यालय के परीक्षार्थियों ने शत प्रतिशत सफलता हासिल की है। इस वर्ष की झारखंड माध्यमिक परीक्षा में विद्यालय के कुल 121 छात्र- छात्राओं ने भाग लिया था, जिसमें से 112 बच्चों ने प्रथम श्रेणी में डिस्टिंक्शन अंक से सफलता प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है। 9 बच्चों ने द्वितीय श्रेणी से सफलता हासिल की है।

90त्न अंक प्राप्त कर मुस्कान कुमारी विद्यालय की प्रथम टॉपर बनी है। जबकि 88 प्रतिशत अंक प्राप्त कर लालटू गोप द्वितीय टॉपर तथा कंचन कुमारी, खुशी महतो एवं दीपाली महतो ने संयुक्त रूप से 87.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय टॉपर बनी। स्कूल की प्रथम टॉपर मुस्कान मेडिकल की पढ़ाई कर डॉक्टर बनना चाहती है। सभी ने अपनी सफलता का श्रेय माता पिता एवं विद्यालय के सभी कुशल शिक्षकों को दिया हैं। जैक बोर्ड की परीक्षा में शत-प्रतिशत सफलता के लिए विद्यालय के सचिव सत्यप्रकाश सुधांशु ने सभी सफल छात्र-छात्राओं एवं कर्मठ शिक्षक- शिक्षिकाओं को

बधाई दिया है।

झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक), रांची की ओर से शुक्रवार को जारी की गई वार्षिक माध्यमिक परीक्षा परिणाम में पूर्वी सिंहभूम जिले को पहला स्थान प्राप्त हुआ है। हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष करीब 3 प्रतिशत परीक्षार्थी कम उत्तीर्ण हुए हैं। पिछले वर्ष करीब 97 प्रतिशत छात्र - छात्राओं ने सफलता हासिल की थी जबकि इस बार घटकर 94 प्रतिशत हो गया। कुल 21455 में 20184 विद्यार्थी सफल हुए हैं। पटमदा प्रखंड के माचा गांव निवासी एवं एसएस प्लस टू हाई स्कूल पटमदा का छात्र सुखदेव दत्ता 480 (96 प्रतिशत) अंक लाकर प्रखंड का टॉपर बना है। इस कामयाबी में सुखदेव ने अपने परिवार के साथ-साथ विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रौशन किया है। उसकी सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. मिथिलेश कुमार समेत सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बधाई दी है। प्राचार्य ने कहा कि वह शुरू से मेधावी छात्र रहा है और उम्मीद थी कि वह राज्य स्तर पर टॉप टेन की सूची में जरूर शामिल होगा। लेकिन उसे जिले के टॉप टेन की सूची में चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। सुकदेव के पिता स्वरूप दत्त कृषि कार्य के अलावा एक थोक व्यापारी के पास मजदूरी करते हैं, जबकि माता काकोली दत्त गृहिणी हैं।

2017 के बाद दूसरा मौका, दो दिन निकला जुलूस

जमशेदपुर, एजेंसी। शहर में आठ साल बाद रामनवमी का विसर्जन जुलूस दो दिन निकला। इससे पहले 2017 में ऐसा हुआ था। 2023 में विवाद के कारण जुलूस निकल ही नहीं पाया था। प्रशासन ने गुरुवार को विसर्जन जुलूस का दिन निर्धारित किया था। लेकिन काशीडीह ठाकुर प्यारा सिंह धुरंधर सिंह और भालूबासा बजरंग विजय अखाड़ा (जंबो अखाड़ा) समिति ने जिला प्रशासन की व्यवस्था को यह कहते हुए मानने से इनकार दिया था कि गुरुवार को सनातन परंपरा में गुरुवार को देवी देवता की विदाई अशुभ मानी जाती है। ठाकुर धुरंधर सिंह प्यारा सिंह और बजरंग अखाड़ा समिति के संरक्षक अभय सिंह ने बताया- इससे पहले 1994, 1997, 2000, 2004, 2010, 2017 में दो दिन जुलूस निकाला गया था। 1994 में विहिप और हिंदू संगठनों ने गुरुवार के बजाए शुक्रवार को जुलूस निकाला था।

दो समितियों के विसर्जन जुलूस को डेढ़ किलोमीटर की दूरी तय में चार घंटे से अधिक समय लगा। जुलूस साकची चौक पहुंते ही सड़क जाम में तीन सौ से अधिक दोपहिया-चार पहिया वाहन फंस रहे। जुलूस के दौरान पुलिस की ओर से सुरक्षा के चौक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। काशीडीह, साकची शहीद चौक, साकची गोलचक्कर, पुराना कोर्ट परिसर के समीप और सुवर्णरेखा घाट पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। इसके बावजूद रोड जाम रहा।

शाम 7.30 बजे काशीडीह से तो रात्रि 08 बजे भालूबासा से जुलूस निकाला गया। दोनों अखाड़ा जुलूस साकची गोलचक्कर के पास मिले। फिर वहां से दोनों अखाड़ा के सदस्यगण एक साथ पुराना कोर्ट होते हुए सुवर्णरेखा घाट पहुंचे, जहां विधिवत झंडा ठंडा किया गया। जंबो अखाड़ा पत्ता मार्केट होते हुए साकची गोलचक्कर पहुंची। जबकि ठाकुर सिंह धुरंधर सिंह अखाड़ा बसंत टॉकीज होते गोलचक्कर पहुंची यहां से दोनों अखाड़ा समिति के लोग पुराना कोर्ट होते स्वर्णरेखा घाट पहुंची, जहां झंडा ठंडा किया।

जंबो अखाड़ा में चारधाम की झांकी देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। वहीं ठाकुर सिंह धुरंधर सिंह अखाड़ा शिव पार्वती, रामजी झांकियां खास थी।

फैसले किसी को डराने या नीचा दिखाने के लिए नहीं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि उनके पास बड़ी योजनाएं हैं, किसी को डरने की जरूरत नहीं है। उनके फैसले किसी को डराने या नीचा दिखाने के लिए नहीं होते। वे देश के विकास के लिए बने हैं, और 10 साल का उनका काम सिर्फ ट्रेलर है, 2047 के लिए अभी बहुत काम बाकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को एक न्यूज एजेंसी को दिए विस्तृत साक्षात्कार में तमाम जिज्ञासाओं और प्रश्नों के खुलकर जवाब दिए। बेशक, चुनावी वेला उनके साक्षात्कार से काफी बातें साफ हुई हैं, और व्यापारों को सही परिप्रेक्ष्य में समझने में मदद मिल सकती है। चुनावी बॉन्ड से लेकर मोदी की गारंटी कहे जाने के पीछे के मंतव्य का भी उन्होंने खुलासा किया। राम मन्दिर को लेकर होती रही राजनीति में अपनी पार्टी और विपक्षी पार्टियों के बीच आरोप-प्रत्यारोपों पर भी उन्होंने तमाम बातें स्पष्ट कीं। दरअसल, यह चुनाव ऐसा है जहां किसी प्रकार की लहर जैसी कोई बात नहीं है, और मुकाबला सीट दर सीट होना तय है। चूंकि भाजपा गठबंधन एनडीए दस साल से सत्ता में है, और चुनाव में कोई लहर न रहने से एनडीए सरकार को सत्ताजनित आक्रोश का सामना रहेगा। ऐसे में गफलत फैलाने का मंसूबा सिरे चढ़ाना किसी के लिए भी आसान रहता है। मोदी सरकार ने शुरू से ही फैसले लेने वाली सरकार की छवि बना ली थी। नोटबंदी जैसे फैसले एकाएक लिए गए और भी तमाम फैसलों की लिस्ट गिनाई जा सकती है, जिनसे लगता है कि उन्हें एकाएक लिया गया। जिस प्रकार कांग्रेसविहीन अवधारणा पेश की गई उससे भी लगने लगा कि सरकार किसी भी फैसले में विपक्ष को विश्वास में लेने में विश्वास नहीं करती। न ही किसी मंच पर जनमानस को किसी भी फैसले के प्रभावों के मद्देनजर तैयार करने की कोशिश सरकार की ओर दिखलाई पड़ी। कई बार लगा जैसे सरकार पारदर्शिता से काम नहीं कर रही और एकतंत्रीय व्यवस्था जैसे हालात हुए जा रहे हैं। चुनावी बॉन्ड का अधिकांश हिस्सा सत्ताधारी पार्टी को मिलने से भी एक प्रकार के अविश्वास की स्थिति नजर आने लगी। अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री मोदी ऐसे तमाम सवालों के जवाब को लेकर विस्तार से अपनी बात रखी। महसूस कराया कि काफी कुछ ऐसा है जिसका वस्तुस्थिति से कुछ लेना देना नहीं है।

दुनिया को सत्य, अहिंसा का पाठ पढ़ाया महावीर स्वामी ने!

पूर्णेन्दु पुष्पेश

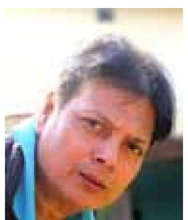

तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। उन्होंने एक लँगोटी तक का परिग्रह नहीं रखा। हिंसा, पशुबलि, जात-पात का भेद-भाव जिस युग में बढ़ गया, उसी युग में भगवान महावीर का जन्म हुआ। उन्होंने दुनिया को सत्य, अहिंसा का पाठ पढ़ाया।उन्होंने दुनिया को जैन धर्म के पंचशील सिद्धांत बताए, जो हैं- अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य (अस्तेय) और ब्रह्मचर्य। सभी जैन मुनि, आर्यिका, श्रावक, श्राविका को इन पंचशील गुणों का पालन करना अनिवार्य है। महावीर स्वामी ने अपने उपदेशों और प्रवचनों के माध्यम से दुनिया को सही राह दिखाई और मार्गदर्शन किया।भगवान महावीर का जन्म तकरीबन ढाई हजार साल पहले (ईसा से 599 वर्ष पूर्व), वैशाली के गणतंत्र राज्य क्षत्रिय कुण्डलपुर में हुआ था। महावीर को वीर, अतिवीर और सन्मति भी कहा जाता है।

यद्यपि उनकी धर्मयात्राओं का ठीक वर्णन कहीं नहीं मिलता तो भी उपलब्ध वर्णनों से यही विदित होता है कि उनका प्रभाव विशेष रूप से क्षत्रियों और व्यवसायी वर्ग पर पड़ा, जिनमें शूद्र भी बहुत बड़ी संख्या में सम्मिलित थे।समाज मे अहिंसा, सद्भावना, सत्यता और सात्विकता का संदेश देकर समाज को समर्द्ध बनाने वाले महावीर स्वामी ने अपने जीवन में पूरे समाज को हमेशा सन्मार्ग दिखाया है। उन्होंने हमेशा जियो और जीने दो का संदेश दिया। जैन धर्म के लोग ही नही अपितु सर्वसमाज के लोग की जयंती को बहुत धूमधाम और व्यापक स्तर पर मनाते हैं। उन्होंने हर भक्त को अहिंसा, सत्य अचौर्य, बह्मचर्य और अपरिग्रह के पांच व्रतों का पालन करने को कहा है।महावीर स्वामी ने कहा है कि मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म अहिंसा है। अतः हमें हमेशा जियो और जीने दो के संदेश पर कायम रहना चाहिए।महावीर ने हमें स्वयं के दोषों से लड़ने की प्रेरणा दी है। वह कहते हैं- स्वयं से लड़ो, बाहरी दुश्मन से क्या लड़ना? वह जो स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेगा उसे आनंद की प्राप्ति होगी।मनुष्य की आत्मा अपने आप में सर्वज्ञ (परिपूर्ण) और आनंदमय है। आनंद को कभी बाहर से प्राप्त नहीं किया जा सकता। आत्मा अकेले आती है और अकेले चली जाती है, न कोई उसका साथ देता है और न ही कोई उसका मित्र बनता है।के हमेशा दुखी होने की वजह खुद की गलतियां ही हैं, जो मनुष्य अपनी गलतियों पर नियंत्रण पा लेता है। वही मनुष्य सच्चे सुख की प्राप्ति कर सकता है।जीवित प्राणी के प्रति दयाभाव ही अहिंसा है। घृणा से हम ना केवल अपना विनाश करते हैं बल्कि दूसरों के लिए भी कष्टकारी हो सकता है।

महावीर अहिंसा के दृढ़ उपासक थे, इसलिए किसी भी दिशा में विरोधी को क्षति पहुंचाने की वे कल्पना भी नहीं करते थे। वे किसी के प्रति कठोर वचन भी नहीं बोलते थे और जो उनका विरोध करता, उसको भी नम्रता और मधुरता से ही समझाते थे। इससे परिचय हो जाने के बाद लोग उनकी महत्ता समझ जाते थे और उनके आंतरिक सद्भावना के प्रभाव से उनके भक्त बन जाते थे

महावीर स्वयं क्षत्रिय और राजवंश के थे, इसलिए उनका प्रभाव कितने ही क्षत्रिय नरेशों पर विशेष रूप से पड़ा। जैन ग्रंथों के अनुसार राजगृह का राजा बिंबिसार महावीर का अनुयायी था। वहां पर इसका नाम श्रेणिक बताया गया है और महावीर स्वामी के अधिकांश उपदेश श्रेणिक के प्रश्नों के उत्तर के रूप में ही प्रकट किये गये हैं। आगे चलकर इतिहास प्रसिद्ध महाराज चंद्रगुप्त मौर्य भी जैन धर्म के अनुयायी बन गये थे और उन्होंने दक्षिण भारत में आकर जैन मुनियों का तपस्वी जीवन व्यतीत किया था।

उड़ीसा का राजा खाखेल तथा दक्षिण के कई राजा जैन थे। इसके फलस्वरूप जनता में महावीर स्वामी के सिद्धांतों का अच्छा प्रचार हो गया और उनके द्वारा प्रचारित धर्म कुछ शताब्दियों के लिए भारत का एक प्रमुख धर्म बन गया। आगे चलकर अनेक जैनाचार्यों ने जैन और हिंदू धर्म के समन्वय की भावना को भी बल दिया, जिसके फल से सिद्धांत रूप से अंतर रहने पर भी व्यवहार रूप में इन दोनों धर्मों में बहुत कुछ एकता हो गई और जैन एक संप्रदाय के रूप में ही हिंदुओं में मिल जुल गये।

महावीर स्वामी का सबसे बड़ा सिद्धांत अहिंसा का है, जिनके समस्त दर्शन, चरित्र, आचार-विचार का आधार एक इसी अहिंसा सिद्धांत पर है। वैसे उन्होंने अपने अनुयायी प्रत्येक साधु और गृहस्थ के लिए अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह के पांच व्रतों का पालन करना आवश्यक बताया है, पर इन सबमें अहिंसा की भावना सम्मिलित है। इसलिए जैन विद्वानों का प्रमुख उपदेश यही होता है- अहिंसा ही परम धर्म है। अहिंसा ही परम ब्रह्म है। अहिंसा ही सुख शांति देने वाली है। अहिंसा ही संसार का उद्धार करने वाली है। यही मानव का सच्चा धर्म है। यही मानव का सच्चा कर्म है। अहिंसा जैनाचार का तो प्राण ही है।

जैनियों के आचार-विचार, अहिंसा के विषय में चाहे जैसे रूढिवादी बन गये हों, पर इसमें संदेह नहीं कि महावीर स्वामी ने अपने समय में जिस अहिंसा के सिद्धांत का प्रचार किया, वह निर्बलता और कायरता उत्पन्न करने के बजाय राष्ट्र का निर्माण और संगठन करके उसे सब प्रकार से सशक्त और विकसित बनाने वाली थी। उसका उद्देश्य मनुष्य मात्र के बीच शांति और प्रेम का व्यवहार स्थापित करना था, जिसके बिना समाज कल्याण और प्रगति की कोई आशा नहीं रखी जा सकती। यद्यपि अहिंसा का प्रतिपादन सभी धर्मोपदेशकों ने अपने-अपने ढंग से किया है, पर जिस प्रकार महावीर और बुद्ध ने अहिंसा पर सबसे अधिक बल देकर उसी को अपने धर्म का मूलमंत्र बनाया, ऐसा किसी अन्य धर्म संस्था ने नहीं किया और यही जैन धर्म की विशेषता भी बनी।

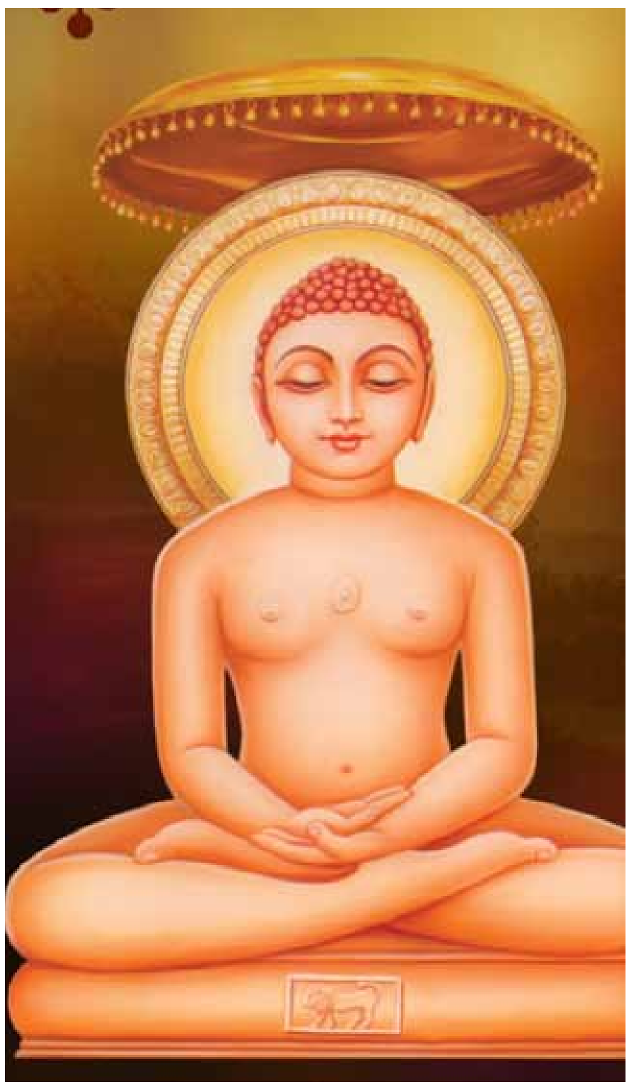

साहित्य/लोक साहित्य

ब्रह्मेश्वर नाथ मिश्र की कविता

गोपियाँ माता यशोदा से कन्हैया की शिकायत कर रहीं हैं। इसी प्रसंग पर प्रस्तुत है मेरी ये रचनाः--

बरजो बरजो री यशोमती मैया
बरजो।
बरजोरी करत है कन्हैया बरजो।
बरजो बरजो री यशोमती..........
छुप छुप के आयो, दधि मोर
खायो,
छींको तोड़ि गिरैया बरजो,
बरजो बरजो री यशोमती मैया
बरजो।
बरजो बरजो री यशोमती..........
जब हम जावैं पनियाँ भरन को,
गगरी फोरि गिरैया बरजो।
बरजो बरजो री यशोमती मैया
बरजो।
बरजो बरजो री यशोमती..........

छेंकत बाट करत बटमारी,
चुनरी खींच परैया बरजो।
बरजो बरजो री यशोमती मैया
बरजो।
बरजो बरजो री यशोमती..........
रार मचावै बहुत सतावै,
मोरत मोरि कलैया बरजो।
बरजो बरजो री यशोमती मैया
बरजो।
बरजो बरजो री यशोमती..........
निरखत रूप नजर हमें मारत,
बरबस करत लरैया बरजो।
बरजो बरजो री यशोमती मैया
बरजो।
बरजो बरजो री यशोमती..........

इंदिरा इज इंडिया की तरह, मोदी इज इंडिया, मोदी के बाद कौन?

सनत जैन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जनसंघ से लेकर भाजपा तक का संगठन, हमेशा व्यतिवाद से दूर रहा है। 1999 में जब अटल बिहारी वाजपेई के कटाउट चुनाव प्रचार के दौरान लगाए गए थे, उस समय संघ ने नाराजगी व्यक्त की थी। संघ परिवार ने कभी भी व्यक्ति को महत्व नहीं दिया। जनसंघ और भाजपा में भी कभी किसी व्यक्ति को महत्व नहीं मिला। 2014 के बाद से स्थिति बड़ी तेजी के साथ बदल गई है। 2019 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम वोट मांगे गए। प्रचार अभियान में केवल प्रधानमंत्री मोदी ही रहते हैं। उनके साथ भाजपा का कोई नेता भी नहीं रहता है। 2024 का लोकसभा चुनाव अब मोदी की गारंटी पर लड़ा जा रहा है। चुनाव प्रचार अभियान में केवल और केवल मोदी हैं। अटल बिहारी वाजपेई, लालकृष्ण आडवाणी, राजनाथ सिंह एवं वरिष्ठ भाजपा नेता इस चुनाव प्रचार अभियान से गायब हैं। भारत के सभी 543 लोकसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम और उनकी गारंटी पर जनता से वोट मांगे जा रहे हैं। भाजपा का घोषणा पत्र, भाजपा और संघ की विचारधारा को नेपथ्य में डाल दिया गया है। इस कारण भारतीय जनता पार्टी और संघ के नेताओं में यह बात उभर कर सामने आ रही है कि संघ और भाजपा ने क्या अपनी नीतियां बदल दी हैं? भाजपा के लोग ही अब कहने लगे हैं, कि 1970 के दशक में जो स्थिति कांग्रेस पार्टी की बनी थी, वही स्थिति अब भाजपा की बन गई है। तत्कालीन कांग्रेस के अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने इंडिया इज इंदिरा और इंदिरा इज इंडिया के नारे को बुलंद किया था। ठीक वही स्थिति अब भारतीय जनता पार्टी की 2019 के बाद से बन गई है। 2014 का चुनाव भारतीय जनता पार्टी ने अच्छे दिन के नाम पर लड़ा था। उस समय सामूहिक नेतृत्व के अंतर्गत सभी भाजपा नेताओं के फोटो चुनाव प्रचार में लगाए गए थे। 2019 का लोकसभा चुनाव पुलवामा, बालाकोट और राष्ट्रवाद की अपील पर लड़ा गया था। उस समय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार का मुख्य हिस्सा बन गए थे। 2024 का लोकसभा चुनाव अब यह मोदी की गारंटी के नाम पर लड़ा जा रहा है। सभी 543 लोकसभा की सीट का चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर लड़ा जा रहा है। पार्टी के प्रत्याशी और प्रादेशिक नेताओं का भी कोई महत्व नहीं रहा। भारतीय जनता पार्टी के चुनाव प्रचार में इस बार नौकरी, महंगाई, आर्थिक विषमता, हिंदुत्व, राष्ट्रवाद इत्यादि का मुद्दा गोंड़ हो गया है। पूरी पार्टी एक ही व्यक्ति पर केंद्रित हो गई है। भारतीय जनता पार्टी एक व्यक्ति के नाम से चलेगी, इसे कभी सोचा भी नहीं गया था। भाजपा के कोर वोटर इससे हैरान और परेशान हैं। भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तय किए हैं। इसमें संघ और संगठन की भूमिका नग्नय रही है। अन्य दलों से आए हुए नेताओं को भाजपा का उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा और संघ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएसपी है। चुनाव प्रचार अभियान में मोदी गारंटी के नाम पर प्रचार किया जा रहा है। भाजपा ने साम-दाम-दंड-भेद, पार्टी की जीत के लिए, विचारधारा को आले में रखकर भूल गए हैं। भाजपा में अब मोदी आधारित राजनीति की जा रही है। जिसके कारण भाजपा के अंदर ही अंदर निष्ठावान कार्यकर्ता, पार्टी के बदलते हुए स्वरूप को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। इसका असर प्रथम चरण के चुनाव में दिखा है। कर्नाटक में मोदी के नाम पर चुनाव लड़ा गया था। जहां भाजपा की करारी पराजय हुई। हिमाचल प्रदेश में भी पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा। जब पार्टी चुनाव हारती है, तो ठीकरा संगठन के ऊपर फोड़ा जाता है। पार्टी यदि चुनाव जीत जाती है, तो उसका श्रेय नरेंद्र मोदी को दे दिया जाता है। लोकसभा के चुनाव मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर जनादेश मांगा जा रहा है। चुनाव प्रचार के इस अभियान में पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता गायब हैं। कल जब मोदी के विकल्प की जरूरत पार्टी को होगी, तो पार्टी के अंदर कौन है, जिसके नाम पर या जिसको आगे करके भाजपा संगठन चुनाव लड़ सके। पार्टी के अंदर खाने में इसकी चर्चा होने लगी है। व्यक्ति केंद्रित राजनीति के नए दौर से भाजपा गुजर रही है। हमेशा से भाजपा और संघ इसका विरोध करता रहा है। भविष्य की आशंकाओं को लेकर भाजपा संगठन और संघ में तीव्र अंतर विरोध देखने को मिल रहा है। इसकी परणति किस रूप में होगी, अभी कहना मुश्किल है। संघ और संगठन में जिस तरह से व्यक्तिवाद हावी हो गया है, उसके कारण संघ परिवार की चिंता भी बढ़ गई है। जो गलती कांग्रेस ने कई दशकों के बाद की थी। जिसके कारण 1990 के बाद से कांग्रेस का संगठन ही छिन्न-भिन्न हो गया। उसी रास्ते पर अब भारतीय जनता पार्टी भी चल पड़ी है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का नियंत्रण भी भाजपा संगठन में वैसा नहीं रहा, जो 2014 के पहले हुआ करता था।

मेष राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। दोपहर तक आपको कोई अच्छी खबर मिल सकती है। कुछ छिपे विरोधी आपके बारे मे अफवाहें फैलाने के लिए तैयार बैठे हैं। ऐसा कोई मौका ही न दें। आज आपकी प्रतिभा मान-सम्मान बढ़ाने में कारगर साबित हो सकती है। आपको कुछ ऐसे काम दिए जायेंगे, जिन्हें आप आसानी से पूरा कर लेंगे।

वृष राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज पूरा दिन माता-पिता के साथ बितेगा। आज खुद से बनाई हुई खीर पैरेन्ट्स को खिलाने पर पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी। जिन सीमित विचारों की वजह से आप विचार के दायरे से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, आज उन्हें तोड़कर जीवन में बदलाव लाने में सफल होंगे। आज सरकारी काम या कोर्ट संबंधित कामों को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। राजनीति से जुडे लोगों के लिए दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ़ होगी। आज कार्यस्थल पर लोगों के साथ जुड़े रहने की और मिलने-जुलने की कोशिश करेंगे, लेकिन अपने विचारों में किसी भी प्रकार का बदलाव सोच-समझकर करें। पिछली बातों से मिली सीख को आज ध्यान में रखेंगे। स्वास्थ्य आज पहले से काफी अच्छा रहेगा।

कर्क राशि : आज आपके दिन की शुरुआत खुशियों से भरी होगी। आज अन्य लोगों की समस्याओं को सुलझाने पर आपका ध्यान रहेगा, इस कारण व्यक्तिगत जीवन की कुछ बातों को नजर अंदाज न करें। आज अन्य लोगों की, की गई मदद से आपको लाभ मिलेगा। आज का दिन दोस्तों के साथ मौज मस्ती में बितेगा। आप उसके साथ बाहर जा सकते है जहां किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात होगी।

सिंह राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे। आप जिन कामों को करने के लिए सोचेंगे, वे आपको उम्मीद से ज्यादा फायदा दे सकते हैं। आज के दिन की शुरुआत शुभ संकल्पों से होगी। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े है उनके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। इससे दूसरे लोग भी आपसे प्रभावित होंगे। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर अमल करने के लिए आज का दिन अच्छा है। रिश्तो में मिठास बनी रहेगी।

कन्या राशिः आज भाग्य का आपको पूरा-पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में अपनी प्रगति के बारे में विचार करेंगे। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे तो बिना गड़बड़ के काम समय से पूरा हो जाएगा। आज आपको दूसरों का मूड समझने में बहुत हद तक सफलता मिलेगी। आगे बढऩे के लिए आप कुछ नया सीखेंगे। इस राशि के जो लोग सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उन्हें तरक्की के नये अवसर प्राप्त होंगे।

तुला राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। किसी बात को लेकर भाई-बहन से विचार विमर्श करेंगे। आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए। कोई महत्वपूर्ण काम पूरा होने से मन खुश रहेगा। आज कुछ नए मौके और नये विचार सामने आयेंगे, जिन्हें आप खुले मन से स्वीकार करेंगे। आज आप ज्यादातर मामलों में खुद को भाग्यशाली महसूस करेंगे। छोटी-मोटी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से निजात पाने के लिये घरेलू नुस्खों को अपनाना फायदेमंद रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन लकी रहेगा। आज आप जो भी करें, अच्छे से समझकर करें, फायदा होगा। सरकारी कामों में किसी अनुभवी से सलाह मिल सकती है, जो आपके बहुत काम आ सकती है। इस राशि के जो लोग कोचिंग संचालक हैं, उनके लिये अपने काम में कुछ बदलाव करने का आज अच्छा दिन है। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही करने से बचे। जीवनसाथी का सहयोग बना रहेगा।

धनु राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढ़िया है। आज सेहत संबंधी समस्या को किसी अच्छे डॉक्टर को दिखाएंगे। आज आप सकारात्मक बातों पर ध्यान देने की कोशिश करेंगे। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है। इस राशि के कॉन्टैक्टर के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है। मौसम के बदलने से चिडचिडापन हो सकता है, इससे बचने के लिए खूब पानी पीएं लाभ होगा।

मकर राशिः आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज थोड़ी मेहनत से किसी बड़े फायदे का योग बन रहा है। जीवनसाथी की मदद से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। आज किसी समारोह में जाने का प्लान बनाएंगे, जहां किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है। करियर से संबंधित निर्णय की वजह से काम का दबाव बढ़ता हुआ नजर आएगा, लेकिन इसी काम के जरिए आपको सफलता भी मिलेगी।

कुंभ राशि : आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज किसी ऐसे मित्र से कॉल पर बात होगी जिससे पुरानी यादें ताजा हो जाएगी। आज पिछली बातों की वजह से मन उदास होगा। प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

मीन राशि : आज आपका दिन नई सौगात लेकर आया है। आज करियर संबंधी कोई शुभ समाचार मिलेगा, जिससे घर का वातावरण खुशनुमा हो जाएगा। सेहत आज फिट रहेगी। मन में पैसों को लेकर कई तरह के विचार आ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने के लिए समय बेहतर है। यात्रा का कोई कार्यक्रम बना सकते हैं।

प्रयास तौलने का

प्रशान्त करण

तौलना आमतौर पर एक व्यापारिक प्राचीन कला है, विधान है, परम्परा है, खरीदने-बेचने की एक आवश्यक प्रक्रिया है।पर अब यह व्यापक विस्तार को प्राप्त हो चुका है।व्यापार के बाद प्रबंधन और फिर कला के रूप में इसका उत्तरोत्तर विकास कई सयानों ने समय-समय पर किया है, इतिहास साक्षी है। पिछले कुछ दशकों से विधानसभा से लेकर संसद तक में यह सुनने का सुखद अनुभव हम भारतवासियों को हुआ।सदस्य सरकार बचाने के लिए खरीदे जाने की बात आजतक सुनने को मिलती है।काँग्रेस की अल्पमत नरसिम्हा राव जी की सरकार में इसी कला और प्रबंधन के साथ तौलने के सिद्धांत पर सरकार बचा ली गयी थी .इसी विधा से कुछ साधक चुनाव के पहले से इससे संबंधित व्यापार में लग जाते हैं।इधर सभा में किसी दल को सरकार बनाने में सदस्यों का टोटा पड़ा, उधर इसका जुगाड़ व्यापारी सक्रिय।पर हमें अब ऐसे समाचार संवेदित ही नहीं करते।हमें इसके सुनते रहने का अभ्यास जो हो चला है।इस क्रिया में कई सयानों का अनुभव बैगन अथवा मेंढकों को तौलने के प्रयास का भी रहा।बिके सदस्य आज दाम पर इधर।कोई अगला ज्यादा दाम लगा कर रातों रात उन्हें उधर कर देता है।तौलना एक कला है।सिद्धहस्त बेचते समय कम तौलने और खरीदते समय ज्यादा तौलने में माहिर होते हैं।सुना है कि उनके तराजू और बटखरे भी अलग प्रकार के होते हैं।आपकी दृष्टि बचाकर चतुराई से यह कार्य वर्षों सम्पादित किया जाता रहा।तकनीकी विकास ने इस पारंपरिक कला पर कुठाराघात कर डाला है।अब इलेक्ट्रॉनिक तराजू जो आ गए हैं।इसकी भरपाई कुछ सयाने मिलावट कर करते रहते हैं। मिलावट की बात से एक प्रसंग याद आया .भैया जी के चुनाव जीतने पर उनका नागरिक अभिनन्दन करने का फैसला उन्हीं के द्वारा लिया गया।कहा गया कि जनता उन्हें सम्मानित करना चाहती है।पर उनके पीए साहब ने एक बार नशे में सच उगल ही दिया।यह विचार स्वयं भैया जी का था और वे इसका सारा खर्च चुपके से भैया जी ने ही किया।उनके भार के बराबर चांदी के सिक्कों से उन्हें तौला भी जाना था।पीए साहब अपने भतीजे के द्वारा यह काम करवा रहे थे।भतीजे को भैया जी की पार्टी के झंडे के रंग का दुपट्टा कंधे पर रख दिया गया ताकि वह कार्यकर्ता लगे।नागरिक अभिनन्दन कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न के बाद जब उन चांदी के सिक्कों की जांच भैया जी ने करवाई तो वे सारे नकली निकले . रांगे के सिक्के पर चांदी की पॉलिस पायी गयी .भैया जी ने असली चांदी के भाव से एक क्विनटल पंद्रह किलो का मूल्य नगद पीए साहब के साले को दिया था।हंगामा मच गया।भैया जी ने पीए साहब को बुलाकर कहा-वोटर से लेकर देश-राज्य तक मैं सबको चूना लगता रहता हूँ और आज तुमने हमको चूना लगा दिया।पीए साहब निकाल बाहर किये गए।उन्होंने अपनी पारखी दृष्टि से भैया जी को तौल लिया था . हाँ तो बात तौलने की हो रही थी।कुछ लोग अपने अनुभव से अपने पास आने वाले को तौल लेते हैं।कोई चन्दा मांगने सेठ जी के पास जाता है तो सेठ भी उसे देखकर तौल लेते हैं कि चंदा माँगने वाला बिना चंदा लिए जाएगा या कुछ लेकर ही।लेकर जाने वालों को तौलकर देख लेते हैं कि टुटपुंजिया चंदे में टलेगा या भारी भरकम चन्दा लेकर जाएगा।वहीं चन्दा लेने वाला भी चंदा देने वाले को तौलता है कि सेठ चन्दा देगा कि टरका देगा।देगा भी तो सस्ते में निबटा देगा अथवा इनसे मोटा माल लिया जा सकता है।दोनों ही अपने - अपने krtvyeनिभाते हैं।इस तौल में एक आवश्यक प्रक्रिया पैंतरेवाजी की होती है।जिसकी यह पैंतरेबाजी ज्यादा निकली वह पर्याप्त चंदा लेने में सफल हो जाता है। वर्षों पहले हमने तुले-अनतुले की कहावत भी सुनी थी।उन दिनों अनतुले जी कांग्रेस सरकार में रक्षा मंत्री थे और विपक्षियों ने हथियार सौदे में बड़े घोटाले का बड़ा हल्ला मचाया था।इसी तरह सभी धान बाइस पसेरी की भी कहावत चली आ रही है।इस चक्कर में मध्यप्रदेश में सिंधिया जी कांग्रेस से अलग हो गए।हमारी नौकरशाही में तौलने-तुलवाने की गौरवशाली परम्परा रही है।कभी-कभी मौके पर खुर्राट अधिकारी भी टुच्चे नेताओं द्वारा तौल दिए जाते हैं।उनकी सस्ती कीमत का उन्हें तब जाकर पता चलता है।कुछ सयाने कहते हैं कि हमारे देश में सबसे सस्ती कीमत पर नेता तौल दिए जाते हैं।कुछ खुर्राट पेशेवर विरोधी यह भी कहते नहीं हिचकते कि तौले हुए नेता देश को भी मौका मिले तो तौल दें।वहाँ हर कोई तुल कर बिकना चाहता है।खरीददार मौसम के मिज़ाज़ की प्रतीक्षा करते हैं।जैसे एफसीआई के गेंहू , जब सड़ने लगे तो लाल कार्डधारियों में बिकवा दी जाती है। पढ़ने के बाद समाचारपत्र तौल कर बेचे जाते हैं . लेकिन अब कई संवाददाता से लेकर कई सम्पादक तक तौले जाने लगे . समाचार पत्र जो पहले छपते थे तब जाकर बिकते थे . सुनते हैं कि अब बिकते हैं तब छपते हैं . तोल - मोल से यह भी क्षेत्र अछूता नहीं रहा . साहित्य में भी कइयों ने बोली लगाकर तौल कर सम्मान खरीदा।कई सस्ते में निबट लिए गए।आजकल तथाकथित मंचीय कवियों की ढेर तुलने को तैयार बैठी है।दिल्ली के सौदागरों की टोलियों में भयंकर प्रतिस्पर्धा मची है .पहले हिंदी साहित्य में एक मठाधीश हुआ करते थे।वे रंग देखकर साहित्यकारों को तौलते थे।उन्हें लाल रंग बड़ा पसन्द था।रंगीन सामानों में रंग की परत उसका वजन बढ़ा देती है।हल्का माल भी तौलने पर भारी मिलता है।मैं भी ताक में हूँ, कोई मंडी मिले, भाव बढ़िया मिले तो बिकने से पहले जान तो लूँ कि तौलने के बाद वजन कितना है।कोई मदद करेंगे?

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु पुष्पेश** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु पुष्पेश**❀; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; समाचार संपादक : **राजेश कुमार**। बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।** **रांची** – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड। **गिरिडीह** – बाभनटोली, गिरिडीह, झारखंड।
फोन– 9142412511/9334444424/9102251947/9431366404; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com
❀समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग बच्ची से छेड़खानी, पॉक्सो एक्ट का जिक्र नहीं, सिटी एसपी सेंट्रल ने कहा- कोर्ट में आवेदन देंगे थानाध्यक्ष

पटना। पटना में नाबालिग (12) से छेड़खानी मामले में बुद्धा कॉलोनी थानाध्यक्ष की लापरवाही की बात सामने आई। थानेदार ने पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज नहीं किया। इसके बाद मामला सामने आया। पटना के सिटी एसपी सेंट्रल चंद्र प्रकाश ने बताया कि थानाध्यक्ष से बात हुई है। इस मामले में गलती से जरूरी धारा में मामला दर्ज नहीं किया है। अब थानाध्यक्ष कोर्ट में इस मामले में पॉक्सो एक्ट जोड़ने के लिए आवेदन देंगे। अब कोर्ट के उपर है, वो थानाध्यक्ष पर क्या कार्रवाई करती है। कोर्ट के आदेश का पालन किया जाएगा। वहीं इस मामले में बच्ची के पिता ने बताया कि अब आरोपी सुरेश महतो मुझसे कह रहा है कि पांच लाख लो और मुंह बंद रखो, नहीं तो मोहल्ले में नहीं रहने देंगे। आरोपी की धमकी से मैं और मेरा पूरा परिवार डर के साए में है। फिलहाल आरोपी बैंक कर्मी फरार चल रहा है।

जगदेव पथ पर महिला ने की सुसाइड की कोशिश, बीच सड़क पर ब्लेड से गला काटा, पुलिस बता रही नशे की आदी है लड़की

पटना। पटना के जगदेव पथ के पास शनिवार को एक महिला ने सुसाइड की कोशिश की। महिला ने स्मैक नशे की दवाई नहीं मिलने पर ब्लेड से गला काटकर आत्महत्या का प्रयास किया। घायल अवस्था में पुलिस ने निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया। घटना के बाद मौके पर काफी देर तक सनसनी मची रही। एयरपोर्ट थाना प्रभारी ने महिला की पहचान छोटी रुकनपुरा निवासी के रूप में की है। थाना प्रभारी ने बताया कि पटना के छोटी रूकनपूरा की रहने वाली राजू पासवान की बेटी(25) पिछले कुछ सालों से स्मैक नशीली पदार्थ की आदी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि शादी के बाद उसकी एक बेटी भी हुई है। थाना प्रभारी का यह मानना है कि उसका पति खुद तो नशा करता ही है। अपनी पत्नी को भी नशा का आदी बन चुका है। नशा की दवाई नहीं मिलने पर कई बार उस लड़की ने खुद को ब्लेड से काटकर आत्महत्या का प्रयास किया है। उन्होंने यह भी बताया कि उस लड़की का पति कई आरोप में जेल भी जा चुका है। बताया जा रहा है कि शनिवार को घर में ही पति-पत्नी के बीच आपसी विवाद हुआ था। जिसमें लड़की ने अपनी बेटी के लिए दूध पिलाने के लिए पैसा मांगा। एयरपोर्ट थाना प्रभारी ने बताया कि परिवार वाले लोग यह समझ रहे थे कि वह लड़की नशे की आदि है और नशा करने के लिए उसे पैसे की जरूरत है। इस बात को लेकर परिवार के बीच विवाद हुआ और गुस्से में वह लड़की खुद को ब्लेड से कटकर आत्महत्या का प्रयास करने लगी। घायल अवस्था में पुलिस द्वारा उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उस लड़की के परिवार के लोगों के द्वारा कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

चार दिन से गायब मासूम, पानी भरे गड्ढे में मिली लाश, वैशाली में लोगों ने उपलाती हुई बॉडी देखी, पड़ोसी के घर पूजा में गया था

हाजीपुर। वैशाली के सहदेई बुजुर्ग थाना क्षेत्र की सलहा पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या-7 स्थित एक छोटे से गढ़ में चार दिन से घर से लापता 4 वर्षीय बच्चे का शुक्रवार रात शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर भेज दिया। मृतक बच्चा सलहा पंचायत के वार्ड संख्या सात निवासी अवधेश कुमार के पुत्र 4 वर्षीय कृष्णा बताया गया है जो कि कृष्णा तीन भाई बहन में सबसे छोटा था। स्थानीय लोगों ने शव को

पानी में उपलाता हुआ देखने के बाद इसकी सूचना आसपास के लोगों और घर वालों को दिया। बच्चे की पहचान कृष्णा के रूप में हुई। बताया गया कि वह 16 अप्रैल से ही घर से लापता था। वह अपने घर के बगल में हीं एक पूजा में शामिल होने के लिए गया था और वहीं से खेलते खेलते कहीं गुम हो गया। जिसके बाद चार दिनों के बाद उसका शव तालाब में मिला। घटना की सूचना मिलते हीं परिवार में कोहराम मच गया। माता प्रियंका देवी,दादा राजबल्म पासवान, दादी मंती एवं अन्य स्वजनों के चीत्कार से पूरा वातावरण गमगीन हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद सहदेई थाना के पुलिस पदाधिकारी दीपक कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जिसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

10 फीट लंबा घड़ियाल गंगा किनारे दिखा, वैशाली में लोगों में दहशत, वन विभाग से रेस्क्यू की मांग की

हाजीपुर। वैशाली के राघोपुर प्रखंड के सुकुमारपुर गांव मे गंगा नदी किनारे बालू पर घड़ियाल के निकलकर विचरण करने की सूचना पर लोगों मे दहशत का माहौल है। गंगा नदी किनारे घड़ियाल लगातार देखा जा रहा है जिसको लेकर गंगा नदी में स्नान करने वाले लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय अर्जुन कुमार ने बताया कि गंगा नदी में एक घड़ियाल लगातार दिख रहा है। प्रखंड के सुकुमारपुर और आसपास के ग्रामीणों की मानें तो घड़ियाल पहली दफा दो तीन पहले भी देखा गया था। लेकिन फिर उसे सुकुमारपुर घाट पर नाव के पास गंगा नदी किनारे में दिखा है। ग्रामीणों के अनुसार घड़ियाल करीब 10 या 12 फीट का है। वह पानी में जब डूब जाता है तो 10-20 मिनट के बाद निकलता है और पानी में तैरता दिखता है। स्थानीय अर्जुन राय ने बताया कि सुकुमारपुर घाट पर जहां लोग स्नान करते हैं, वहां घड़ियाल नदी से बाहर निकल कर बालू पर रहता है।

कार ने व्यक्ति को मारी ठोकर, लोगों ने कहा-SDM की गाड़ी से हुआ हादसा, SKMCH में भर्ती

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में शनिवार को एक कार ने बाइक सवार व्यक्ति को टक्कर मार दिया। इसके बाद मौके से फरार हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोगों ने घायल व्यक्ति को इलाज के लिए SKMCH में भर्ती करवाया है। स्थानीय लोगों के अनुसार कार पश्चिमी एसडीएम की है। पूरी घटना सदर थाना क्षेत्र के पताही चौक के पास की है। वहीं, घायल व्यक्ति की पहचान सिउरी अएमा निवासी शिव लाल साह के रूप मे हुई है। घायल व्यक्ति के बेटे ने बताया कि अपने पिता

के साथ घर से शहर इलाज के लिए जा रहा था। इसी दौरान एक गाड़ी ओवरटेक कर रहा था। इसके बाद बेकाबू होकर बाइक में पीछे से टक्कर मार दिया। हमलोग सड़क पर गिर गए। इस दौरान पिता को गंभीर चोट आई है। घटना के बाद कार चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में इलाज के लिए SKMCH में भर्ती करवाया है। लोगों का कहना है कि कार सरकारी नंबर वाला था। कार पश्चिमी SDM की थी। वहीं, पश्चिमी एसडीएम ब्रजेश कुमार ने मामले को लेकर कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। SDM की गाड़ी से इस प्रकार की कोई घटना नहीं घटी है।

"के. एस. पी. ट्रस्ट" के वृहद कार्यक्रम में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

राष्ट्रीय मुख्यधारा। मीरजापुर

अग्रणी सामाजिक संस्था "के. एस. पी. ट्रस्ट" की कोलकाता व हावड़ा में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शक्ति श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सम्पन्न दो दिवसीय वृहद कार्यक्रम में समाज हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि देश के उच्च अलंकरण "पद्मश्री" से विभूषित प्रख्यात लोकगायिका उर्मिला श्रीवास्तव तथा विशिष्ट अतिथि उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायमूर्ति एस. के. प्रसाद व सम्मानित अतिथि शीर्ष उद्योगपति "डकबैक" के चेयरमैन ओ. पी. सक्सेना रहे। ट्रस्ट के पूरे देश भर से एकत्रित विशिष्ट न्यासियों के कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शक्ति श्रीवास्तव ने कहा कि ट्रस्ट के सदस्यता अभियान को तीव्र गति देने के लिए आगामी माह से साधारण न्यासी के रूप में सदस्यता हेतु ऑनलाइन पोर्टल का प्रारम्भ किया जा रहा है, जिस हेतु सुशील श्रीवास्तव जी के प्रमुख संयोजकत्व में प. बंगाल, बिहार, हरियाणा, उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधित्व से एक सदस्यता समिति का गठन किया गया है और शीघ्र ही यह ट्रस्ट देश के सबसे बड़े ट्रस्ट के रूप में जाना जाएगा। इस अवसर पर ट्रस्ट के व्यापक होते स्वरूप को दृष्टिगत रखते हुए पटना (बिहार) से सुजीत वर्मा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, मीरजापुर से रजत श्रीवास्तव को राष्ट्रीय सह सचिव तथा वाराणसी से राजकुमार श्रीवास्तव व हावड़ा से विष्णु प्रधान श्रीवास्तव को राष्ट्रीय संगठन सचिव के साथ ही चंदौली (उ. प्र.) से पंकज श्रीवास्तव को राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष के रूप में चयनित किया गया, ज्ञातव्य हो कि ट्रस्ट में सचिव के पद पर गोरखपुर के अजय सिन्हा और कोषाध्यक्ष के पद पर हरियाणा (फरीदाबाद) के मनोज श्रीवास्तव पूर्व से ही कार्यरत हैं। ट्रस्ट की गतिविधियों व कार्यक्रमों के व्यापक प्रचार प्रसार व आम जन तक ट्रस्ट की सुगम व सुलभ पहुंच सुनिश्चित कराने हेतु सोशल मीडिया इंचार्ज के रूप में लखनऊ के अभिनव चित्रवंश जी को जिम्मेदारी दी गई। देश - विदेश में अपनी गायन प्रतिभा का जादू बिखेरने वाली व देश के उच्च अलंकरण "पद्मश्री" से विभूषित प्रख्यात लोकगायिका श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव जी को ट्रस्ट के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय प्रमुख मनोनीत किया गया। सभी ट्रस्टियों तक क्रिया - कलापों की विस्तृत जानकारी नियमित रूप से पहुंचाने हेतु कोलकाता (प. बंगाल) के वी. पी. श्रीवास्तव को ई-पत्रिका प्रभारी बनाया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण "पद्मश्री" से सम्मानित प्रख्यात लोकगायिका व कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उर्मिला श्रीवास्तव का गायन रहा, जिसमें उन्होंने कजरी, चैती व होली गीतों को सुनाकर उपस्थित लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि नौकरी - पेशा के साथ ही व्यवसाय व राजनीति के क्षेत्र में भी समाज को अपनी भागीदारी बढ़ाते हुए अग्रणी भूमिका का निर्वहन करना चाहिए। समारोह का सफल संचालन कार्यक्रम संयोजक विष्णु प्रधान श्रीवास्तव तथा उपस्थित कायस्थजनों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन संस्थापक न्यासी सुबोध श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करने वाले वक्ताओं में उपरोक्त पदाधिकारियों के अतिरिक्त न्यायमूर्ति एस. के. प्रसाद, ओ. पी. सक्सेना, मनोज श्रीवास्तव, रजत श्रीवास्तव, सुजीत वर्मा, पंकज श्रीवास्तव, शिवम श्रीवास्तव, नरेन्द्र श्रीवास्तव, दुर्गेश श्रीवास्तव, अभिनव चित्रवंश, मनोज चित्रांश, ममता श्रीवास्तव, प्रभात श्रीवास्तव, अमित श्रीवास्तव, सुनीता निगम व गरिमा श्रीवास्तव इत्यादि मुख्य रूप से शामिल रहे। उक्त जानकारी ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. शक्ति श्रीवास्तव ने दी।

पांच अवैध क्लिनिकों पर छापेमारी, सभी फरार

एजेंसी, पटना।

पटना के दानापुर थाना इलाके में चल रहे अवैध रूप से क्लिनिक पर प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। 13 अप्रैल को दानापुर अनुमंडल अस्पताल के पीछे स्थित चाइल्ड केयर नामक फर्जी क्लिनिक में डिलीवरी के लिए आई प्रसूता महिला की ऑपरेशन के बाद मौत हो गई थी। इसके बाद मृतका के परिजनों ने क्लिनिक और डॉक्टर संटू और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था। डॉक्टर को गिरफ्तार कर पूछताछ के दौरान उसने पांच अन्य फर्जी क्लिनिक का नाम बताया था। दानापुर थानाध्यक्ष ने इसकी जांच की की थी। जिसके बाद दानापुर अनुमंडलाधिकारी के निर्देश पर अंचलाधिकारी के नेतृत्व में टीम गठित कर उन क्लिनिकों पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान अवैध रूप से संचालित लगभग सभी क्लिनिक संचालक क्लिनिक

♦ दानापुर में महिला की मौत के बाद हुई थी प्राथमिकी, गिरफ्तार डॉक्टर ने खोला राज

बंद कर फरार हो गए। इस संबंध में दानापुर अंचलाधिकारी चंदन कुमार ने बताया कि दानापुर थानाध्यक्ष के अनुसंशा के बाद अनुमंडलाधिकारी के नेतृत्व में दानापुर पुलिस के साथ थाना क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित पांच क्लिनिकों पर छापेमारी की गई है।

होमवर्क नहीं किया, टीचर ने चम्मच से दो बच्चों को दागा, प्रिंसिपल बोले- नहीं है जानकारी

पटना में मामला दर्ज, आरोपी शिक्षक फरार

एजेंसी, पटना।

पटना के कंकड़बाग थाना क्षेत्र के एक निजी स्कूल के शिक्षक ने दो छोटे बच्चों को चम्मच गर्म कर दाग दिया। बच्चें चीखते रहें। स्कूल के बाकी शिक्षकों और प्रिंसिपल भी इस बात से अनजान हैं। बच्चे जब अपने घर गए और सारी बात अपने घर वालों को बताया, तो परिजनों ने स्कूल में फोन किया, लेकिन स्कूल की तरफ से इस बारे में कोई जवाब नहीं दिया गया। वहीं अब परिजनों ने कंकड़बाग थाने में आरोपी स्कूली टीचर के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया है। पटना के कंकड़बाग थाने में बच्चों के माता-पिता ने बताया कि हमारे बच्चे अशोक नगर के आधेकेतन पब्लिक स्कूल में पढ़ते हैं। दोनों रोज की तरह स्कूल गए। जब बच्चे घर आए तो उनके पैर पर कई जगह जलने का निशान था। पूछने पर बच्चों ने बताया कि होमवर्क नहीं बनाया था, इसीलिए टीचर भड़क गए और दोनों को चम्मच गर्म कर दाग दिया। मासूम इस दौरान चीखते-चिल्लाते रहे। आरोपी शिक्षक का नाम सोनी बताया जा रहा है, जिसके बाद स्कूल में फोन किया गया, लेकिन सामने से स्कूल बंद होने की बात कहकर फोन काट दिया गया, जिसके बाद कंकड़बाग थाना में मामला दर्ज कराया गया है।

आरोपी शिक्षक फरारः कंकड़बाग थानाध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि होम वर्क नही करने पर टीचर के द्वारा दो बच्चों को गर्म चम्मच से दागने का मामला सामने आया है। आरोपी टीचर सोनी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। स्कूल के प्रिंसिपल से बात की गई, प्रिंसिपल ने बताया कि इस बारे में उनको कोई जानकारी नहीं है। आरोपी टीचर के घर पुलिस पहुंची, लेकिन वह फरार है। उसका मोबाइल भी बंद है। पुलिस आरोपी टीचर को तुरंत गिरफ्तार कर लेगी। पुलिस स्कूल के प्रिंसपल से भी पूछताछ करेगी।

वर्ल्ड रोबोट ओलिंपियाड में भाग ले सकेंगे CBSE के छात्र, रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 6 मई और 2 जून

एजेंसी, पटना।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने अपने संबद्ध स्कूलों के प्राचार्यों से 18वें वर्ल्ड रोबोट ओलंपियाड (WRO) इंडिया 2024 में भाग लेने के लिए एक सर्कुलर जारी किया है। इस वर्चुअल चैंपियनशिप इवेंट के लेवल 1 का आयोजन 'फ्यूचर इनोवेटर्स' कैटेगरी के तहत किया जाएगा। सीबीएसई ने स्कूलों को सूचित किया गया है कि 'फ्यूचर इनोवेटर्स' कैटेगरी में एक टीम के लिए एंट्री बिल्कुल फ्री है। इस कैटेगरी के लिए स्कूल अपनी पसंद की किसी भी तकनीक का उपयोग कर सकते हैं।

रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 6 मई और 2 जूनः इस कंपटीशन को तीन आयु वर्ग में बांटा गया है, जो प्राथमिक वर्ग (8 से 12 वर्ष), जूनियर (11 से 15 वर्ष) और सीनियर (14 से 19 वर्ष) हैं। लेवल 1 इवेंट के लिए रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 6 मई (इवेंट-3) और 2 जून (इवेंट-4) है। इवेंट- 3 के लिए सबमिशन की अवधि 7 से 13 मई है। वहीं, इवेंट- 4 के लिए, यह 3 से 9 जून तक है। इवेंट 3 का रिजल्ट 30 मई को और इवेंट 4 का रिजल्ट 17 जून को घोषित किया गया। सीबीएसई ने स्कूलों से भाग लेने का आग्रह किया है, ताकि छात्रों के बीच प्रॉब्लम सोल्विंग, क्रिटिकल थिंकिंग आदि का विकास हो सके।

प्रतिभागी प्रस्तुत करेंगे अपने रोबोट मॉडल

प्रतियोगिता के दिन प्रतिभागी प्रस्तुत करेंगे अपने रोबोट मॉडलः लेवल 1 के कार्यक्रम वर्चुअल हैं और इसमें छात्रों को सीज़न की थीम के अनुरूप इनोवेटिव, इंटेलीजेंट रोबोटिक्स सलूशन बनाने में शामिल किया गया है। प्रतियोगिता के दिन प्रतिभागी जजों के सामने प्रोजेक्ट और रोबोट मॉडल प्रस्तुत करेंगे। इस से संबंधित जानकारी के लिए छात्र ऑफिशियल वेबसाइट www.wroindia.org पर विजिट कर सकते हैं या फिर wro@indiastemfoundation.org पर ईमेल भेज सकते हैं। वर्ल्ड रोबोट ओलंपियाड इंडिया 2024 का आयोजन राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इंडिया STEM फाउंडेशन के सहयोग से किया जा रहा है। इस बार इस चैंपियनशिप की थीम "Earth Allies" है।

मंदिर में हुई चोरी का खुलासा

24 घंटे के अंदर पुलिस ने चोर को पकड़ा, सामान बरामद

एजेंसी, पटना।

पटना सिटी के राम जानकी मंदिर से चोरी गई सामान को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर बरामद कर लिया है। पुलिस ने इसके साथ ही चोर को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार चोर से पूछताछ के बाद पुलिस ने मंदिर से चोरी गई सामान को भी बरामद कर लिया है। घटना की पुष्टि चौक थाना प्रभारी शशि कुमार राणा ने की है। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि पटना सिटी के मोर्चा रोड स्थित राम जानकी मंदिर में शुक्रवार को एक चोर के द्वारा मंदिर में लगे घंटी के साथ-साथ सिंहासन, मूर्ति ,नगद रुपए, दीया, थाली, लोटा चोरी कर ली गई थी। घटना के बाद मंदिर के पुजारी रघुनाथ पांडे ने पटना सिटी के चौक थाने में इसकी लिखित शिकायत की थी। मामला दर्ज होने

के बाद पुलिस ने मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरा को खंगाला था पुलिस ने चोरों को पकड़ने के लिए एक टीम गठित की। सीसीटीवी के आधार पर पुलिस ने उसकी पहचान राहुल कुमार 21 वर्ष मंसूरगंज के रूप में की है। पुलिस ने राहुल कुमार को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के क्रम में राहुल कुमार ने मंदिर में चोरी की बात को स्वीकार किया है।

फिट टू मूव और फिट टू वोट की अपील

आयुक्त, डीएम, एसएसपी ने लगाई पटना की सड़कों पर दौड़

एजेंसी, पटना।

लोकसभा चुनाव में वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए अधिकारी ग्राउंड पर जीतोड़ कसरत कर रहे हैं। लेकिन लोगों से जो अधिकारियों को कनेक्ट होना चाहिए। वो नहीं दिख रहा है। पटना साहिब और पाटलिपुत्र लोकसभा क्षेत्र में मतदाताओं को जागरूक कर के स्वीप और वोटर टर्न आउट बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से वॉकथन और मैराथन का आयोजन किया गया। जिसमें गांधी मैदान के गेट नंबर एक से लेकर गंगा पथ तक दो कैटेगरी में इसे डिवाइड किया गया था। इसमें तीन किलोमीटर का फन रन और 5 किलोमीटर का मैराथन दौड़ शामिल था।

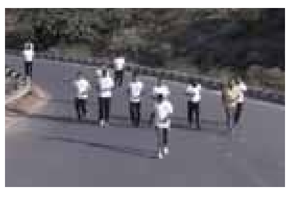

आयुक्त, डीएम, एसएसपी समेत अधिकारियों ने लगाई दौड़ः सुबह सुबह पटना आयुक्त कुमार रवि, पटना डीएम शीर्षत अशोक कपिल, डीआईजी सह पटना एसएसपी राजीव मिश्रा समेत अन्य अधिकारियों ने भी इस दौड़ में हिस्सा लिया। अन्य लोगों के साथ सभी अधिकारी गंगा पथ पर दौड़ लगाते नजर आए। दौड़ शुरू होने से पहले शामिल होने आए लोगों को आयुक्त के द्वारा शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान लोगों ने निर्भीक होकर धर्म, मूलवंश, जाति, समुदाय, अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना वोट देने की शपथ ली। बता दें कि कल प्रथम चरण के मतदान में बिहार के लोकसभा सीटों पर मतदान प्रतिशत 50 से भी कम रहा। पटना में 1 जून को वोट पड़ेगा।

बिहार के 13 जिलों में लू का यलो अलर्ट, पारा पहुंचा 43 डिग्री के करीब

22 अप्रैल के बाद मिल सकती है राहत

एजेंसी, पटना।

बिहार के कई जिलों में आज भी मौसम शुष्क बना रहेगा। मौसम विभाग की ओर से प्रदेश के 13 जिलों में आज लू का यलो अलर्ट जारी किया गया है। अगले 48 घंटे में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री की बढ़ोतरी का पूर्वानुमान है। शुक्रवार को शेखपुरा जिला सबसे गर्म राजा का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश में 11 जिलों का तापमान 43 डिग्री के करीब पहुंच गया है।

राजस्थान से आ रही गर्म हवा के कारण बढ़ रही गर्मीः पटना मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक एसके पटेल ने बताया कि राजस्थान से आ रही उत्तरी-पश्चिमी शुष्क हवा, वायुमंडल में आर्द्रता की कमी और कड़ी धूप होने से अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। हवा 25 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चल रही है। यह स्थिति तीन दिन से है। अगर हवा की यही रफ्तार और पहले से रहती तो तापमान 45 डिग्री तक पहुंच जाता।

आज इन जिलों में लू को लेकर अलर्टः मौसम विभाग की और से आज प्रदेश के 13 जिलों में लू चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। जिसमे बेगूसराय, गोपालगंज, सीवान, बक्सर, कैमूर, शेखपुरा, नवादा, औरंगाबाद, खगड़िया, रोहतास, गया, लखीसराय और जमुई शामिल है।

बिहार में दो तरह का मौसम देखने को मिल रहाः मौसम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार बिहार में इन दिनों दो तरह का मौसम है। दक्षिण बिहार में तापमान बढ़ रहा है, वहीं सीमांचल और इससे सटे इलाके में नहीं। सीमांचल और इससे सटे इलाके में अधिकतम तापमान नहीं बढ़ने की वजह साइक्लोनिक सर्कुलेशन है।

संक्षिप्त समाचार

198 सर्विस मतदाता, पोस्टल बैलेट से हुआ मतदान

गाजियाबाद। जिले में अभी तक हुए मतदान में कुल 198 सर्विस मतदाता और पोस्ट बैलेट से वोट देने वाले मतदाताओं ने मतदान किया है। इसके अलावा घर-घर जाकर वोट कराने वालों में दो दिनों में कुल 285 लोगों ने मतदान किया है। बैलेट पेपर से वोट देने वालों में सबसे अधिक मोदीनगर में मतदान हुआ है।

पोस्टल बैलेट प्रभारी शैलेंद्र कुमार भाटिया ने बताया कि जिन अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी चुनाव में लगाई गई है, वह 21 अप्रैल तक वोट दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि मतदान में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों के अलावा पुलिसकर्मी, होमगार्ड, पीएसी, चुनाव में लगे वाहन के ड्राइवर, कंडक्टर, क्लीनर, चुनाव ड्यूटी में लगे हैं और वह मतदानकर्मी जिनकी ड्यूटी गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र के बाहर लगी हुई है, वह बैलेट पेपर के जरिये मतदान कर सकते हैं। इसके अलावा ऐसे मतदान कर्मी जिनकी ड्यूटी गाजियाबाद लोकसभा में लगी है और वह यहीं के मतदाता हैं, उनके लिए चुनाव ड्यूटी प्रमाणपत्र (ईडीसी) जारी किए जा रहे हैं। वह इसके जरिये जिस मतदान बूथ पर ड्यूटी लगी होगी, वहीं अपना वोट दे सकेंगे।

यहां करें मतदान- आईटीएस कॉलेज मोहननगर और कलक्ट्रेट में स्थापित फेसिलिटेशन सेंटर पोस्टल बैलेट से मतदान कर सकते हैं। कर्मियों के लिए यहीं पर ईडीसी जारी करने की सुविधा दी गई है। यहां भी रेलवे, डाक विभाग, स्वास्थ्य, यातायात, मेट्रो, बिजली विभाग, मीडियाकर्मी 12-डी फार्म भरकर संबंधित विभाग के नोडल अधिकारी को प्रस्तुत करें। उनके प्रमाणीकरण के बाद यहां पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान कर सकेंगे।

दोस्त ने 2.11 लाख रुपये उधार लेकर हड़पे

गाजियाबाद। नंदग्राम के सुभाषनगर के रहने वाले महेश सिसौदिया ने अपने दोस्त प्रशांत तोमर पर 2.11 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। आरोप है कि प्रशांत ने उनसे 2.20 लाख रुपये उधार लिए जिसमें से नौ हजार रुपये लौटा दिए। अब बाकी रकम नहीं लौटा रहा है। मामले में महेश ने नंदग्राम थाने में प्रशांत और वर्षा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। महेश का कहना है कि प्रशांत ने बाकी रकम को जल्द लौटाने का वादा किया इसके बाद उसने चेक भी दिया। उन्होंने चेक बैंक खाते में लगाया और वह पर्याप्त रकम खाते में नहीं होने कारण वापस हो गया। एसीपी नंदग्राम का कहना है कि मामले में जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

फंदे से लटका मिला महिला का शव

लोनी। ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र के दौलतनगर कॉलोनी में बृहस्पतिवार दोपहर एक महिला का शव उसके कमरे में फंदे से लटका मिला। ससुराल पक्ष ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। दोनों पक्षों में पूर्व से विवाद चल रहा है।

दौलतनगर कॉलोनी में शाहरुख परिवार के साथ रहते हैं। वह एक फैक्टरी में काम करते हैं। एसीपी सूर्य बली मौर्य ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली की शाहरुख की पत्नी नजराना (22) ने अपने कमरे में फंदा लगा लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ की। ससुराल पक्ष ने बताया कि घर के नीचे वाली मंजिल में शाहरुख की मां और उसका भाई रहता है। ऊपर वाली मंजिल में शाहरुख और नजराना रहती थी। पूर्व में नजराना और शाहरुख के बीच विवाद हो गया था। शादी के कुछ समय बाद नजराना अपने मायके चली गई थी। इसके बाद दोनों पक्षों में समझौता हुआ और नजराना अपने ससुराल आकर रहने लगी। बृहस्पतिवार को शाहरुख की मां और उसका भाई फैक्टरी चला गया था। शाहरुख भी अपनी फैक्टरी चला गया था। शाम के समय जब वह घर पहुंचा तो ऊपर वाली मंजिल का कमरा अंदर से बंद था। शाहरुख किसी तरह कमरे में पहुंचा तो उसकी पत्नी नजराना का शव फंदे से लटका मिला। एसीपी ने बताया कि परिजनों ने ससुराल पक्ष पर घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया है। तहरीर आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व मंत्री के नाती पर घोषित होगा इनाम...

दबिश दे रही पुलिस, युवती और उसके पिता पर चढ़ा दी थी कार

आगरा, एजेंसी। आगरा में जानलेवा हमले के मुकदमे में फरार पूर्व मंत्री चौधरी उदयभान सिंह का नाती दिव्यांश चौधरी पांच दिन बाद भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। इससे पीड़ित परिवार में आक्रोश है। उधर, मामला लखनऊ तक पहुंच गया है। पूरे मामले की जानकारी मांगी गई है। इस पर पुलिस ने दबिश तेज कर दी हैं। डीसीपी सिटी ने थाना शाहगंज से इनाम घोषित करने के लिए रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट मिलते ही आरोपी पर 10 हजार का इनाम घोषित कर दिया जाएगा।

15 अप्रैल की रात को ऋषि मार्ग (शाहगंज) पर घटना हुई थी। जूता कारोबारी की बेटी लखनऊ से घर लौट रही थी। कारोबारी उसे स्टेशन से लेकर आए थे, तभी उन्हें कार से कुचलने का प्रयास हुआ था। इसका आरोप दिव्यांश चौधरी पर है। वह पूर्व मंत्री का नाती है। परिजनों ने आरोप लगाया था कि पुलिस पूर्व मंत्री के दबाव में है। फरवरी में भी उसने धमकी दी थी। तब मुकदमा दर्ज कराया, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इस बार भी कार्रवाई नहीं होगी। परिजन ने हंगामा किया था। जाम लगाया था। मामले में जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज हुआ।

पीड़ित जूता कारोबारी का कहना है

कि घटना को 5 दिन बीत चुके हैं। मगर, आरोपी पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है। बस यही कहा जा रहा है कि दबिश दे रहे हैं। आम मामलों में तत्परता दिखाते हुए कार्रवाई करने वाली पुलिस पूर्व मंत्री पर हाथ डालने से डर रही है। परिवार दहशत में है। उसे सुरक्षा तक नहीं दी गई है। इस कारण वह घर में कैद हो गए हैं। डर लग रहा है कि पूर्व मंत्री का नाती उनके साथ कोई वारदात न कर दे।

दोस्तों के मोबाइल बंद, परिचित फरार- पूरे मामले की गूंज लखनऊ तक है। इस कारण अधिकारियों से जानकारी मांगी गई है। पुलिस ने भी आरोपी के पश्चिमपुरी और लोहामंडी क्षेत्र स्थित घरों पर दबिश दी, लेकिन वो नहीं मिला। वहीं दोस्तों और परिचितों के बारे में जानकारी जुटाई। 4 दोस्तों ने अपने मोबाइल बंद कर लिए हैं। पुलिस परिचितों के घर भी पहुंची है। मगर, कई परिचित भी पुलिस के सामने नहीं आ रहे हैं। आरोपी दिव्यांश के बारे में कुछ पता नहीं चल सका है।

सीसीटीवी कैमरे में कैद है घटना- डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि पुलिस टीम को आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगाया गया है। घरवालों को नोटिस भी दिया गया है। थाना शाहगंज से इनाम घोषित करने को लेकर रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट मिलने पर इनाम घोषित कर दिया जाएगा। उधर, सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद हुई थी। इससे आरोपी को राहत नहीं मिलने वाली। आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस जेल भेजेगी।

पूर्व मंत्री की पुत्रवधू पर दर्ज केस में लगाई थी फाइनल रिपोर्ट

पूर्व मंत्री के नाती दिव्यांश चौधरी के खिलाफ कार्रवाई करने में पुलिस पर लापरवाही के आरोप लगे हैं। मगर, यह पहला मामला नहीं है, जब पूर्व मंत्री के परिवार के व्यक्ति पर मुकदमा दर्ज हुआ। 4 साल पहले उनकी पुत्रवधू के खिलाफ आत्महत्या के लिए विवश करने की धारा में मुकदमा दर्ज हुआ था। मगर, पुलिस ने विवेचना के 12 महीने बाद फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी।

मामला अप्रैल 2020 का है। तब कोरोना संक्रमण की वजह से लॉकडाउन लगा हुआ था। उस समय चौधरी उदयभान सिंह राज्य मंत्री थे। उनके दिवंगत पुत्र मंजीत की पत्नी सीमा चौधरी के सिकंदरा के कारगिल पेट्रोल पंप चौराहा स्थित शांति फूड कोर्ट रेस्टोरेंट में शिलांग निवासी एल्ड्रिन लिंगदोह नौकरी करता था। उसने रेस्टोरेंट में आत्महत्या कर ली थी।

सुसाइड नोट अपने रिश्तेदार को व्हाट्सएप पर भेजा था। अंग्रेजी में लिखा नोट रिश्तेदारों ने मेघालय की तत्कालीन एडीजी कानून व्यवस्था ईडा शीशा को भेजा था। उन्होंने तत्कालीन एडीजी अजय आनंद को जानकारी दी थी। इसके बाद पुलिस रेस्टोरेंट पहुंची थी। एल्ड्रिन का शव फंदे पर लटका मिला था। कर्मचारी ने सीमा को आत्महत्या के लिए जिम्मेदारी ठहराया था। वह थाना शाहगंज में दर्ज जानलेवा हमले के मामले में आरोपी दिव्यांश की मां हैं। वह पिता के घर में रह रहीं थीं।

उधर, सीमा चौधरी ने तर्क दिया था कि कर्मचारी को नौकरी से निकाल दिया था। इसके बावजूद यहां पर आया था। वह सीढ़ी लगाकर रेस्टोरेंट में घुस गया। मामले में आत्महत्या के लिए विवश करने की धारा में मुकदमा दर्ज हुआ। पुलिस ने एक साल तक विवेचना के बाद फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी।

बाह में मिला युवक का शव...तीन घंटे तक नहीं पहुंची पुलिस; आक्रोशित भीड़ ने हाईवे किया जाम, आश्वासन पर मानें

आगरा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के आगरा में शुक्रवार की सुबह हाईवे किनारे युवक का शव पड़ा मिला। लोगों ने देखा तो पुलिस को जानकारी दी। खबर मिली तो घर में चीख पुकार मच गई। रोते-बिलखते घरवाले भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने रंजिश में हत्या करने की बात कही। सूचना के करीब तीन घंटे बाद तक पुलिस के न पहुंचने से आक्रोशित लोगों ने हाईवे जाम कर दिया।

घटना बाह थाना क्षेत्र के आगरा-इटावा स्टेट हाईवे की है। थाना क्षेत्र के ही भाऊपुरा गांव निवासी राम प्रकाश के बेटे सुनील कुमार (28) का शव हाईवे किनारे पड़ी मिली। सुबह 6 बजे करीब उधर से गुजर रहे लोगों ने देखा तो आसपास के लोगों को बताया। खबर फैली तो मौके पर लोगों की भीड़ लग गई।

स्टेट हाईवे कर दिया जाम- सूचना पर परिजन और गांव के लोग पहुंच गए। घरवालों ने रंजिश में हत्या करने की बात कही। खबर देने के तीन घंटे तक पुलिस नहीं पहुंची। इससे लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने स्टेट हाईवे जाम कर दिया। इससे दोनों ओर वाहनों की कई किमी लंबी कतार लग गई। स्टेट हाईवे के जाम की खबर मिली तो पुलिस पहुंची। मामला संभलता न देख कई थानों की फोर्स को बुलाना पड़ा। करीब दो घंटे के जाम के बाद कार्रवाई के आश्वासन पर लोग मानें। इसके बाद पुलिस ने गाड़ियों को निकलवाया। तब यातायात सुचारू हो पाया।

रंजिश में की गई हत्या- परिजन ने बताया कि सुनील की शादी हो चुकी थी। पत्नी राखी और दो बेटे, एक बेटी हैं। लाश देखकर पत्नी बेसुध हो गई। उन्होंने बताया कि कुछ वर्ष पहले मारपीट की घटना हुई थी। उसी रंजिश में बेटे की हत्या की गई है। प्रभारी निरीक्षक श्याम सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

मैनपुरी में भीषण सड़क हादसा: ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में मारी टक्कर, चार महिलाओं की मौत, 24 लोग घायल

मैनपुरी, एजेंसी। मैनपुरी के भोगांव में शनिवार सुबह भीषण सड़क हादसे में चार महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 24 लोगों के घायल होने की सूचना है। बताया गया है कि ट्रक ने सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर-ट्रॉली में टक्कर मार दी। ट्रॉली में महिलाएं और पुरुष सवार थे जो नामकरण संस्कार से शामिल होकर लौट रहे थे। रास्ते में ये हादसा हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा है।

नामकरण संस्कार से लौट रहे थे सभी- कन्नौज के थाना छिबरामऊ क्षेत्र में स्थित गांव कुंवरपुर निवासी वीरेंद्र सिंह की पुत्री की थाना बिछ्वां के गांव बेलधारा में शादी हुई है। उनकी पुत्री ने 10 दिन पहले पुत्र को जन्म दिया था। शुक्रवार को उसका नामकरण संस्कार था। वीरेंद्र सिंह अपने परिवारीजनों के साथ ट्रैक्टर ट्रॉली से गांव बेलधारा गए थे। शनिवार सुबह करीब साढ़े चार बजे सभी लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली में बैठकर

वापस घर लौट रहे थे। भोगांव क्षेत्र में द्वारकापुर के पास ट्रैक्टर की लाइट खराब हो गई।

इस तरह हुआ हादसा- चालक ने ट्रैक्टर को सड़क किनारे खड़ा कर दिया और लाइट की मरम्मत करने लगा। तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने ट्रॉली में टक्कर मार दी, जिससे ट्रॉली पलट गई। ट्रॉली में बैठी फूलमती पत्नी अवधेश, रमाकांति पत्नी दफेदार, संजय देवी पत्नी राजेश की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 25 लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां द्रोपदी देवी पत्नी विशुन दयाल ने भी दम तोड़ दिया। सभी मृतक और घायल गांव कुंवरपुर छिबरामऊ के निवासी हैं।

सुस्त कार्य संस्कृति से जिला अदालतें खो रहीं आमजन का भरोसा, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने की तल्ख टिप्पणी

प्रयागराज , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिला अदालतों की सुस्त कार्य संस्कृति पर तल्ख टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की एकल पीठ ने कहा, सुस्त कार्य संस्कृति से जिला अदालतों के प्रति आम लोगों का भरोसा कमजोर हो रहा है। कोर्ट ने कहा, लोग न्याय की तलाश में थाना-पुलिस और थकने के बाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा रहे, लेकिन सक्षम न्यायालय की शरण में जाने से कतरा रहे हैं। यह स्थिति खतरनाक है।

यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कानपुर नगर की मायादेवी की जमीन पर कब्जा दिलाने की मांग वाली याचिका पोषणीयता के आधार पर खारिज कर दी। स्पष्ट किया, अनुच्छेद 226 के अंतर्गत हाईकोर्ट का काम जमीन का कब्जा दिलाना नहीं है, ऐसे विवादों के निपटारे का काम सिविल कोर्ट का है। सक्षम न्यायालय की उपेक्षा करने वाले पक्षकार की भावना कितनी भी मजबूत क्यों न हो, वह राहत का हकदार नहीं हो सकता। यह अदालत की अवमानना भी है।

हालांकि यह भी सच्चाई है कि जिला अदालतों की सुस्त कार्य संस्कृति ने लोगों के मन ने अदालतों के प्रति निराशा पैदा कर दी है। लोग चाहते हुए भी सक्षम अदालतों की शरण लेने से बच रहे हैं। यह हालात चिंताजनक होने के साथ विचारणीय भी है।

कोर्ट ने कहा, अक्सर देखा गया है कि एक पक्ष को राहत देने या राहत से इन्कार करने पर न्यायिक अधिकारियों को प्रशासनिक स्तर पर होने वाली शिकायतों का सामना करना पड़ता है। उन्हें यह डर भी सताता है कि कहीं उनका आदेश उच्च अदालत से पलट न दिया जाए। नतीजतन, न्यायाधीश के लिए अपने अधिकार क्षेत्र का स्वतंत्र रूप से प्रयोग करना मुश्किल हो गया है।

खरीदी गई भूमि पर कब्जे की मांग

कानपुर नगर के मामले में माया देवी के पति पीएसी लखनऊ में आरक्षी हैं। 15 फरवरी 2021 को घाटमपुर तहसील के गुच्चुपुर गांव में उन्होंने वीर बहादुर सिंह से 0.7460 हेक्टेयर जमीन का पंजीकृत बैनामा करवाया। बाद में दाखिल खारिज भी करा लिया।

याची का कहना था कि 21 मई 2022 को जब वह अपनी जमीन का कब्जा लेने पहुंचीं तो भूमि विक्रेता ने कब्जा न देकर,गाली गलौज और फिर मारपीट भी की। उन्होंने एफआईआर दर्ज कराते हुए न्याय पाने के लिए एसडीएम, डीएम और कमिश्नर के कार्यालय के चक्कर काटे। पति के कमांडेंट को भी पत्र लिखा, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। विवश होकर उन्होंने खरीदी गई जमीन पर पर कब्जा दिलाने और दोषियों के खिलाफ कारवाई की मांग करते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

सुस्ती के लिए वकील भी जिम्मेदार

कोर्ट ने अदालतों की सुस्त कार्य प्रणाली के लिए वकीलों को भी जिम्मेदार ठहराया। कहा, जिला अदालत में आए दिन होने वाली हड़ताल और सीट पर बैठ कर तारीख पर तारीख लेने की संस्कृति भी मुकदमों के त्वरित निस्तारण में बाधक है। इससे लोग विवादों के त्वरित निस्तारण के लिए सक्षम जिला अदालतों का विकल्प खोजते-खोजते, अधिकारियों और पुलिस थानों के चक्कर काटते हैं। फिर थककर हाईकोर्ट का रुख कर लेते हैं।

सत्ता का संग्राम: बेबाकी से बोले मतदाता, चेहरों को तरजीह नहीं, विकास पर होगी वोट की चोट

कानपुर, एजेंसी। चुनावी रथ सत्ता का संग्राम शनिवार सुबह कानपुर पहुंचा। यहां शास्त्री नगर काली मठिया पर चाय पर चर्चा के दौरान लोगों ने रोजगार और स्थानीय विकास के मुद्दों पर जोर दिया। 13 मई को लोकसभा चुनाव की लिए मतदान है। इसे लेकर राजनीतिक दल और नेता प्रचार में जुटे हुए हैं, लेकिन जनता के मन में क्या है।

युवा मतदाता राघवेंद्र ने बताया कि शहर का अहम मुद्दा विकास है। विकास के नाम पर ही वोट की चोट होगी। वात्सेय त्रिपाठी ने कहा कि पिछली कांग्रेस की सरकारों ने विकास के नाम पर कुछ नहीं किया। मोदी सरकार के आगे जाने की वजह यही है। रघुनाथ ओझा ने कहा कि सरकार की ओर से सब ठीक चल रहा। सिर्फ अधिकारियों की वजह से थोड़ी दिक्कत आ रही है। हर मोहन यादव ने कहा कि सरकार में सिर्फ राशन मिल रहा बाकी थाना पुलिस से लोग परेशान हैं। काली मठिया चौराहे पर 10 साल से कोई बदलाव नहीं हुआ। नीरज वाजपेई ने कहा कि भाजपा इस बार 400 पार जा रही है।

सीएम योगी का टीएमसी सरकार पर हमला, बोले- शोभायात्रा के दौरान हिंसा सनातन आस्था को आहत करने का प्रयास

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए कहा कि बंगाल में रामनवमी पर शोभायात्रा के दौरान हिंसा सनातन आस्था को आहत करने की कुचेष्टा है।

उन्होंने कहा कि ...अभी राम नवमी का आयोजन संपन्न हुआ है। भाजपा शासित सभी राज्यों में राम नवमी के उत्सव और शोभायात्राएं सकुशल संपन्न हुईं लेकिन पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस की सरकार के कारण वहां राम नवमी की शोभायात्राओं पर हमले हुए हैं, यानी सनातन आस्था को आहत करने की किस हद तक की

कुचेष्टाएं हो रही हैं, यह एक बार फिर से वहां देखने को मिला है।

उन्होंने कहा कि हमें नहीं भूलना चाहिए की सुशासन की पहली शर्त कानून का शासन है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने देश में और भाजपा की राज्य सरकारों ने भी सुरक्षा का बेहतर माहौल देने का काम किया है। लोकसभा के पहले चरण के चुनाव में पश्चिम बंगाल की तीन सीटों पर मतदान हुआ। इस दौरान हिंसा की छिटपुट घटनाएं भी हुईं।

दक्षिण के बाद अब यूपी का चुनावी रंग चटख करेंगे राहुल-प्रियंका, खत्म होगा रायबरेली-अमेठी पर सस्पेंस

लखनऊ, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी अब उत्तर प्रदेश में चुनावी रंग चटख करेंगे। इसकी शुरुआत 20 अप्रैल को अमरोहा से होगी। अमरोहा में राहुल गांधी व अखिलेश यादव की संयुक्त रैली है। इसके साथ ही दूसरे चरण के चुनाव में यह दोनों प्रमुख नेता प्रदेश में सभा व रोड शो करेंगे।

राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से प्रत्याशी हैं। इसे देखते हुए पहले चरण के चुनाव में उन्होंने अपना पूरा फोकस दक्षिण में कर रखा था। यही वजह रही कि प्रदेश में पहले चरण के चुनाव में उनकी एक भी सभा नहीं हुई। हालांकि पहले चरण के प्रचार के आखिरी दिन गाजियाबाद में उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता की थी। इसी दिन प्रियंका गांधी ने भी सहारनपुर में रोड शो किया था।

पार्टी नेताओं का कहना है कि पहले चरण में भी राहुल गांधी की सभाएं प्रस्तावित थीं लेकिन दक्षिण में उनकी व्यस्तता के कारण समय नहीं मिल सका। हालांकि अब वह प्रदेश में

नियमित अंतराल में रैली व सभाएं करेंगे। अमरोहा के बाद झांसी में राहुल गांधी व अखिलेश यादव की संयुक्त सभा प्रस्तावित की गई है। कुछ एक जगह उनका रोड शो भी प्रस्तावित किया गया है। इसी क्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जल्द सभा होगी। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय स्थित वार रूम के वरिष्ठ सदस्य संजय दीक्षित ने कहा कि राहुल के साथ ही गाजियाबाद व फतेहपुर सीकरी में प्रियंका गांधी का रोड शो प्रस्तावित है। जल्द ही इसके लिए समय मिलने की उम्मीद है। इसी के साथ अमरोहा में ही दीपेंद्र हुड्डा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश की अन्य सीटों पर कन्हैया कुमार व उदितराज आदि नेताओं के भी कार्यक्रम जल्द ही फाइनल होंगे। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में कई वरिष्ठ नेताओं व दूसरे प्रदेश के नेताओं की सभाएं होंगी।

अगले सप्ताह आ सकता है अमेठी-रायबरेली का टिकट- कांग्रेस और गांधी परिवार से जुड़ी प्रदेश की दो महत्वपूर्ण सीटों अमेठी और रायबरेली की सीट पर चल रहा प्रत्याशी का संशय भी जल्द समाप्त होगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार अगले सप्ताह यहां का टिकट घोषित हो सकता है। पूरी उम्मीद है कि यहां पर गांधी परिवार से ही प्रत्याशी होगा। अगर यहां से गांधी परिवार का कोई भी सदस्य चुनावी मैदान में उतरता है तो कांग्रेस अपनी पूरी ताकत यूपी में झोंकेगी। इसका असर इन दो के साथ अन्य सीटों पर भी पड़ेगा।

PAK मिसाइल प्रोग्राम को सपोर्ट करने वाली कंपनियों पर पाबंदियां

अमेरिका में 3 चीनी कंपनियों के दफ्तर सीज, अफसरों की एंट्री पर रोक

एजेंसी, वॉशिंगटन।

अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल प्राग्राम के लिए तकनीक सप्लाई करने पर चीन की 3 कंपनियों पर बैन लगा दिया है। इस लिस्ट में बेलारूस की भी एक कंपनी शामिल है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, "कार्रवाई के तहत कंपनियों से जुड़ी सभी संपत्ति को सीज कर दिया गया है। वहीं इनके अफसरों की देश में एंट्री पर रोक लगा दी गई है। अमेरिका के ट्रेजरी विभाग को इसकी सूचना भी दे दी गई है।" जिन कंपनियों पर बैन लगाया गया है उनमें चीन की शियान लॉन्गदे टेक्नोलॉजी, तियांजिन क्रिएटिव सोर्स, ग्रैनपेक्ट कंपनी और बेलारूस का मिन्स्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट शामिल हैं।

मिसाइल लॉन्च करने से जुड़े इक्विपमेंट सप्लाई करती थी बेलारूस की कंपनी: बेलारूस की कंपनी मिंस्क व्हील पाकिस्तान की लंबी दूरी वाली बैलिस्टिक मिसाइलों के लिए चैसिस व्हीकल सप्लाई करती थीं। इन्हें मिसाइल लॉन्च करने के लिए सपोर्ट के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। वहीं चीन की शियान लॉन्गदे कमपनी मिसाइल से जुड़े उपकरण जैसे फिलामेंट वाइंडिंग मशीन देती है। इसका इस्तेमाल रॉकेट मोटर के केस बनाने में होता है। तियांजिन कंपनी पाकिस्तान को जो सामान सप्लाई करती है, उसका इस्तेमाल स्पेस लॉन्च व्हीकल के टैंकों की वेल्डिंग में किया जाता है। वहीं ग्रैनपेक्ट कंपनी के उपकरण पाकिस्तान के रॉकेट मोटर की टेस्टिंग में काम आते हैं।

80 के दशक में शुरू हुआ पाकिस्तान का मिसाइल प्रोग्रामः पाकिस्तान ने 1986-87 में अपने मिसाइल प्रोग्राम हत्फ की शुरुआत की थी। भारत के मिसाइल प्रोग्राम का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान की तत्कालीन प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के नेतृत्व में इसकी शुरुआत हुई थी। हत्म प्रोग्राम में पाक रक्षा मंत्रालय को फौज से सीधा समर्थन हासिल था। इसके तहत पाकिस्तान ने सबसे पहले हत्फ-1 और फिर हत्फ-1 मिसाइलों का सफल परीक्षण किया था। BBC की रिपोर्ट के मुताबिक, हत्फ-1 80 किमी और वहीं हत्फ-2 300 किमी तक मार करने में सक्षम थी। यह दोनों मिसाइलें 90 के दशक में सेना का हिस्सा बनी थी। इसके बाद हत्फ-1 को विकसित कर उसकी मारक क्षमता को 100 किलोमीटर बढ़ाया गया। 1996 में पाकिस्तान ने चीन की मदद से बैलिस्टिक मिसाइल की तकनीक हासिल की। फिर 1997 में हत्फ-3 का सफल परीक्षण हुआ, जिसकी मार 800 किलोमीटर तक थी। साल 2002 से 2006 तक भारत के साथ तनाव के बीच पाकिस्तान ने सबसे ज्यादा मिसाइलों की टेस्टिंग की थी।

कश्मीर के अलगाववादियों से मिली ब्रिटिश सांसद

एजेंसी, लंदन।

ब्रिटेन की एक सांसद रेचल हॉपकिन्स ने जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (JKLF) के डिप्लोमैटिक ब्यूरो चीफ जाफर खान और अन्य सदस्यों से मुलाकात की है। ब्रिटेन की संसद में हुई इस मुलाकात के दौरान उन्होंने कश्मीर के आतंकी यासीन मलिक के केस की सुनवाई पर भी चर्चा की। संगठन के सदस्यों से मुलाकात के बाद रेचल ने सोशल मीडिया पर कहा, "मैंने जाफर खान के साथ अहम बैठक की। इस दौरान यासीन मलिक को हुई सजा के खिलाफ अपील करने पर चर्चा हुई। मैं हमेशा कश्मीरियों और उनके अधिकारों के लिए खड़ी रहूंगी।" JKLF पर जम्मू-कश्मीर में आतंक भड़काने और अलगाववाद को बढ़ावा देने का आरोप है। भारत ने साल 2019 में संगठन पर बैन लगा दिया था।

कश्मीर में आतंकी हमलों के लिए फंडिंग करता थाः यासीन मलिक को 2022 में NIA कोर्ट ने टेरर फंडिंग केस, UAPA और देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने के आरोप में उम्र कैद सुनाई थी। दो मामलों में उम्रकैद और अन्य मामलों में 10 साल सजा सुनाई गई थी। इसके बाद NIA ने यासीन की सजा को उम्रकैद से सजा-ए-मौत में बदलने की अपील की। यासीन पर पाकिस्तान के समर्थन से कश्मीर में आतंकी हमलों के लिए फंडिंग और आतंकियों को हथियार मुहैया कराने से जुड़े कई केस दर्ज थे। ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (OIC) के ह्यूमन राइट्स कमीशन ने यासीन को सजा दिए जाने की निंदा की थी। OIC ने कहा था कि मलिक को अमानवीय परिस्थितियों में कैद किया गया, जो कश्मीर में रह रहे मुसलमानों के उत्पीड़न को दर्शाता है। OIC ने मलिक की सजा को भारतीय न्याय प्रणाली का मजाक बनाने जैसा बताया था।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी कोर्ट के बाहर शख्स ने खुद को लगाई आग, मौत, ट्रम्प और बाइडेन की नीतियों से नाराज था

नई दिल्ली। अमेरिका में मैनहट्टन कोर्ट के बाहर एक व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली। घटना उस वक्त हुई जब कोर्ट में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पोर्न स्टार को पैसे देकर चुप कराने के मामले में सुनवाई के लिए जजों का चुनाव हो रहा था। आग लगाने वाले शख्स का नाम मैक्सवेल अजारेलो था। उसकी आज अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। न्यूयॉर्क पुलिस के मुताबिक शख्स ने खुद को आग क्यों लगाई फिलहाल इसकी जानकारी नही है। मैक्सवेल ने आग लगाने से पहले कुछ पर्चे हवा में फेंके थे। उन पर लिखा था कि राष्ट्रपति जो बाइडेन और डोनाल्ड ट्रम्प एक दूसरे से मिले हुए हैं। वे दोनों अमेरिका में फासीवाद लाकर हमारी व्यवस्था का तख्तापलट करना चाहते हैं। दरअसल अमेरिका में इस साल के अंत तक राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। इसके लिए बाइडेन और ट्रम्प प्रचार में जुटे हैं। मैक्सवेल अपने साथ एक कैन लेकर आया था, जिसमें ज्वलनशील पदार्थ था। उसने कैन में रखा ज्वलनशील पदार्थ अपने ऊपर छिड़का और आग लगा दी। न्यूयॉर्क पुलिस के चीफ जेफरी मैड्रे के मुताबिक शख्स फ्लोरिडा का रहने वाला था, जो एक हफ्ते पहले ही न्यूयॉर्क आया था और इस बात की जानकारी उसके परिवार को भी नहीं थी। शख्स का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था। पुलिस पर्चों और कैन की जांच कर रही है। वहां मौजूद लोगों का कहना है कि शख्स ने खुद आग लगाने से पहले कुछ भी नहीं कहा। मैनहैटन ग्रैंड जूरी ने पिछले साल ट्रम्प पर क्रिमिनल केस चलाने का फैसला किया था। ट्रम्प पर यह केस 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले पोर्न स्टार के साथ अफेयर और उसे चुप रहने के लिए पैसे देने के आरोप पर चल रहा है। ट्रम्प अमेरिका के पहले ऐसे पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन पर आपराधिक मामला रहा है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने केस पर कहा था कि मुझ पर लगाए गए सभी आरोपों को खारिज किया था।

अमेरिका में भारतीय नागरिक को 5 साल की सजा, डार्क वेब पर ड्रग्स बेचकर कमाए 1.25 हजार करोड़

वॉशिंगटन। अमेरिका में एक 40 साल के भारतीय नागरिक बनमीत सिंह को डार्क वेब पर ड्रग्स बेचने के मामले में दोषी पाया गया है। उसे 5 साल जेल सजा सुनाई गई है। इसके अलावा उसके पास से 1.25 हजार करोड़ रुपए जब्त करने का भी आदेश दिया गया है। बनमीत हल्द्वानी का रहने वाला है। उसे अप्रैल 2019 में लंदन से गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद मार्च 2023 में उसे अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया। कोर्ट की कार्यवाही के बीच इस साल जनवरी में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया था। कोर्ट के दस्तावेजों के मुताबिक, बनमीत ने डार्क वेब पर मार्केटिंग साइट्स बनाई थीं। इनका नाम सिल्क रोड, अल्फा बे, हन्सा था। यहां वो ड्रग्स और कई दूसरी दवाइयां जैसे फेंटानिल, LSD, एक्सटेसी, केटामाइन और ट्रामाडोल बेचता था। ड्रग्स को खरीदने वाले ग्राहक क्रिप्टोकरेंसी के जरिए पेमेंट करते थे। इसके बाद बनमीत खुद ड्रग्स की शिपिंग का जिम्मा संभालता था। वो US मेल या दूसरी सेवाओं के जरिए यूरोप से अमेरिका तक ड्रग्स पहुंचाता था। 2012 से जुलाई 2017 के बीच बनमीत के पास अमेरिका में ड्रग्स बेचने के 8 सेंटर थे। ये सभी ओहायो, फ्लोरिडा, मैरीलैंड, न्यूयॉर्क और वॉशिंगटन में मौजूद थे। यहां मौजूद कर्मचारी ड्रग्स का शिपमेंट लेकर इसे दोबारा से पैक करते थे। इसके बाद अमेरिका के सभी 50 राज्यों के अलावा कनाडा, इंग्लैंड, आयरलैंड और जमाइका जैसे देशों में ड्रग्स पहुंचाया जाता था। धीरे-धीरे बनमीत का कारोबार बढ़ने लगा। वह पूरे अमेरिका में कई सौ किलो ड्रग्स बेचने लगा। इसके जरिए बनमीत ने मल्टीमिलियन डॉलर का ड्रग बिजनेस खड़ा किया। वह क्रिप्टोकरेंसी खातों की मदद से ड्रग्स से होने वाली कमाई को वैध बनाने का काम करता था। अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट के मुताबिक, बनमीत ने इस तरह करीब 1.25 हजार करोड़ की कमाई की।

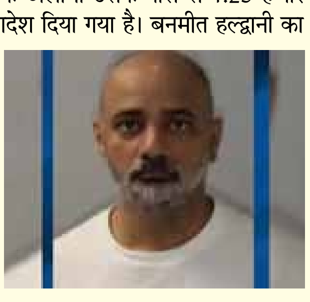

भारत ने पहली बार ब्रह्मोस मिसाइल एक्सपोर्ट की, फिलीपींस को पहली खेप सौंपी

नई दिल्ली। भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की पहली खेप को सौंप दी। ब्रह्मोस पाने वाला फिलीपींस पहला बाहरी देश है। भारत ने जनवरी 2022 में फिलीपींस से ब्रह्मोस मिसाइल की बिक्री के लिए 375 मिलियन डॉलर (3130 करोड़ रुपए) की डील की थी। भारत ने फिलीपींस को कितनी मिसाइलें दीं, अभी इसका पता नहीं चला है। इंडियन एयरफोर्स ने C-17 ग्लोब मास्टर विमान के जरिए इन मिसाइलों को फिलीपींस मरीन कॉर्प्स को सौंपा। इन मिसाइलों की स्पीड 2.8 मैक और मारक क्षमता 290 किमी है। एक मैक ध्वनि की गति 332 मीटर प्रति सेकेंड होती है। फिलीपींस को उस समय मिसाइल सिस्टम की डिलीवरी मिली है, जब उसके और चीन के बीच साउथ चाइना सी में तनाव बढ़ा हुआ है। फिलीपींस ब्रह्मोस के 3 मिसाइल सिस्टम को तटीय इलाकों (साउथ चाइना सी) में तैनात करेगा, ताकि चीन के खतरे से निपटा जा सके। ब्रह्मोस के हर एक सिस्टम में दो मिसाइल लॉन्चर, एक रडार और एक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर होता है। इसके जरिए सबमरीन, शिप, एयरक्राफ्ट से दो ब्रह्मोस मिसाइलें 10 सेकेंड के अंदर दुश्मन पर दागी जा सकती है। इसके अलावा भारत फिलीपींस को मिसाइल ऑपरेट करने की भी ट्रेनिंग देगा। फिलीपींस की चीन के साथ हाल ही में साउथ चाइना सी में कई बार झड़प हुई है। ब्रह्मोस मिसाइलों से समुद्र में फिलीपींस की ताकत बढ़ेगी और समुद्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को भी रोका जा सकेगा।

दूरदर्शन के लोगो के बदले रंग पर कॉन्ट्रोवर्सी

नई दिल्ली। पब्लिक ब्रॉडकास्टर दूरदर्शन के लोगो का रंग लाल से बदलकर नारंगी किया गया है। 16 अप्रैल को दूरदर्शन के अंग्रेजी चैनल डीडी न्यूज ने एक्स हैंडल पर नया प्रमोशनल वीडियो शेयर किया था। इसके कैप्शन में लिखा था- हालांकि हमारे मूल्य वही हैं, अब हम एक नए अवतार में उपलब्ध हैं। ऐसी समाचार यात्रा के लिए तैयार हो जाएं जो पहले कभी नहीं देखी गई। बिल्कुल नए डीडी न्यूज का अनुभव करें। डीडी न्यूज - भरोसा सच का।'' अब दूरदर्शन के लोगो के बदले रंग को लेकर कॉन्ट्रोवर्सी हो रही है। विपक्ष से लेकर प्रसार भारती (DD, AIR) के पूर्व सीईओ और TMC सांसद जवाहर सरकार ने दूरदर्शन लोगो के रंग के बदले जाने की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह अब प्रसार भारती नहीं है - यह प्रचार भारती है। दूरदर्शन के लोगो का भगवाकरण देखकर दुख होताः जवाहर सरकार ने X पर वीडियो शेयर करते हुए कहा, ''चुनाव से ठीक पहले प्रसार भारती के पूर्व सीईओ के रूप में दूरदर्शन के लोगो का भगवाकरण देखकर दुख होता है। एक तटस्थ पब्लिक ब्रॉडकास्टर अब पक्षपाती सरकार के साथ एक धर्म और संघ (RSS) परिवार के रंग को शामिल करके मतदाताओं को प्रभावित करेगा।'' उन्होंने कहा कि चुनाव से ठीक पहले दूरदर्शन के लोगो का भगवाकरण देखकर दुख होता है। नेशनल ब्रॉडकास्टर दूरदर्शन ने अपने ऐतिहासिक फ्लैगशिप लोगो को भगवा रंग में रंग दिया है। अपनी ब्रांडिंग के लिए भगवा रंग को चुना है। इसका पूर्व सीईओ होने के नाते मैं इसके भगवाकरण को चिंता के साथ देख रहा हूं। मैं यह महसूस कर रहा हूं कि यह अब प्रसार भारती नहीं है - यह प्रचार भारती है। सरकार ने दूरदर्शन को आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन भी बताया है। लोगो के रंग के बदलने पर लगाए जा रहे आरोपों पर प्रसार भारती के वर्तमान सीईओ गौरव द्विवेदी ने द इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में कहा, 'नारंगी रंग का नया लोगो देखने में आकर्षक है और यह बदलाव विजुअल एस्थेटिक को ध्यान में रखते हुए किया गया है। लोगो का रंग नारंगी है न कि भगवा।

सूरत के कांग्रेस कैंडिडेट का नामांकन रद्द

एजेंसी, नई दिल्ली।

- तत्काल सुनवाई के लिए हाईकोर्ट जाएंगे, राहुल बोले- मोदी भ्रष्टाचार का स्कूल चला रहे

गुजरात के सूरत में कांग्रेस कैंडिडेट नीलेश कुंभाणी का नामांकन फॉर्म रद्द कर दिया गया है। फॉर्म में गवाहों के दस्तखत में गड़बड़ी थी। इस मामले में BJP के पूर्व डिप्टी मेयर दिनेश जोधानी ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी। आज जिला कलेक्टर ने कुंभाणी को ऑफिस बुलाया और पर्चे की जांच के बाद नामांकन रद्द करने की मौखिक जानकारी दी। कुंभाणी ने कलेक्टर से एक दिन का समय मांगा है। वे अब तत्काल सुनवाई के लिए हाईकोर्ट जाने की तैयारी में हैं। उधर, राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भ्रष्टाचार का स्कूल चलाने का आरोप लगाया। इलेक्टोरल बॉन्ड का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि PM मोदी चंदे का धंधा समेत कई अध्याय विस्तार से पढ़ा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि PM मोदी के भ्रष्टाचार के स्कूल में सिखाया जाता है कि छापा डालकर चंदे की वसूली कैसे होती है, चंदा लेकर ठेका कैसे बांटा जाता है। भ्रष्टाचारियों को शुद्ध करने वाली वाशिंग मशीन कैसे काम करती है। एजेंसियों को वसूली एजेंट बनाकर बेल और जेल का खेल कैसे होता है। राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इलेक्टोरल बॉन्ड पर कटाक्ष करते हुए एक विज्ञापन शेयर किया। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा कि भ्रष्टाचारियों का अड्डा बन चुकी भाजपा ने अपने नेताओं के लिए इस क्रैश कोर्स को अनिवार्य कर दिया है, जिसकी कीमत देश चुका रहा है। राहुल का कहना है कि इंडिया गठबंधन की सरकार, भ्रष्टाचार के इस स्कूल पर ताला लगाकर इस कोर्स को हमेशा के लिए बंद कर देगी।

आतिशी ने शेयर की केजरीवाल की डायबिटीज रीडिंग

कहा- इतने हाई लेवल पर इंसुलिन नहीं दी तो मल्टी ऑर्गन फेल्योर हो जाएगा

एजेंसी, नई दिल्ली।

मंत्री आतिशी ने शनिवार, 20 अप्रैल को सीएम अरविंद केजरीवाल की डायबिटीज और शुगर लेवल रिपोर्ट शेयर कर बड़ा दावा किया है। उन्होंने तिहाड़ जेल में बंद अरविंद केजरीवाल की 12 से 17 अप्रैल तक की शुगर लेवल रीडिंग शेयर की। आतिशी ने कहा है कि सीएम केजरीवाल का शुगर लेवल हाई होने के बावजूद उन्हें इंसुलिन नहीं दिया जा रहा। अगर समय से इंसुलिन नहीं मिलता है तो व्यक्ति के अंग धीरे-धीरे काम करना बंद करने लगते हैं। उधर, प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि जेल प्रशासन उनकी अपील नहीं मान रहा है। कुल मिलाकर, यह केजरीवाल को खत्म करने की साजिश है।

12 अप्रैल से 17 अप्रैल तक केजरीवाल की शुगर लेवल रीडिंगः केजरीवाल को डायबिटीज है। वे शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में 20 दिन से बंद हैं। कोर्ट ने उन्हें 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा है। कोर्ट ने उन्हें घर का खाना खाने की अनुमति दी है। चार दिन पहले यानी 18 अप्रैल को केजरीवाल के वकील विवेक जैन ने ट्रायल कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर केजरीवाल के डॉक्टर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मेडिकल कंसल्टेशन लेने की मांग की थी। उन्होंने तर्क दिया था कि केजरीवाल टाइप-2 डायबिटीज के मरीज हैं और उनका ब्लड शुगर लेवल ऊपर-नीचे (Fluctuate) होता रहता है। इसके जवाब में ED ने राउज एवेन्यू कोर्ट को बताया कि केजरीवाल तिहाड़ जेल में जानबूझकर मीठा खा रहे हैं, ताकि इससे उनका शुगर लेवल बढ़ जाए और उन्हें मेडिकल के आधार पर जमानत मिल जाए। केजरीवाल के घर से ऐसा ही खाना आ रहा है, जिसमें शुगर और कॉर्ब्स की मात्रा ज्यादा रहती है। लेकिन राउज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है। अब उनकी इंसुलिन और डॉक्टर से परामर्श की अपील पर 22 अप्रैल को फैसला आएगा। आतिशी ने लिखा- अगर इतने हाई शुगर लेवल पर इंसुलिन नहीं दी जाएगी, तो व्यक्ति को धीरे- धीरे मल्टी ऑर्गन फेल्योर हो सकता है। यह कैसी क्रूर सरकार है जो डायबिटीज के मरीज को इंसुलिन देने से मना कर रही है। आतिशी ने पूछा कि जेल प्रशासन ने ED को केजरीवाल के खाने की रिपोर्ट क्यों ई-मेल की। उन्होंने आरोप लगाया कि अंग्रेजों की तरह कैदियों का खाना और दवाएं रोकने की साजिश अरविंद केजरीवाल के साथ मोदी सरकार कर रही है। प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि कुल मिलाकर, यह केजरीवाल को खत्म करने की साजिश है, ताकि उनके कई अंग खराब हो जाएं और 2-4 महीने बाद जब वे जेल से बाहर आएं तो किडनी, हार्ट का इलाज कराने चले जाएं। न्यायिक हिरासत देते समय कोर्ट ने केजरीवाल को डेली शुगर लेवल की निगरानी के लिए जेल में ग्लूकोमीटर ले जाने की परमिशन दी थी।

औडिट ट्रेल के उपर सीपीई सेमिनार संपन्न

कोलकाता : बी बी डी बाग सीए सीपीई स्टडी सर्कल आईसीएआई के ईआईआरसी ने औडिट ट्रेल के उपर 20 अप्रैल 2024 को कोलकाता के नलिनी गुहा हौल में 3 घंटे का सीपीई सेमिनार संपन्न हुआ। इस सेमिनार की अध्यक्षता सीए आर के ब्यास ने की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सीए नीतेश मोर, एवं सीए विकास पारख ने औडिट ट्रेल से सम्बंधित सभी मुख्य मुद्दों पर अपना वक्तव्य रखा। सीए हर्ष सतिश उदेशी ने सभा का संचालन एवं वक्ताओं का परिचय दिया एवं सीए चन्द्र भानु सिन्हा, सीए अनुराग माथुर एवं सीए ए के दुधेवाला ने धन्यवाद अतिथियों को मोमेंटो एवं उपहार देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सीए आर के व्यास संस्थापक अध्यक्ष, सीए अशोक महेश्वरी संस्था के अध्यक्ष, सीए पंकज कुमार वर्मा संस्था के संयोजक, सीए हर्ष सतिश उदेशी सह संयोजक, सीए सी बी सिन्हा, सीए अनुराग माथुर और संस्था के सदस्य सक्रिय थे।

राहुल बोले-हिंदुस्तान को 2 तरह के शहीद नहीं चाहिए

- भागलपुर में कहा- सरकार बनते ही अग्निवीर योजना को उठाकर फेंक देंगे, NDA को 150 सीटें मिलेंगी

एजेंसी, भागलपुर।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भागलपुर में जनसभा की। यहां उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग बात करते हैं, इतनी सीटें आएंगी, उतनी सीटें आएंगी, लेकिन मैं कहता हूं- एनडीए को 150 से ज्यादा सीट नहीं आएगी। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सरकार बनते ही अग्निवीर योजना को उठाकर फेंक देंगे। देश को 2 तरह के शहीद नहीं चाहिए। राहुल गांधी के 12 मिनट के भाषण में उनका जोर रोजगार पर था। उन्होंने बताया कि इंडी गठबंधन की सरकार बनी तो किस तरह की योजना लाएंगे। उन्होंने कहा कि जो पैसा मोदी सरकार ने अमीरों में बांटा वो हमारी सरकार बनी तो गरीबों को देंगे। भागलपुर सैंडिस कंपाउंड में राहुल की सभा में तेजस्वी यादव, मुकेश सहनी, प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह भी शामिल हुए। तेजस्वी यादव ने अपने 3 मिनट के भाषण में कहा कि 400 पार की फिल्म फ्लॉप हो चुकी है।

पाकिस्तान में 8 हजार करोड़ निवेश करेगा सऊदी अरब

एजेंसी, नई दिल्ली।

सऊदी अरब जल्द ही पाकिस्तान में तांबा और सोने के खनन से जुड़े प्रोजेक्ट में 8.34 हजार करोड़ का निवेश करेगा। सऊदी के विदेश मंत्री फैजल बिन फरहान अल सऊद हाल ही में 2 दिन के पाकिस्तान दौरे पर गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसी दौरान दोनों देशों के बीच डील पर चर्चा हुई। वहीं शुक्रवार को पाक आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने भी सऊदी के सहायक रक्षा मंत्री मेजर जनरल अब्दुल्लाह अल-ओताइबी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच डिफेंस प्रोडक्शन और मिलिट्री ट्रेनिंग पर भी चर्चा हुई। इससे पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ईद-उल-फितर के मौके पर सऊदी अरब गए थे। वहां के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने उन्हें इफ्तार पार्टी का न्योता दिया था। पाकिस्तान में आर्थिक तंगहाली और राजनीतिक उठापटक के बीच सऊदी हमेशा से उसके साथ खड़ा रहा है। 'द डिप्लोमैट' की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल जुलाई में सऊदी ने पाकिस्तान को 2 अरब डॉलर का लोन दिया था। 2020 तक पाकिस्तान को कर्ज देने वाले देशों में सऊदी पहले नंबर पर था। इस स्टोरी में जानिए की ऐसा क्यों है कि सऊदी पाकिस्तान के खराब आर्थिक और सुरक्षा हालातों के बावजूद उसकी मदद करता है। दोनों के रिश्तों का इतिहास क्या है.

CJI बोले- नए क्रिमिनल लॉ समाज के लिए ऐतिहासिक

ये तभी सफल होंगे, जब जिन पर इन्हें लागू करने का जिम्मा है, वे इन्हें अपनाएंगे

एजेंसी, नई दिल्ली।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने तीन नए आपराधिक कानूनों को ऐतिहासिक बताया। CJI ने ये भी कहा कि भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में अहम बदलाव के लिए तैयार है। ये बदलाव तभी सफल होंगे, जिन पर इन्हें लागू करने का जिम्मा है, वे इन्हें अपनाएंगे। CJI के मुताबिक, इन नए कानूनों ने आपराधिक न्याय के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है। ये ऐतिहासिक इसलिए हैं, क्योंकि कोई भी कानून क्रिमिनल लॉ जैसा रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित नहीं करता। CJI ने दिल्ली में एक कॉन्फ्रेंस इंडियाज प्रोग्रेसिव पाथ इन द एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में ये बातें कहीं। कार्यक्रम में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता मेहता मौजूद थे। तीनों नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता इस साल एक जुलाई से लागू हो जाएंगे। इन कानूनों के बिल को संसद ने 21 दिसंबर 2023 को पास कर दिया था। 25 दिसंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साइन करने के बाद ये तीनों बिल कानून बन गए थे। भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली ने हमारे सामाजिक-आर्थिक परिवेश में हुए तकनीकी बदलावों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए संघर्ष किया है। न्याय प्रणाली ने समाज में होने वाले अपराधों के तरीकों की एक बार फिर से कल्पना की है। तकनीकी और नए युग के अपराध के बढ़ते दायरे, जो अपराध करने और नेटवर्क बनाने के लिए डिजिटल का इस्तेमाल करते हैं, इन्हें जांच की स्थिति में नहीं रखा जा सकता। इन चीजों ने अपराधों की जांच, सबूत और अभियोजन (प्रॉसिक्यूशन) के साथ-साथ न्याय देने में चुनौतियां पेश की हैं। भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता डिजिटल युग में अपराधों से निपटने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाती है। यह 7 साल से ज्यादा सजा वाले अपराधों के लिए तलाशी और जब्ती की ऑडियो विजुअल रिकॉर्डिंग और अपराध स्थल पर एक फोरेंसिक विशेषज्ञ की मौजूदगी तय करती है।

हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, रविवार, 21 अप्रैल, 2024

पाक वर्सेस न्यूजीलेंड

बाबर और कोहली के इस संयुक्त रिकॉर्ड को एक साथ तोड़ने के करीब हैं रिजवान

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का आयोजन किया जा रहा है और इस सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम पाकिस्तान आई हुई है। इन दोनों टीमों के बीच इस टी20आई सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार को रावलपिंडी में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे मुकाबले में पाकिस्तान के विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान के पास एक बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम करने का सुनहरा मौका है जो अभी बाबर आजम और विराट कोहली के नाम पर संयुक्त रूप से दर्ज है।

सबसे तेज 3000 रन बनाने के करीब रिजवान– न्यूजीलैंड के खिलाफ रिजवान के पास टी20आई में सबसे तेज 3000 रन बनाने का रिकॉर्ड अपने काम करने का अच्छा मौका है और इसके लिए उन्हें 19 रन की जरूरत है। कीवी टीम के खिलाफ 19 रन बनाते ही रिजवान टी20आई में सबसे कम पारियों में 3000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे और बाबर व कोहली को पीछे छोड़ देंगे। बाबर और कोहली ने टी20आई में 81-81 पारियों में 3000 रन पूरे किए थे। वहीं रिजवान की बात करें तो उन्होंने अब तक टी20आई में 91 मैचों की 78 पारियों में 2981 रन बनाए हैं। 19 रन बनाते ही वो 3000 रन 79 पारियों में पूरे कर लेंगे और बाबर साथ ही कोहली से आगे निकल जाएंगे।

टी20आई में सबसे कम पारियों में 3000 रन बनाने वाले बल्लेबाज

बाबर आजम 81 पारी
विराट कोहली 81 पारी
एरोन फिंच 98 पारी
मार्टिन गप्टिल 101 पारी
डेविड वॉर्नर 102 पारी

पहला मैच बारिश में धुला: पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पहला मुकाबला गुरुवार को खेला जाना था, लेकिन बारिश की वजह से ये मैच नहीं हो पाया।

विनेश फोगाट से मानसी तक...

4 महिला पहलवान 'पेरिस' से सिर्फ एक कदम दूर

नईदिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक में हिस्सा लेना हर एथलीट का सपना होता है. इस साल यानी 2024 में खेले जाने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए सभी एथलीट जी-तोड़ मेहनत कर रहे हैं. अब चार भारतीय महिला पहलवान पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने से सिर्फ एक कदम दूर हैं. यानी एक और जीत हासिल करते ही चारों भारतीय महिला पहलवान पेरिस ओलंपिक में जगह बना लेंगी. चार महिला पहलवानों में विनेश फोगाट (50 किग्रा), अंशू मलिक (57 किग्रा), मानसी अहलावत (62 किग्रा) और रीतिका (76 किग्रा) शामिल हैं. चारों ही भारतीय महिला बिश्केक में हो रहे एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं. अब सेमीफाइनल मुकाबला जीतते ही चारों पहलवान पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए कोटा हासिल कर लेंगी.

विनेश फोगाट ने 50 किलोग्राम वर्ग में कंबोडियाई की प्रतिद्वंद्वी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई. बता दें कि अंतिम पंघाल 53 किलोग्राम वर्ग में पहले ही पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल कर चुकी हैं. अब देखना दिलचस्प होगा कि फाइनल में पहुंचकर कौन-कौन महिला पहलवान पेरिस ओलंपिक में कोटा हासिल कर पाती हैं. गौरतलब है कि वर्ल्ड

चैंपियशिप 2021 में सिल्वर मेडल जीतने वाली अंशू मलिक ने किर्गिस्तान की कलमीरा बिलिमबेकोवा को तकनीकी श्रेष्ठता के साथ हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की. वहीं अंडर 23 वर्ल्ड चैंपियन रीतिका ने युंजू ह्वांग और मंगोलिया की दवानासन एनख अमर पर जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह हासिल की. बाकी मानसी अहलावत ने कजाकिस्तान की इरिना कुजनेत्सोवा को 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की.

बॉक्सिंग में यह महिलाएं खिलाड़ी हासिल कर चुकी हैं कोटा

माहिला भारतीय बॉक्सर्स में लवलीना बोरगोहेन ने 75 किलोग्राम वर्ग में, निखत ज़रीन ने 50 किलोग्राम वर्ग में, परवीन हुड्डा ने 57 किलोग्राम वर्ग में और प्रीति पवार ने 54 किलोग्राम वर्ग में पेरिस ओलंपिक 2024 का कोटा हासिल कर लिया है.

भारतीय फ्रीस्टाइल पहलवानों का निराशाजनक प्रदर्शन

पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का करने से चूके

बिश्केक, एजेंसी। अमन ने 57 किग्रा वर्ग में दबदबे वाला आगाज करते हुए अपने शुरुआती दो प्रतिद्वंद्वियों येरासिल मुख्तारुली और सुंगवॉन किम को तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। वह हालांकि उज्बेकिस्तान के गुलोमजोन अब्दुल्लेव के खिलाफ इस लय को जारी रखने में विफल रहे और 10 अंकों से पिछड़ने के बाद हार गए। अमन सहरावत एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में शुक्रवार को अपना सेमीफाइनल हारने के बाद पेरिस खेलों के लिए कोटा हासिल करने से चूक गए, जबकि दीपक पूनिया और सुजीत कलकल को वजन करने के लिए समय पर नहीं पहुंच पाने के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा लेने का मौका नहीं मिला।

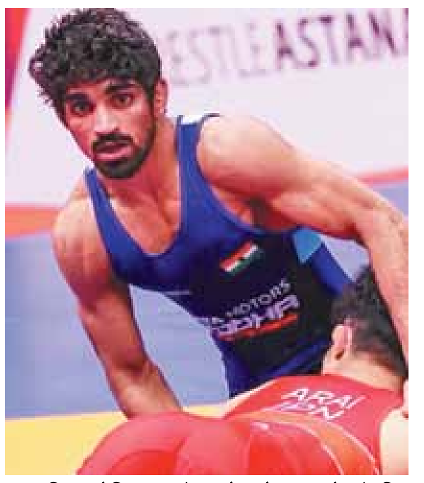

लय बरकरार रखने में विफल रहे अमन– अमन ने 57 किग्रा वर्ग में दबदबे वाला आगाज करते हुए अपने शुरुआती दो प्रतिद्वंद्वियों येरासिल मुख्तारुली और सुंगवॉन किम को तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। वह हालांकि उज्बेकिस्तान के गुलोमजोन अब्दुल्लेव के खिलाफ इस लय को जारी रखने में विफल रहे और 10 अंकों से पिछड़ने के बाद हार गए। भारतीय कुश्ती जगत को अमन से काफी उम्मीदें थी क्योंकि उन्होंने अपने आयु वर्ग में मजबूत माने जाने वाले रवि दाहिया को शिकस्त देकर देश के प्रतिनिधित्व का मौका हासिल किया था।

अन्य पहलवान भी प्रभाव छोड़ने में रहे विफल

अमन के अलावा जयदीप ने भी 74 किग्रा वर्ग में शानदार शुरुआत की और तुर्कमेनिस्तान के अल अर्सलान बेगेनजोव को हराया। वह क्वार्टर फाइनल में किर्गिस्तान के ओरोजोबेक तोक्तोमाम्बेतोवबाद के खिलाफ मुकाबला 2-2 से बराबर होने के बाद हार गए। सुमित मलिक (125 किग्रा) भी अपने पहले दौर में किर्गिस्तान के लखागवागेरेल मुनख्तूर से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गए, जबकि दीपक (97 किग्रा) क्वालीफिकेशन दौर में अराश योशिदा से तकनीकी श्रेष्ठता से हार गए।

दीपक और सुजीत को नहीं मिली खेलने की अनुमति – दीपक और सुजीत कलकल को एशियन ओलंपिक क्वालीफायर्स में शामिल होने की मंजूरी नहीं मिली। यह दोनों पहलवान मंगलवार से दुबई एयरपोर्ट पर फंसे हुए थे और शुक्रवार को बिश्केक पहुंचे थे। जब तक यह दोनों भारतीय पहलवान वहां पहुंचे, उस समय तक अन्य पहलवानों के वजन की जांच शुरू हो चुकी थी जिसके बाद आयोजकों ने दीपक और सुजीत को मंजूरी देने से इनकार कर दिया। सूत्रों ने कहा कि भारतीय कोचों के अनुरोध के बावजूद आयोजकों ने उन्हें अनुमति नहीं दी। पूनिया (86 किग्रा) टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने के करीब पहुंचे थे। महिलाओं की स्पर्धा शनिवार को होगी जिसमें सबसे ज्यादा नजरें विनेश फोगाट (50 किग्रा) पर होंगी। एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के बाद पहलवानों को मई में तुर्की में होने वाले विश्व ओलंपिक क्वालीफायर से एक और मौका मिलेगा।

उम्मीद है चयनकर्ता रिंकू सिंह को नहीं भूलेंगे

संजय मांजरेकर ने क्यों कही ये बात

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में अब तक कोलकाता नाइट राइडर्स के शीर्ष क्रम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बीच रिंकू सिंह को बल्लेबाजी का ज्यादा मौका नहीं मिल रहा है। रिंकू ने बतौर फिनिशर पिछले साल शानदार प्रदर्शन किया था। इसके बौदलत उन्हें भारतीय टीम में उन्हें जगह मिली थी। भारत के लिए भी उन्होंने कई मैच फिनिश किया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर को लगता है कि केकेआर के लिए बल्लेबाजी का ज्यादा मौका न मिलना रिंकू को भारत की टी20 विश्व कप टीम में जगह न देने का यह कोई कारण नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिंकू को ज्यादा मौका नहीं मिल रहा है और उम्मीद है चयनकर्ता उन्हें नहीं भूलेंगे। रिंकू ने इस सीजन 51 गेंद पर 83 रन बनाए हैं। 26 उनका सर्वोच्च स्कोर है। उनका स्ट्राइक रेट 162.75 का है।

मांजरेकर ने रिंकू सिंह को लेकर क्या कहा?

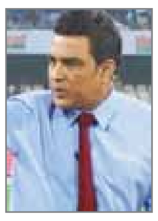

मांजरेकर ने रिंकू को लेकर फर्स्टपोस्ट से कहा, क्योंकि उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिल रहे हैं, मुझे उम्मीद है कि चयनकर्ता रिंकू सिंह को नहीं भूलेंगे। वह सीधे तौर पर भारतीय टीम में चयन होना चाहिए। जब भी उन्हें अवसर मिला है, आपने देखा है कि उन्होंने कितना अच्छा प्रदर्शन किया है। अपनी निरंतरता और रेज दिखाई है। भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों के अलावा, उन बड़े नामों के अलावा जिनके बारे में हम सोच रहे हैं, मैं उन्हें पसंद करता हूं।

रिंकू सिंह ने 15 टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया– रिंकू सिंह ने 15 टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इसमें उन्होंने 7 मैचों में नाबाद रहते हुए 176.23 के स्ट्राइक रेट से 356 रन बनाए हैं। उनका औसत 89 रन का है। ऐसे में बतौर फिनिशर उन्हें भारत की टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह मिलनी चाहिए। 1 जून से यह टूर्नामेंट अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेला जाएगा। भारतीय टीम का चयन 1 मई से पहले हो जाएगा।

व्यापार

पाकिस्तान ने आईएमएफ से एक और बेलआउट पैकेज की मांग की, अगले महीने रिव्यू मिशन भेजने की लगाई गुहार

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से जलवायु वित्तपोषण के साथ छह से आठ अरब डॉलर के बीच का अगला राहत पैकेज देने का औपचारिक अनुरोध किया है। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने आईएमएफ से विस्तारित कोष सुविधा (ईएफएफ) के तहत तीन साल के अगले राहत पैकेज के ब्योरे को अंतिम रूप देने के लिए अपने रिव्यू मिशन को अगले महीने भेजने का भी अनुरोध किया है।

नए पैकेज का सटीक आकार और समय सीमा मई 2024 में अगले बेलबाउट के प्रमुख संदर्भों पर आम सहमति बनाने के बाद ही निर्धारित की जाएगी। वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल वर्तमान में आईएमएफ/विश्व बैंक की वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए वाशिंगटन के दौरे पर है। हालांकि एक पाकिस्तानी अधिकारी अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर पेश कर रहे हैं तो दूसरी ओर आईएमएफ ने मध्य पूर्व

और मध्य एशिया के लिए जारी अपने नवीनतम क्षेत्रीय आर्थिक आउटलुक (आरईओ) में कहा कि नकदी की कमी वाले देश (पाकिस्तान) के बाहरी बफर खराब हो गए हैं। यह चिंता खासकर ज्यादातर यूरोबॉन्ड के पुनर्भुगतान और ऋण सेवाओं के बारे में हैं। रिपोर्ट के अनुसार जहां महंगाई का दबाव बना रहता है, खासकर मिस्र, कजाखस्तान, पाकिस्तान, ट्यूनिशिया और उज्बेकिस्तान, वहां मौद्रिक नीति को कड़ा रहना चाहिए और मुद्रास्फीति की स्थिति बहुत अधिक पलट की ना जाए उसके जोखिम पर भी बारीकी से निगरानी करते हुए डेटा पर निर्भर रहना चाहिए। 2023 में गिरावट के बाद, पाकिस्तान की विकास दर में 2024 में 2 प्रतिशत तक सुधार होने का अनुमान है। अर्थव्यवस्था में यह वृद्धि कृषि और कपड़ा क्षेत्रों में सकारात्मक बदलावों से आने की अपेक्षा की जा रही है। इस बीच, पाकिस्तान वित्त मंत्री औरंगजेब ने वाशिंगटन में विश्व बैंक को बताया कि प्रमुख क्षेत्रों में सुधार एजेंडा के पूरी तरह लागू होने के साथ पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के 2047 तक 3,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता है।

आईएमएफ के साथ पाकिस्तान का मौजूदा 3 बिलियन अमरीकी डालर का समझौता अप्रैल के अंत में पूरा हो रहा है। वहां की सरकार व्यापक आर्थिक स्थिरता को स्थायी बनाए रखने में मदद के लिए एक लंबा और बड़ा ऋण मांग रही है, जिससे देश बहुत जरूरी संरचनात्मक सुधारों को लागू कर सके। वहीं, आईएमएफ ने कहा है कि नए ऋण पैकेज के लिए बातचीत हो रही है वह अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने और सुधारों को प्राथमिकता देने के लिए नाकाफी है।

विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी गिरावट, 5.40 बिलियन डॉलर घटकर 643.16 अरब डॉलर पर आ गया फॉरेक्स रिजर्व

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक उठापटक के चलते निवेशकों को निवेश निकालने और डॉलर के सामने रुपए में आई कमजोरी के चलते विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। 12 अप्रैल 2024 को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 5.40 बिलियन डॉलर घटकर 643.16 बिलियन डॉलर पर आ गया है।

विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर बैंकिंग सेक्टर के रेग्यूलेयर भारतीय रिजर्व बैंक ने डेटा जारी किया है। आरबीआई के मुताबिक 12 अप्रैल 2024 को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी गिरावट देखने को मिली है और ये 5.40 बिलियन डॉलर की गिरावट के साथ 643.16 बिलियन डॉलर पर आ गया है। इसके पहले 5 अप्रैल 2024 को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के सर्वकालिक उच्च स्तर 648.562 बिलियन डॉलर पर जा पहुंचा था। आरबीआई के डेटा के मुताबिक इस दौरान विदेशी करेंसी एसेट्स 6.51 बिलियन डॉलर की कमी के साथ 564.65 बिलियन डॉलर पर आ गया है। हालांकि इस अवधि के दौरान आरबीआई के गोल्ड रिजर्व में उछाल देखने को मिला है। गोल्ड रिजर्व 1.241 बिलियन डॉलर के उछाल के साथ 55.79 बिलियन डॉलर पर आ गया है, जबकि एसडीआर 93 मिलियन डॉलर की कमी के साथ 18.07 बिलियन डॉलर और इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड के पास जमा रिजर्व 35 मिलियन डॉलर की कमी के साथ घटकर 4.63 बिलियन डॉलर पर आ गया है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट के कारणों पर नजर डालें तो इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और इसके चलते कच्चा तेल समेत कमोडिटी के दामों में उछाल के कारण रुपया डॉलर के मुकाबले बेहद कमजोर हुआ है। इस बात के आसार हैं कि रुपए को थामने के लिए सेंट्रल बैंक ने करेंसी मार्केट में दखल दिया जिसके चलते डॉलर रिजर्व घटा है। घरेलू करेंसी को संभालने या डॉलर के मुकाबले गिरावट रोकने के लिए आरबीआई जब भी दखल देता है तब विदेशी मुद्रा भंडार में बदलाव देखने को मिलता है।

जियो फाइनेंशियल तिमाही नतीजे

नेट प्रॉफिट 6 प्रतिशत बढ़कर 311 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने शुक्रवार को मार्च 2024 को समाप्त तिमाही के नतीजे घोषित किए। उसने 311 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया है। इसमें 6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। दिसंबर तिमाही में यह आंकड़ा 294 करोड़ रुपये था। परिचालन से समेकित राजस्व पिछली तिमाही के 414 करोड़ रुपये के मुकाबले 418 करोड़ रुपये पर फ्लैट रहा। मार्च तिमाही में कुल खर्च 103 करोड़ रुपये रहा। जबकि सितंबर तिमाही में यह 98 करोड़ रुपये था।

मार्च 2024 को समाप्त पूरे वर्ष के लिए वित्तीय सेवा कंपनी का

शुद्ध लाभ कई गुना बढ़कर 1,604 करोड़ रुपये हो गया। जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह सिर्फ 31 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए रेवेन्यू भी कई गुना बढ़कर 1,854 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष में यह 42 करोड़ रुपये था। जियो फाइनेंशियल की समेकित आय में इसकी सहायक कंपनियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों की अर्निंग शामिल है। इनमें जियो फाइनेंस, जियो पेमेंट सॉल्यूशंस, रिलायंस इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट्स एंड होल्डिंग्स, जियो इंश्योरेंस ब्रोकिंग, जियो इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट सर्विसेज, जियो इंफॉर्मेशन एग्रीगेटर सर्विसेज, रिलायंस सर्विसेज एंड होल्डिंग्स, पेट्रोलियम ट्रस्ट और जेवी फर्म जियो पेमेंट्स बैंक शामिल हैं। चौथी तिमाही में कंपनी की ब्याज आय बढ़कर 281 करोड़ रुपये हो गई। जबकि तीसरी तिमाही में यह 269 करोड़ रुपये थी। इस बीच फीस और कमीशन इनकम बढ़कर 41 करोड़ रुपये हो गई। इस सप्ताह की शुरुआत में जियो फाइनेंशियल ने घोषणा की थी कि उसने अपने धन प्रबंधन और ब्रोकिंग व्यवसाय के लॉन्च के लिए परिसंपत्ति प्रबंधन फर्म ब्लैकरॉक, इंक के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन की आईएमएफ ने की तारीफ, विश्व बैंक ने भी सराहा

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिका में आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक बसंत बैठक चल रही है। इस बैठक में शामिल होने के लिए भारत की तरफ से आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ भी अमेरिका दौरे पर हैं। अजय सेठ ने बताया कि इस बैठक के दौरान आईएमएफ और विश्व बैंक ने भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन की तारीफ की। बैठक में कहा गया कि भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन के दौरान वैश्विक मुद्दों पर जिस तरह से आम सहमति बनाई गई, वह काबिले तारीफ है।

भारत में हुए जी20 सम्मेलन की इस बात को लेकर हुई तारीफ : भारत में 9-10 सितंबर को जी20 सम्मेलन की बैठक हुई थी। इस सम्मेलन

में 37 पेज का एक आम सहमति घोषणा पत्र पारित हुआ था, जिसमें रूस-यूक्रेन युद्ध समेत वैश्विक अर्थव्यवस्था के कई मुद्दों पर आम सहमति से कदम उठाए गए थे। भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन में विभिन्न मुद्दों पर जिस तरह से सभी की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए बैठकें आयोजित की गईं, उसकी भी तारीफ हुई। लोकसभा चुनाव के चलते इस साल की जी20 की बसंत बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शामिल नहीं हुईं। भारत के प्रतिनिधिमंडल में शीर्ष अधिकारी जैसे आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ और भारतीय रिजर्व बैंक के प्रमुख शक्तिकांत दास शामिल हैं।

हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, रविवार, 21 अप्रैल, 2024

दूध दोहने का नया तरीका

थन और अयन में पानी को छिड़काव, बांटे को दूध दोहने से पहले डालना, थनों को सहलाना और बछड़े/बछियों का चाटना सभी दूध दोहने में सहायक होते हैं। दूध दोहने वाले हारमोन को प्रभाव 5 से 8 मिनट तक रहता है। इसलिए दूध निकालने की प्रक्रिया तुरंत एवं तेजी से की जानी चाहिए।

दूध, पशु के थन और अयन में उतरना एक विशिष्ट प्रक्रिया है। मस्तिष्क एवं तंत्रिका तंत्र इस पर प्रभाव डालते हैं। विभिन्न प्रकार के हारमोन निकलते हैं, जो थन एवं अयन में दूध उतारते हैं। थन और अयन में पानी को छिड़काव, बॉटे को दूध दोहने से पहले डालना, थनों को सहलाना और बछड़े/बछियों का चाटना सभी दूध दोहने में सहायक होते हैं। दूध दोहने वाले हरमोन को प्रभाव 5 से 8 मिनट तक रहता है। इसलिए दूध निकालने की प्रक्रिया तुरंत एवं तेजी से की जानी चाहिए। तभी पशु से पूरा दूध उत्पादन लिया जा सकता है। डर, दर्द एवं भावनात्मक विघ्न दूध रोकने में मदद करते हैं। इसलिए पशु दोहने के पहले बाहरी वातावरण खुश नुमा होना चाहिए। दूध दोहना एक बड़ा कार्य है। डेयरी में कुल मानव घंटों का 50-60 प्रतिशत दूध दोहने में निकलता है। एक अच्छा दूध निकालने वाला 10-15 गायों का दूध निकाल सकता है। दूध एक ऐसा पदार्थ है जो सभी प्रकार के दोषों को ग्रहण कर लेता है। थन एवं अयनों को अच्छी तरह से धोना चाहिए। ग्वालों के हाथ साफ होना चाहिए। नाखून भी साफ होना चाहिए। दूध की तीन विधियां हैं।

तर्जनी एवं अंगूठे की मदद से।
नाखून लगाकर दूध निकालना।

पूर्ण हाथ पद्धति

सामान्य रूप से गायों में बायें तरफ से दूध निकाला जाता है। थनों का कोई क्रम नहीं रहता है। वह दूध भरने के ऊपर निर्भर रहता है।

तर्जनी एवं अंगूठे की मदद से

नई जनने वाली केड़ियों और पाड़ियों के थन छोटे होने के कारण इस विधि से दूध निकाला जाता है। यह पशु को बहुत तकलीफदायक रहती है।

नाखून लगाकर दूध निकालना

भैसों में तथा बड़े थन वाली गायों में यह विधि अपनाई जाती है परन्तु दूध दोहने में पशु को कष्ट होता है। चोट भी लग सकती है।

पूर्ण हाथ विधि

यह विधि वैज्ञानिक विधि है। इसमें पूर्ण हाथ के द्वारा पूर्ण रूपेण दूध निकाला जा सकता है। कुछ दूध निकालने वाले ग्वाले थन को गीला करने के लिए दूध या लार लगाते हैं। यह स्वच्छ उत्पादन की दृष्टि से उपयुक्त है। इसके साथ-साथ ऐसा करने से थन फट सकते हैं। उपरोक्त विधियों के अतिरिक्त मशीन से भी दुहाई की जा सकती है, जहां पर अधिक दूध उत्पादन देने वाली गायें एवं भैंसें हैं जिनका दूध उत्पादन 20 लीटर प्रति दिन प्रति पशु है, वहां मशीन द्वारा दुहाई कराई जाती है। यह दबाव के सिद्धान्त पर काम करती है।

आपके हाथ बाजरे का बम्पर उत्पादन

निराई-गुड़ाई पौधे अधिक नजदीक न करें. बुवाई से 45 दिन तक खेत को खरपतवार रहित रखने से 20% तक उपज अधिक मिलती है। साथ ही जहां अधिक पौधे हों उन्हें उखाड़ कर वहां लगा देना चाहिये जहां पौधा नहीं उगा हो इसलिये यह कार्य उस दिन करना चाहिए जिस दिन खेत में पर्याप्त नमी हो।

खेत की तैयारी

खेत की तैयारी करते समय 10-15 टन सड़ी हुई गोबर खाद खेत में अच्छी तरह मिला देना चाहिये। इसके बाद हल या कल्टीवेटर से दो जुताई कर मिट्टी को भुरभुरा बनाकर पाटा चलाकर खेत को समतल कर लेना चाहिये जिससे खेत में पानी न भरे और जल निकास के माध्यम से वर्षा का अधिक पानी निकाला जा सके।

बुवाई का समय व विधि

बुवाई वर्षा के आरंभ में जून के प्रथम सप्ताह से जुलाई के तृतीय सप्ताह तक बोई जाती है। बुवाई सीड ड्रिल द्वारा लाइन से लाइन की दूरी 45 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 10-15 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 10-15 सेमी तथा बीज को 2-3 सेमी की गहराई पर बोना चाहिए।

भूमि व उसका उपचार

बाजरा के लिये दोमट व रेतीली दोमट भूमि सर्वोत्तम मानी जाती है जिसका जल निकास अच्छा हो यदि भूमि में दीमक की समस्या हो तो क्विनालफॉस 5% डस्ट का भुरकाव करें यदि पूर्व में बोई गई फसल में खरपतवारनाशी के लिये पेन्डीमिथालीन दवा उपयोग की गई हो तो वहां बाजरा की बोनी न करें क्योंकि उस खेत में बाजरे के बीज का अंकुरण प्रभावित होता है।

बीज की मात्रा

बीज की मात्रा प्रति हेक्टर 7-8 किलोग्राम पर्याप्त होती है जिसे 3 ग्राम प्रति किलो बीज को थाइरम से उपचारित कर कल्चर से भी उपचारित करना लाभदायक होता है। प्रति हेक्टर पौधों की संख्या 1.70 से 2.00 लाख पर्याप्त मानी जाती है।

विरलन एवं रिक्त स्थान की पूर्ति

बुवाई के तुरंत बाद यदि वर्षा हो जाती है तो बीज के ऊपर मिट्टी की पर्त जम जाती है जिससे अंकुरण कम हो जाता है ऐसी स्थिति कहीं-कहीं बाजरा का खाली स्थान रह जाता है इसमें जहां अधिक पौधे उगे हैं वहां से उखाड़ कर रोपाई करें।

उर्वरक की मात्रा

130 किलोग्राम यूरिया, 175 किलोग्राम फास्फोरस और 50 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश तत्व आधार खाद के रूप में देना चाहिए और शेष 87 किलोग्राम यूरिया की मात्रा बुवाई के 25-30 दिन बाद छिड़कना चाहिए उस समय नमी होना अति आवश्यक है। अधिक उपज के लिये 25 किलोग्राम जिन्क सल्फेट का प्रति हेक्टर तीन वर्ष में एक बार उपयोग करें।

निंदाई-गुड़ाई

बाजरा की फसल को खरपतवार रहित रखने के लिये बुवाई के तीसरे चौथे सप्ताह में निराई-गुड़ाई अति आवश्यक है अन्यथा अधिक खरपतवारों से 30-40 प्रतिशत तक उपज घट जाती है निराई-गुड़ाई पौधे अधिक नजदीक न करें। बुवाई से 45 दिन तक खेत को खरपतवार रहित रखने से 20% तक उपज अधिक मिलती है। साथ ही जहां अधिक पौधे हों उन्हें उखाड़ कर वहां लगा देना चाहिये जहां पौधा नहीं उगा हो इसलिये यह कार्य उस दिन करना चाहिए जिस दिन खेत में पर्याप्त नमी हो। खरपतवार नियंत्रण के लिये बुवाई के तुरन्त बाद आधा किलोग्राम एट्राजिन सक्रिय तत्व को पानी में घोल बनाकर छिड़कें। यदि चौड़ी पत्ती वाला खरपतवार अधिक हो तो बुवाई के 30 दिन बाद 2-4 डी दवा का 1.00 किलोग्राम सक्रिय तत्व 600 लीटर पानी में घोल बना कर छिड़क दें। सिंचाई- बालियां बनते समय या दाना भरते समय यदि वर्षा न हो तो सिंचाई की उपलब्धता की स्थिति में अवश्य देवें और ध्यान रहे कि फसल जललग्रता न हो यदि खेत में पानी भरे तो तुरन्त जल निकाल दें।

उन्नत किस्में

बाजरा की अनुशंसित किस्म का चयन करना चाहिए जिसे प्रमाणित व विश्वस्तरीय श्रोत से क्रय करना चाहिए। संकर किस्में कम समय में पकती हैं तथा उपज की क्षमता अधिक होती है।

संकर किस्में

एचएचबी-50,एचएचबी-60, एचएचबी-68, बीके 560, जेबीएच-1, जेबीएच-2, आयसीएमएच-356 एवं पीएसबी-25 इन किस्मों की उपज 25-30 क्विंटल प्रति हेक्टर होती है तथा ये 75 से 85 दिन में पक जाती है।
एचएचबी-67- यह किस्म सिंचित क्षेत्र के लिये सर्वोत्तम है जिसको पकने की अवधि 60-65 दिन है उपज 30 से 32 क्विंटल प्रति हेक्टर आती है।

कम्पोजिट किस्में

राज 171, जेवीव्ही-2, जेवीव्ही-3 इन किस्मों की उपज 18 से 25 क्विंटल प्रति हेक्टर होती है।
एचसी-4- यह किस्म बारानी तथा सिंचित दोनों क्षेत्रों के लिये सर्वोत्तम है इसकी उपज 25 क्विंटल तक आती है।
डब्ल्यूसीसी-75 किस्म का दाना 20 से 22 क्विंटल होता है और डन्ठल की उपज 120 क्विंटल होती है।

कटाई एवं गहाई

सितम्बर के अंत या अक्टूबर के मध्य तक पक जाता है जिसे जड़ के ऊपर से दराते से काट कर बंडल बनाकर खेत में सूखने के लिये खड़ा कर देते है।

कोदो- कुटकी

अतिरिक्त आमदनी का जरिया

इनकी खेती अधिकतर हल्की रेतीली, कंकरीली, पथरीली, पहाड़ी, उबड़-खाबड़ व कम उपजाऊ भूमि में की जाती है। वर्तमान में इनका क्षेत्रफल प्रतिवर्ष कम होता जा रहा है, फिर भी लगभग 5.0 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में इन फसलों की खेती की जा रही, जिससे लगभग 2.0 लाख टन उत्पादन प्राप्त किया जाता है।

कोदो और कुटकी की फसलें मुख्यतया लघु धान्य फसलों के अन्तर्गत आती हैं इन्हें मुख्य रूप से डिण्डोरी, मण्डला, छिन्दवाड़ा, सिवनी, शहडोल, बैतूल व झाबुआ जिलों में बोई जाती है। इनकी खेती अधिकतर हल्की रेतीली, कंकरीली, पथरीली, पहाड़ी, उबड़-खाबड़ व कम उपजाऊ भूमि में की जाती है। वर्तमान में इनका क्षेत्रफल प्रतिवर्ष कम होता जा रहा है, फिर भी लगभग 5.0 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में इन फसलों की खेती की जा रही जिससें लगभग 2.0 लाख टन उत्पादन प्राप्त किया जाता है। कोदो एवं कुटकी की दलहनी/ तिलहनी फसलों के साथ अंतरवर्तीय फसल लेकर कृषक बंधु अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

बोने का समय

इन फसलों की बुआई मानसूनी वर्षा प्रारंभ होते ही जून-जुलाई में कर देना चाहिए। समय पर बुआई करने से उपज अधिक प्राप्त होती है एवं रोग व कीट का प्रकोप भी कम होता है।

भूमि का चुनाव

इन फसलों के लिए हल्की भूमि उपयुक्त होती है जिनमें पानी का निकास अच्छा होता है।

उन्नत जातियां

जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र डिण्डौरी व रीवा द्वारा कोदो व कुटकी की अनेक उन्नतशील जातियां विकसित की गईं है जो कि स्थानीय जातियों की तुलना में 20-30 प्रतिशत अधिक उपज देती है। साथ ही कीट व रोग निरोधीत है। इन किस्मों को अपनाकर अधिक पैदावार ली जा सकती है।
(अ) कोदो :- जवाहर कोदो 41, जवाहर कोदो 364, जवाहर कोदो 62, जवाहर कोदो 439, जवाहर कोदो 48 .
(ब) कुटकी :-जवाहर कुटकी 2, जवाहर कुटकी 8 , को-2, को-3।

सस्य विधियां-

कोदो एवं कुटकी की अंतरवर्तीय फसल

कोदो एवं कुटकी अंतरवर्तीय फसल लेकर कृषक बंधु अधिक लाभ प्राप्त कर सकते है। दलहनी फसलों के साथ अंतरवर्तीय फसल ली जा सकती है। जैसे- कोदो या कुटकी की दो कतारों के बीच एक कतार अरहर या मूंग /उड़द 2:1 की बुआई करने से प्रति इकाई क्षेत्र से अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है। उसी प्रकार से तिलहनी फसलों जैसे सोयाबीन या रामतिल को कोदो एवं कुटकी के साथ 2:1 के अनुपात में कतार में बुआई करके अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

अंतरवर्तीय फसल से लाभ

1. दोनों फसलें भूमि के अलग-अलग स्तरों से पानी एवं पोषक तत्वों का उपयोग करते हैं। क्योंकि उनके जड़ों की गहराई अलग-अलग होती है।
2. कोदो एवं कुटकी की फसल सीधी होती है एवं दलहनी-तिलहनी फसल फैली होती है जिससे एक-दूसरे पर सूर्य की किरणों को प्रभावित नहीं करती।
3. दोनों फसलों की अवधि अलग होने से कटाई में परेशानी नहीं होती ।

इस प्रकार प्रति इकाई क्षेत्र से अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

(अ) बीज की मात्रा

शोध परिणामों के आधार पर कोदो, कुटकी आदि की बुआई कतारों में करने से 11 से 17 प्रतिशत तक अधिक उपज प्राप्त होती हैं कतारों में बुआई के लिये 8 से 10 कि.ग्रा. प्रति हे. तथा छिटक वा विधि से बुआई करने पर 25 कि.ग्रा.बीज/ हे. प्रर्याप्त होता है। बीज बोने के पहले बीज को 2.5 ग्राम दवा प्रति किलो बीज की दर से उपचारित अवश्य करना चाहिये।

(ब) रसायनिक खाद की मात्रा

कुटकी के लिए 43 कि.ग्रा. यूरिया,125 सिंगल सुपर फास्फेट तथा कोदो के लिए 75 कि.ग्रा. स्फुर तथा 17 कि.ग्रा. पोटाश प्रति हैक्टेयर अवश्य देना चाहिए। यूरिया की आधी मात्रा तथा स्फुर व पोटाश की संपूर्ण मात्रा बोनी के समय व शेष यूरिया की मात्रा 25 दिन बाद देना चाहिए।

(स) अंत :कर्षण क्रियाएं

बोनी के लगभग 30 वें एवं 45 वें दिन में निंदाई अवश्य करना चाहिये। जहां पौधे न लगे हों वहां अधिक घने वाले स्थान से पौधे उखाड़ कर बुवाई के 15-25 दिन के अंदर रिमझिम वर्षा की स्थिति में रोपाई करना चाहिए।

लेखा संग अपने रिश्ते पर बोले इमरान

बॉलीवुड अभिनेता इमरान खान काफी लंबे समय से फिल्मों से दूर है। उनके चाहने वाले उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए तरस गए हैं। अभिनेता अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रहते हैं। इमरान अभिनेत्री लेखा वाशिंगटन को डेट कर रहे हैं। अब काफी दिनों के बाद अभिनेता ने अपने निजी रिश्ते पर खुलकर बात की है।

इमरान ने हाल ही में पुष्टि की है कि वह अभिनेत्री लेखा वाशिंगटन को डेट कर रहे हैं। इसके साथ ही अभिनेता उनके साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की है और बताया है कि एक कलाकार को डेट करना कैसा होता है। अपने हालिया साक्षात्कार में, अभिनेता ने खुलासा किया कि चूंकि वे दोनों फिल्म इंडस्ट्री से हैं, इसलिए उनकी बातचीत ज्यादातर फिल्मों के ईर्द-गिर्द घूमती है। हालांकि, उनका यह भी मानना है कि एक ही इंडस्ट्री से आने वाले व्यक्ति के साथ रहने के अपने नुकसान हैं क्योंकि एक समय के बाद यह थका देने वाला हो जाता है क्योंकि बात करने के लिए और कुछ नहीं होता है।

इमरान ने स्वीकार किया कि जब दो कलाकार एक रिश्ते में होते हैं, तो वे एक-दूसरे के लिए पेशेवर बाउंसिंग बोर्ड बन जाते हैं। इमरान ने आगे कहा, फिल्मों के बारे में हमें चुप कराना मुश्किल है। मैं रुकता नहीं हूं। मैं हमेशा उनके साथ फिल्मों के बारे में बात करता रहता हूं और एक कलाकार होने के नाते वह हमेशा कुछ न कुछ विचार रखती हैं... इसलिए यह मजेदार और मनोरंजक है। खुद को फिल्मी कपल बताते हुए इमरान ने कहा, मैं कहूंगा यदि आप फिल्मी लोगों के साथ घूमने-फिरने में बहुत अधिक समय बिताते हैं, तो यह बहुत जल्दी थका देने वाला हो जाता है क्योंकि हम फिल्मों के अलावा किसी और चीज के बारे में बात नहीं करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान और लेखा ने मुंबई के बांद्रा में बॉलीवुड फिल्म निर्माता करण जौहर का अपार्टमेंट किराए पर लिया है और वे एक साथ रहने लगे हैं।

शाहरुख के साथ रोमांटिक फिल्म करना चाहती हैं विद्या बालन

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन अपनी फिल्म दो और दो प्यार को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। बोल्ड और बेबाक अंदाज के लिए प्रसिद्ध विद्या बालन की फिल्मों का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। उनकी फिल्म दो और दो प्यार रिलीज हो गई है। यह एक रोमांटिक फिल्म है, जिसका निर्देशन शीर्ष गुहाल ठाकुरता ने किया है। इस फिल्म को लेकर विद्या लागातार इंटरव्यू दे रही हैं। इसी दौरान विद्या ने अपनी एक दिली इच्छा जाहिर की है।

विद्या बालन ने अपने करियर में कई तरह की फिल्में की हैं। हमेशा से ही उनका यही मकसद रहा है कि वह अपनी फिल्मों के जरिए फैंस को ज्यादा से ज्यादा एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट और एंटरटेनमेंट दे सकें। हो सकता है कि यही वजह है कि विद्या अब शाहरुख के साथ एक रोमांटिक फिल्म करना चाहती हैं, ताकि वह अपने फैंस को और भी एंटरटेन कर सकें। साल 2007 में आई विद्या की फिल्म हे बेबी में शाहरुख खान ने कैमियो किया था। शाहरुख इस फिल्म के गाने मस्त कलंदर में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और फरदीन खान नजर आए थे। हालांकि यह बात और कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। लेकिन अब जबकि विद्या ने शाहरुख के साथ रोमांटिक फिल्म करने की इच्छा को जाहिर कर दिया है, ऐसे में देखना यह है कि इस पर शाहरुख का कोई रिएक्शन आता भी है या नहीं। विद्या बालन इन दिनों अपनी फिल्म दो और दो प्यार को लेकर काफी व्यस्त चल रही हैं। इसी फिल्म के लिए दिए हुए एक इंटरव्यू के दौरान जब विद्या से पूछा गया कि वह बॉलीवुड में किस अभिनेता के साथ काम करना चाहती हैं तो उन्होंने कहा, मेरा किरदार शाहरुख खान के साथ फिल्म ओम शांति ओम में बहुत ही कम समय के लिए था, लेकिन मैं शाहरुख के साथ एक अच्छी लव स्टोरी में काम करना चाहती हूं। हाल ही में एक और इंटरव्यू में विद्या ने कहा था कि वह कॉमेडी फिल्म करना चाहती हैं। इसपर विद्या ने कहा, बतौर अभिनेत्री में मुझे कभी कॉमेडी फिल्म करने का मौका नहीं मिला, लेकिन मैं करना चाहती हूं।

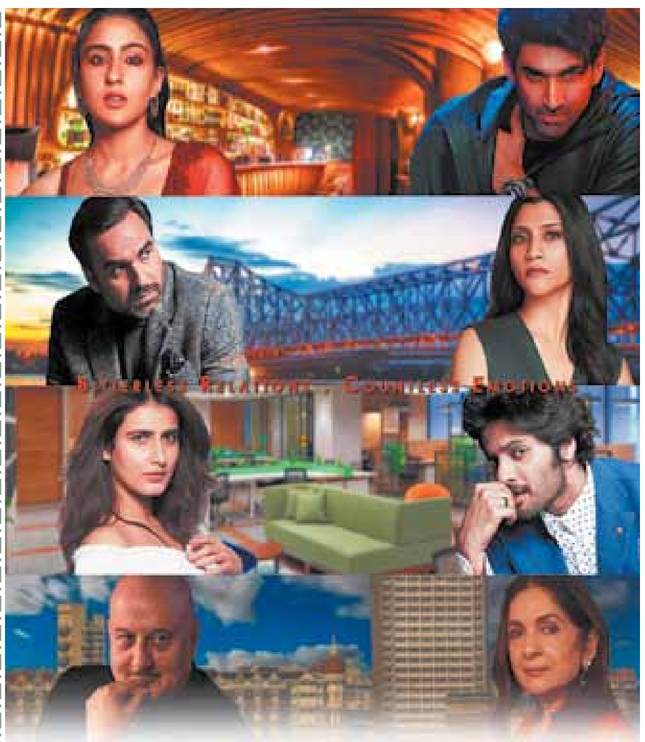

एक बार फिर खिसकी मेट्रो इन दिनों की रिलीज की तारीख

भूषण कुमार और निर्देशक अनुराग बसु की अगली फिल्म मेट्रो इन दिनों का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन फिल्म की रिलीज के लिए उन्हें काफी इंतजार करना पड़ रहा है। कुछ समय पहले ही निर्माताओं ने फिल्म की नई रिलीज की तारीख का खुलासा किया था, लेकिन एक बार फिर इसकी रिलीज आगे खिसक चुकी है। अब निर्माताओं ने फिल्म की नई रिलीज की तारीख से पर्दा उठाया है। अब यह फिल्म इस साल नवंबर में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। अनुराग बसु दिल को छू लेने वाली कहानियां पर्दे पर लाने के लिए जाने जाते हैं। एक बार फिर वे ऐसी ही कहानियां आगामी एंथोलॉजी फिल्म मेट्रो...इन दिनों के जरिए दर्शकों के सामने लाने के लिए तैयार हैं। निर्माताओं ने आज शुक्रवार को फिल्म की नई रिलीज की तारीख की घोषणा की। अनुराग बसु द्वारा निर्देशित यह फिल्म अब 29 नवंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे पहले घोषणा की गई थी कि यह फिल्म 29 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हालांकि, फिल्म की रिलीज की तारीख को आगे खिसकाया गया और इसे 13 सितंबर 2024 को रिलीज करने की योजना बनाई गई। वहीं अब आखिरकार यह फिल्म इस साल 29 नवंबर को दस्तक देगी। मेट्रो...इन दिनों आदित्य रॉय कपूर और अनुराग बसु का दूसरा सहयोग है। दोनों ने पहली बार लूडो में साथ काम किया था।

मैं और कैटरीना आज भी ज्यादा से ज्यादा समय एक साथ बिताते हैं

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल ने वेलेंटाइन डे पर अपनी पत्नी कैटरीना कैफ के साथ बिताए पलों को याद किया। उन्होंने कहा कि जब वह डेटिंग कर रहे थे तो उनका लक्ष्य एक-दूसरे के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताना रहता था। विक्की अपने भाई सनी कौशल के साथ द ग्रेट इंडियन कपिल शो के मंच पर नजर आए। मेजबान कपिल शर्मा ने शादी से पहले और बाद में वेलेंटाइन डे की योजना के बारे में बात की। जिस पर विक्की ने शेयर किया कि शादी से पहले, हमारा लक्ष्य एक साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना था। शादी के बाद भी वही स्थिति है कि हमें एक-दूसरे के साथ अधिकतम समय बिताना है। विक्की से सहमति जताते हुए कपिल ने टिप्पणी की, मैं सहमत हूं। मेरे लिए वैलेंटाइन डे हर रोज है। अपने मजाकिया अंदाज से सनी को चिढ़ाते हुए, कपिल ने कहा, क्या आप मानते हैं कि वेलेंटाइन डे हर रोज होता है या यह केवल 14 फरवरी को होता है। सनी और शारवरी वाघ कथित तौर पर एक कथित तौर पर रिश्ते में हैं। यह एपिसोड नेटफ्लिक्स पर शनिवार रात 8 बजे प्रसारित होने वाला है।

प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों पर राजकुमार राव ने चुप्पी तोड़ी

राजकुमार राव इन दिनों अपनी आगामी फिल्म श्रीकांत-आ रहा है सबकी आंखें खोलने को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच अभिनेता, दिलजीत दोसांझ के हालिया कॉन्सर्ट से वायरल अपनी एक तस्वीर को लेकर भी सुर्खियों में घिर गए हैं। तस्वीर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर चर्चा छिड़ गई कि राजकुमार राव ने प्लास्टिक सर्जरी कराई है। हालांकि, अब खुद अभिनेता ने अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है और फाइटर में खलनायक ऋषभ साहनी के साथ तुलना किए जाने पर भी प्रतिक्रिया देते नजर आए हैं। एक इंटरव्यू में, राजकुमार ने कहा कि उन्हें यह बहस बहुत मजेदार लगी। अभिनेता ने कहा, अगर आपने वह तस्वीर देखी है तो वह मेरी तरह बिल्कुल भी नहीं लग रही है। यह वाकई एक बहुत बड़ा मजाक था क्योंकि इसमें मैं नहीं हूं। मुझे लगता है किसी ने प्रैंक किया है। मैं यकीन से कहता हूं कि इस तस्वीर के साथ किसी ने छेड़खानी की है। ये तस्वीर नकली है। राजकुमार यहीं नहीं रुके और अपनी बात में जोड़ा, लोग प्लास्टिक सर्जरी जैसे बड़े शब्दों का इस्तेमाल कर रहे थे, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया है। हालांकि, जब मैंने इंडस्ट्री में शुरुआत की थी, तो लोग मेरे लुक्स पर कमेंट करते थे, तो 8-9 साल पहले, मैंने फिलर्स करवाया था। मैंने बेहतर दिखने और महसूस करने के लिए ऐसा किया था। जिससे मेरा चेहरा सही संतुलित नजर आए। और ये मैंने स्किन के डॉक्टर से सलाह के बाद किया था। मेरा मानना है कि अगर कोई ऐसा आत्मविश्वास पाने के लिए करना चाहता है तो क्यों नहीं, इसमें कोई बुराई नहीं है। अभिनेता ने वायरल तस्वीर को लेकर हो रही ट्रोलिंग पर कहा, उट्रोल्स का कोई असर नहीं पड़ा क्योंकि ये प्रैंक है। मैं जानता हूं कि ये नकली है। इसके अलावा ऐसे ट्रोल भी हैं, जो सिर्फ ध्यान खींचने के लिए ऐसा करते हैं। मुझे लगता है कि ये सबसे दुखद बात है, जो कोई भी ऐसा करता है। सितारों को अच्छा दिखने के लिए हमेशा दबाव का सामना करना पड़ता है, लेकिन उनके लिए हमेशा काम ही प्राथमिकता रहती है। राजकुमार राव ने अपनी वायरल तस्वीर की तुलना फाइटर (2024) के विलेन ऋषभ साहनी से किए जाने पर कहा, मुझे यह बहस बहुत मजेदार लगी, मैंने उस वायरल फोटो को भी देखा। वह छवि इतनी साफ-सुथरी दिखती है सच है, मेरी त्वचा उस तरह की बेदाग नहीं है। मुझे सच में विश्वास है कि मैं एक के पॉप स्टार की तरह दिखने लगा हूं।

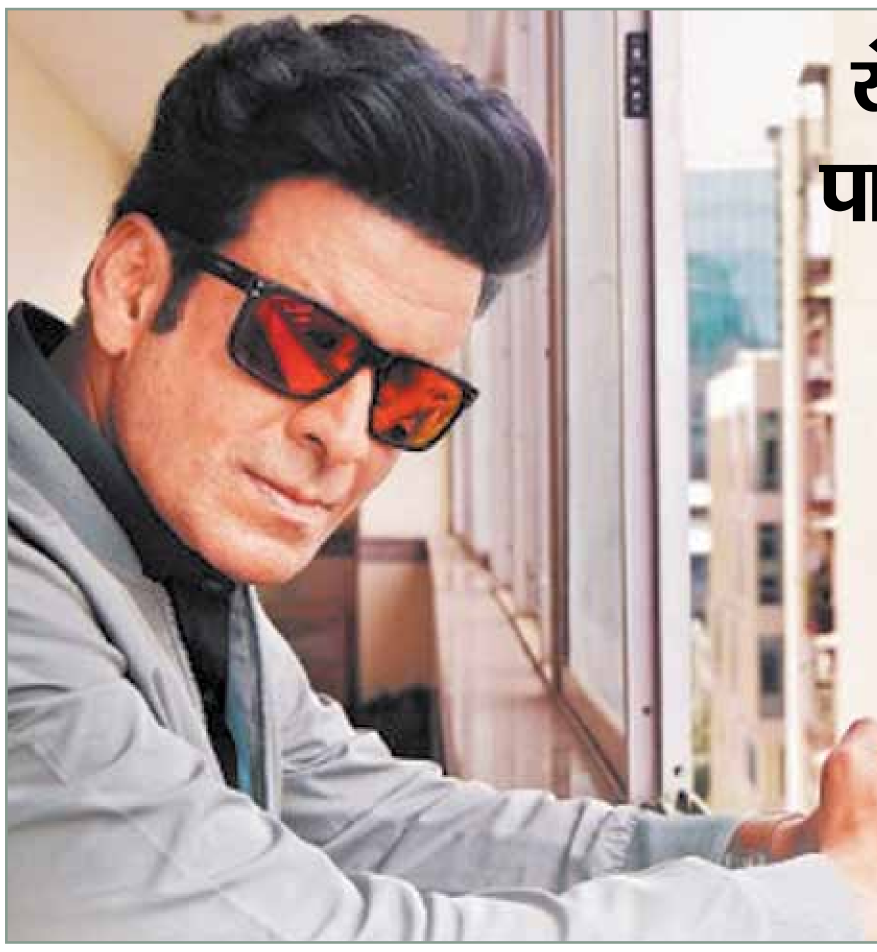

ये भ्रम है कि सिनेमा कमाल नहीं कर पा रहा और ओटीटी धमाल मचा रहा है

करीब 30 साल से भी ज्यादा वक्त से ऐक्टिंग इंडस्ट्री में सक्रिय मनोज बाजपेयी वक्त के साथ लगातार गाढ़े होते गए। पढ़ने-लिखने के शौक के साथ वह खुद भी एक जिम्मेदार व्यक्ति हैं। इसी वजह से दूसरे अपेक्षाएं रखें या ना रखें, लेकिन वह खुद से बहुत अपेक्षाएं रखते हैं। विलेन हो या हीरो, उन्होंने अपनी अदाकारी से हर किरदार को पर्दे पर घोलकर साकार किया है। इन दिनों उन्हें गुत्थियां सुलझाते हुए भी खूब देखा जा रहा है। अब मनोज बाजपेयी जल्द ही फिल्म साइलेंस-2 में एसीपी अविनाश के रूप में फिर से नई गुत्थी सुलझाते दिखेंगे।

मेरा सपना पहाड़ों पर रहने का है

मैं 30 साल से ज्यादा वक्त से फिल्म इंडस्ट्री में हूं। अब मैं चीजें सीख-सीखकर बहुत गाढ़ा हो गया हूं। मुझे पढ़ाई-लिखाई का शौक है। गाढ़े होने की वजह से ही मैं जितना हो सके बेहतर निकालने की कोशिश करता हूं। अभिनय के साथ मुझे ज्ञान जुटाने का शौक है। मगर पहाड़ों पर घर का सपना बुनने का इससे कोई लेना देना नहीं। हां, कोरोना काल में पहाड़ों पर काफी रहना हुआ। आठ महीने वहां रहा था। उस वक्त वहीं शूटिंग चल रही थी, जिसे रोक दिया गया था।

रंगमंच को मिले सरकार का सपोर्ट

रंगमंच पूरे तरीके से लोगों तक तभी पहुंच पाएगा, जब सरकार का सपोर्ट होगा। जगह-जगह पर कलाकारों को उस तरह की सुविधाएं दी जाएं कि वह शहर या राज्य के अलग-अलग कोनों पर जाकर सरकार की मदद से लगातार परफॉर्मे?स दें। ऐसी सांस्कृतिक गतिविधियां हर राज्य के कोने-कोने में होनी चाहिए, जहां पर ना सिर्फ थिएटर बल्कि वहां की लोक संस्कृतियां और लोक संगीत सब पनपे। ये सब थिएटर के एक्सटेंड वर्जन हैं। सरकार इसमें आगे आए तो रंगमंच का हर रंग जगह बिखरेगा।

मशहूर लोगों की बायॉपिक याद रहती है

बायॉपिक के सवाल पर मनोज बाजपेयी कहते हैं, देखिए, मैंने भी की है लेकिन अफसोसजनक है कि सबको मशहूर लोगों की बायॉपिक ही याद रहती है या उसकी वो बात करते हैं। मैंने फिल्म अलीगढ़ की थी, जिसे बहुत नाम व सम्मान मिला। वह फिल्म किसी प्रफेसर की निजी जिंदगी की कहानी थी। उसको भी मैं बायॉपिक ही बोलता हूं। मेरे लिए जरूरी है कि किरदार मुझे उत्साहित कर रहा या चुनौती दे रहा है कि नहीं। मैं उन किरदारों को नहीं छोड़ता जो ये कहे कि अगर नहीं किया तो अभिनेता का जीवन असफल रह जाएगा। अगर आगे भी किसी की बायॉपिक मिलती है तो मैं उसे करने के लिए तैयार हूं।

कहना गलत है कि सिनेमा कमाल नहीं कर पा रहा

यह कहना पूरी तरह से गलत होगा कि सिनेमा कमाल नहीं कर पा रहा और ओटीटी धमाल मचा रहा है। यह सिर्फ एक भ्रम है, जो लोगों के जेहन में उतर गया है। बहुत सारा ओटीटी का कॉन्टेंट, जिसमें फिल्में व सीरीज आती हैं, वे अच्छा नहीं भी कर पाती हैं। वैसे ही, थिएटर सिनेमा है। उसे बस जरा सा समय चाहिए। थिएटर को कोरोना की ऐसी बुरी मार पड़ी है कि लोग तो आ रहे लेकिन कुछेक चुनिंदा फिल्मों के लिए। हालांकि, अब उन्होंने फिर से जाना शुरू कर दिया है। मेरे खयाल से अगले एक साल में पूरा दर्शक समुदाए फिर से थिएटर की ओर लौट आएगा। बशर्ते, अगर कोई अनहोनी घटना नहीं घटती है तो।

मैं खुद से बहुत अपेक्षाएं रखता हूं

अभिनेता के अतिरिक्त, मैं खुद में बहुत जिम्मेदार व्यक्ति हूं। मैं खुद से बहुत सी अपेक्षाएं रखता हूं इसलिए दर्शक मुझसे क्या उम्मीद रखते, इस तरह का बाहरी दबाव लेने की मुझे जरूरत नहीं पड़ती। मैं अपनी अपेक्षाओं और ऐक्टर की जिम्मेदारी से स्वयं में इतना दब जाता हूं कि पूरे समय उसके साथ ही न्याय करता रहता हूं। मुझे ऐक्टिंग में मजा आता है। बाहर से प्रेशर लेकर मैं काम नहीं कर पाऊंगा। जो प्रेशर है, वो भीतर से है। वही लेकर मैं पैदा हुआ हूं। बिना किसी समझौते के अच्छा काम करने की ख्वाहिश और उसे अंजाम तक लेकर जाना मेरी नस-नस में है।